चूहा और आदमी

जॉन स्टाइनबेक

अनुवाद : शीतल तिवारी

चूहा और आदमी

लेखक
जॉन स्टाइनबेक

अनुवाद
शीतल तिवारी

विषय सूची

अध्याय-1

सोलेदाद से दक्षिण की तरफ कुछ मील दूर, सैलीनास नदी का पानी पहाड़ी के पास से बहता हुआ एक संकरी झील से गुजरने के कारण और भी हरा हो जाता है। नदी का चमकीला पानी छोटे से तालाब में पहुँचने से पहले धूप में पीली रेत से होकर गुजरने की वजह से गर्म रहता है। नदी के एक तरफ सुनहरी पहाड़ी ढलानें हैं, जो मजबूत और पथरीले गैबिलियन पर्वत की ओर मुड़ी हुई हैं, लेकिन घाटी की तरफ पानी सरई के पेड़ों से घिरा हुआ है जो हर बसन्त में ताजा और हरे हो जाते हैं, तथा जिनकी निचली पत्तियों के जोड़ों में शीतकाल की बाड़ का मलबा फँसा रहता है; और साईकामोर्स की धब्बेदार, सफेद और झुकी हुई टहनियों से तालाब के ऊपर महराब-सा बन गया है। रेतीले किनारे पर पेड़ के नीचे गिरी हुई पत्तियाँ इतनी सूखी हुई हैं कि छिपकली के गुजरने से भी सरसरा [illegible] हैं। शाम को खरगोश झाड़ियों से निकलकर रेत पर बैठने आते हैं और गीले रेतीले [illegible] रात को रेंगने वाले कीड़ों, बाड़ों से चलकर आने वाले कुत्तों के गद्देदार पंजों और [illegible] में पानी पीने आये हिरनों के फटेखुरों के पदचिन्हों से भरे रहते हैं।

सरई के पेड़ों के बीचों-बीच एक रास्ता है। फार्म से तालाब में नहाने आये लोगों तथा थके हुए मुसाफिरों, जो शाम को हाईवे से नीचे उतरकर पानी के नजदीक कैम्प लगाने आते हैं, इनके लगातार आने-जाने से यह रास्ता एकदम सख्त और साफ दिखायी देता है। सरई की निचली टहनियों के ठीक सामने राख का एक बहुत बड़ा ढेर है, जो वहाँ पर कई बार आग जलाये जाने की वजह से इकट्ठा हो गया है। टहनी की सतह, लोगों के लगातार बैठने की वजह से चिकनी हो गयी है।

गरम दिन की शाम की शुरुआत हवा के एक हल्के से झोंके से हुई। पहाड़ की [illegible] अन्धेरे में डूब चुकी थी। रेत के किनारों पर खरगोश, तराशे हुए भूरे पत्थरों की [illegible], और तभी सड़क की तरफ से चिनार की सूखी हुई पत्तियों के ऊपर पैरों के [illegible] आवाज आयी। खरगोश बिना कोई आवाज किये छिपने के लिए भाग गये। [illegible] के लिए तो वह जगह बिल्कुल निर्जीव-सी हो गयी, तभी वहाँ दो आदमी प्रकट [illegible] सख्त रास्ते से होते हुए तालाब किनारे खुली जगह पर पहुँच गये थे।

रास्ते पर वे एक के पीछे एक चले आ रहे थे और खुली जगह में पहुँचने पर भी

एक के पीछे एक खड़े थे। दोनों ने ही डेनिम की पैन्ट और डेनिम के ही पीतल के बटन लगे हुए कोट पहन रखे थे। दोनों ही काले रंग की बेढंगी-सी टोपी पहने हुए थे और दोनों ने ही अपने कन्धों पर कम्बल डाल रखे थे। पहला आदमी नाटा और फुर्तीला था। उसके चेहरे का रंग गहरा, आँखें व्याकुल और नैन-नक्श काफी तेज थे। उसके शरीर का हर एक हिस्सा सुगठित था-- छोटे-मजबूत हाथ, सुडौल बाँहे और एक दुबली-पतली नाक। विशालकाय आदमी उसके ठीक पीछे चल रहा था, जो उसके ठीक विपरीत था। उसका चेहरा बेडौल, आँखें बड़ी और मुरझायी हुई, कन्धे चौड़े तथा झुके हुए थे, जैसे कोई भालू अपने पंजों को घसीटते हुए चलता है, ठीक उसी तरह वह थकान के कारण अपने पैरों को थोड़ा घसीटते हुए चल रहा था। चलते हुए उसके हाथ आगे-पीछे जा नहीं रहे थे, बल्कि बेजान-से लटके हुए थे।

जैसे ही वे खुले में पहुँचे, पहला आदमी रुक गया और उसके पीछे चल रहा दूसरा आदमी उससे टकराते-टकराते बाल-बाल बचा। उसने अपनी टोपी उतारी, तर्जिनी उंगली से पसीना पोंछा और झटककर बूँदों को जमीन पर गिरा दिया। उसके विशालकाय साथी ने अपने कम्बलों को नीचे गिरा दिया और जमीन पर औंधा लेट, हरे पानी की सतह से मुँह लगाकर पानी पीने लगा। वह किसी घोड़े की तरह नाक से आवाजें निकालते हुए बड़े-बड़े घूँट पी रहा था। यह देखकर छोटा आदमी परेशान-सा उसके बगल में आया।

"लेनी!" उसने उँची आवाज में कहा। "लेनी, भगवान के लिए इतना पानी मत पियो।" लेकिन लेनी तालाब से पानी पीता रहा। फिर वह छोटा आदमी झुका और उसने जोर से लेनी के कन्धों को हिलाया। "लेनी, तुम कल रात की तरह फिर बीमार हो जाओगे।"

लेनी ने अपने सर को टोपी सहित पानी में डुबोया और फिर किनारे पर बैठ गया। उसकी टोपी उसके नीले कोट से फिसलती हुई उसकी पीठ पर आ रुकी। "ये बहुत अच्छा है," उसने कहा। "थोडा-सा तुम भी पी लो जॉर्ज, बड़ा-सा घूँट पी लो।" वह खुशी से मुस्कुराया। जॉर्ज ने अपने सामान को उतारा और उसे धीरे से किनारे पर रख दिया। "जाने कैसा पानी है?" वह बोला, "मुझे नहीं लगता यह पानी अच्छा है। बड़ा गन्दा-सा लगता है।"

लेनी ने अपने बड़े से हाथ की हथेली को पानी में डुबोया और उँगलियों को हिलाने लगा, जिससे पानी की बूँदें इधर-उधर गिरने लगी, पानी में बने छल्ले तालाब के दूसरे छोर तक जाकर वापस आ गये। लेनी ने उन्हें जाते हुए देखा। "देखो, जॉर्ज देखो, अरे जरा इन लहरों को देखो! मैंने क्या किया है।"

जॉर्ज तालाब के किनारे घुटनों के बल बैठा और अपने हाथों से जल्दी-जल्दी पानी

पीने लगा। "इसका स्वाद तो ठीक है," उसने कहा। "लेकिन यह बहता हुआ पानी नहीं है। तुम्हें कभी भी रुका हुआ पानी नहीं पीना चाहिए, लेनी," उसने निराश होते हुए कहा। "प्यासा होने पर तो तुम गन्दी नाली से भी पानी पी लोगे।" उसने हथेली भरकर पानी अपने चेहरे की तरफ उछाला और हाथों से चेहरा, ठुड्डी के नीचे और गर्दन के पीछे साफ करने लगा। फिर उसने सिर से टोपी हटायी और खुद को तालाब से पीछे की ओर धकेला, अपने घुटनों को थोड़ा ऊपर की तरफ उठाया और उन्हें हाथों से जकड़ लिया। लेनी, जो यह सब देख रहा था, उसने भी ठीक वैसा ही किया। उसने भी खुद को पीछे धकेला, अपने घुटनों को थोड़ा उठाया और हाथों से जकड़ लिया, वह फिर जॉर्ज की तरफ मुड़ा और देखने लगा कि उसने ठीक से किया है कि नहीं, उसने अपनी टोपी को आँखों के ऊपर थोड़ा नीचे की तरफ खींचा, ठीक जैसे जॉर्ज ने किया था।

जॉर्ज ने उदास होकर पानी की तरफ देखा। उसकी आँखें सूरज की रोशनी की वजह से लाल हो गयी थी। उसने गुस्से से कहा, "हम सीधे फार्म पर पहुँच जाते अगर उस धोखेबाज बस ड्राईवर को पता होता कि वह क्या बोल रहा था। "हाइवे से बस थोड़ा सा दूर, नीचे की ओर," उसने कहा। "बस थोड़ा सा दूर और यहाँ चार मील हो चुके हैं! वह फार्म के गेट पर नहीं रुकना चाहता था। हाँ, यही बात है। सोच रहा हूँ कि उसने हमें सोलेदाद में क्यूँ उतारा। हमें बस से बाहर निकालकर कहता है कि बस थोड़ा सा दूर है, सड़क से नीचे की तरफ। मुझे पता था कि दूरी चार मील से ज्यादा है। उफ्फ! कितना गरम दिन है।"

लेनी ने डरते हुए उसकी तरफ देखा और कहा। "जॉर्ज?"

"हाँ, अब तुम्हें क्या चाहिए?"

"हम कहाँ जा रहे हैं, जॉर्ज?"

उसने झटके से अपनी टोपी को नीचे किया और गुस्से से लेनी की ओर देखा। "तो तुम फिर से भूल गये, है ना? अब मुझे तुम्हें फिर से बताना पड़ेगा। हे भगवान, तुम कितने बेवकूफ हो!"

"मैं भूल गया," लेनी ने धीरे से कहा। "मैंने कोशिश की कि न भूलूँ। भगवान गवाह है कि मैंने की, जॉर्ज।"

"ठीक है, ठीक है। मैं तुम्हें फिर से बताता हूँ। मेरे पास कुछ करने के लिए है भी तो नहीं। हो सकता है मेरा पूरा वक्त तुम्हें चीजों को बताने में निकल जाए और तुम फिर से उन्हें भूल जाओ और मैं फिर से तुम्हें बतलाऊँ।"

"मैंने बहुत कोशिश की," लेनी ने कहा, "लेकिन कोई फायदा नहीं। मुझे खरगोशों के बारे में याद है, जॉर्ज।"

"भाड़ में जाए खरगोश। तुम्हें हमेशा केवल खरगोश ही याद रहते हैं। ठीक है! अब तुम ध्यान से सुनो और इस बार तुम्हें इसे याद रखना ही होगा ताकि हम किसी मुसीबत में न पड़ें। तुम्हें याद है, जब हम हावर्ड स्ट्रीट पर उस गटर में रहते थे और एक ब्लैकबोर्ड को देखा करते थे?"

लेनी के चेहरे पर मुस्कराहट फैल गयी। "हाँ बिलकुल, पर क्यूँ जॉर्ज? मुझे वो याद है, लेकिन अब उसका क्या? मुझे याद है कि कुछ लडकियाँ आती थीं और तुम कहते थे तुम कहते थे।"

"भाड़ में जाये मैं क्या कहता था। तुम्हें याद है जब हम मुर्रे और रेडी के पास गये थे और उन्होंने हमें वर्क कार्ड और बस के टिकट दिये थे?"

"हाँ, बिलकुल जॉर्ज, मुझे याद आ गया।" उसने तुरन्त अपने हाथों को अपने कोट की बगल वाली जेब में डाला और धीरे से कहा, "जॉर्ज, मेरे पास नहीं है। मुझे लगता है, मैंने अपना कार्ड खो दिया है।" वह निराशापूर्वक नीचे जमीन की ओर देखने लगा।

"तुम्हारे पास तो कार्ड कभी थे ही नहीं, बेवकूफ! दोनों कार्ड मेरे पास थे। तुम्हें लगता है कि मैं तुम्हें तुम्हारा वर्क कार्ड रखने दूँगा?"

लेनी ने मुस्कुराते हुए राहत की साँस ली। "मुझे लगा, मैंने इसे किनारे की जेब में रखा था।" उसने दोबारा अपने हाथ जेब में डालते हुए कहा।

जॉर्ज ने उसे ध्यान से देखा। "तुमने अपनी जेब से क्या निकला?"

"मेरी जेब में कुछ नही है," लेनी ने बड़ी चालाकी से कहा।

"मुझे पता है कि तुम्हारी जेब में कुछ नहीं है, तुम्हारे हाथ में है। तुम अपने हाथ में क्या छुपा रहे हो?"

"मेरे पास कुछ नहीं है, जॉर्ज सच में।"

"कहा मानो, वो मुझे दे दो।"

लेनी ने अपनी बन्द मुट्ठी को जॉर्ज से दूर ले जाते हुए कहा, "यह सिर्फ एक चूहा है, जॉर्ज।" "चूहा? एक जिन्दा चूहा?"

"नहीं-नहीं। यह मरा हुआ है, जॉर्ज। मैंने इसे नहीं मारा। सच में! मुझे यह ऐसे ही मिला था। मरा हुआ।"

"इसे मुझे दे दो!" जॉर्ज ने कहा।

"इसे मेरे पास रहने दो जॉर्ज,"

"इसे मुझे दो!"

लेनी ने धीरे से अपनी मुट्ठी को जॉर्ज की तरफ बढ़ाया। जॉर्ज ने चूहे को उठाया और तालाब के उस पार, झाड़ियों के बीच फेंक दिया। "वैसे, तुम एक मरे हुए चूहे का

क्या करते?"

"जब हम रास्ते पर चलते तो मैं उसे अपने अंगूठे से सहलाता," लेनी ने कहा।

"जब तक तुम मेरे साथ हो तुम कोई चूहा अपने पास नहीं रखोगे, समझ गये। तुम्हें याद है, कि हम अभी कहाँ जा रहे हैं?"

लेनी एकदम चौंक गया और फिर शर्मिन्दगी से मुँह को अपने घुटनों में छुपा लिया। "मैं फिर से भूल गया।"

"हे भगवान," जॉर्ज ने निराश होकर कहा। "देखो हम फार्म में काम करने जा रहे हैं जैसे कि हम उत्तर में करते थे।"

"उत्तर में?"

"वहाँ वीड में।"

"हाँ, ठीक-ठीक मुझे याद है। वीड में।"

"हम जिस फार्म में जा रहे है वह लगभग 400 मीटर दूर है। हम वहाँ जाकर मालिक से मिलेंगे। ध्यान से सुनो, मैं उसे वर्क टिकट दूँगा, लेकिन तुम एक शब्द भी नहीं बोलोगे। एक शब्द भी नहीं! तुम बस वहाँ चुपचाप खड़े रहना। अगर उसे पता चल गया कि तुम कितने बड़े बेवकूफ हो, तो हमें नौकरी नहीं मिलेगी। लेकिन तुम्हारी बात सुनने से पहले उसने तुम्हें काम करते हुए देख लिया तो समझो हमारा काम हो गया। तुम समझ गये?"

"हाँ, जॉर्ज। मैं समझ गया।"

"ठीक है। तो जब हम अन्दर बॉस से मिलने जायेंगे, तुम क्या करोगे?"

"मैं... मैं..." लेनी सोचने लगा। सोचते समय उसका चेहरा सख्त हो गया था। "मैं कुछ नहीं बोलूँगा। बस वहाँ खड़ा रहूँगा।"

"बहुत बढ़िया। यह बिलकुल ठीक है। तुम यह दो-तीन बार दोहराओ ताकि तुम भूलो नहीं।"

लेनी धीरे-धीरे बुदबुदाने लगा, "मैं कुछ नहीं बोलूँगा, चुपचाप खड़ा रहूँगा। मैं कुछ नहीं बोलूँगा, चुपचाप खडा रहूँगा। मैं कुछ नहीं बोलूँगा, चुपचाप खडा रहूँगा।"

"ठीक है," जॉर्ज ने कहा। "और तुम कोई गलत काम भी नहीं करोगे जैसे कि तुमने वीड में किये थे।"

लेनी हैरान हो गया। "जैसे कि मैंने वीड में किये थे?"

"अच्छा, तो तुम वीड भी भूल गये? तो मैं तुम्हें याद दिलाऊँगा भी नहीं, मुझे डर है कि कहीं तुम उन्हें दोबारा न करो।"

तभी लेनी के चेहरे पर एक चमक दिखायी दी। "उन्होंने हमें वीड से निकाल दिया

था," वह विजयी भाव से चिल्लाया।

"हमें निकाला, बकवास", जॉर्ज ने गुस्से से कहा। "हम वहाँ से भागे थे। वे हमें ढूँढ रहे थे, लेकिन पकड़ नहीं पाये।"

लेनी खुशी से खिलखिला उठा। "मैं वो नहीं भूला।"

जॉर्ज अपने दोनो हाथों को सिर के पीछे रखकर रेत पर लेट गया, और लेनी भी उसकी नकल करते हुए बार-बार सिर उठाकर देख रहा था कि वह उसकी नकल ठीक से कर रहा है कि नहीं। "भगवान, तुम बहुत बड़ी मुसीबत हो," जॉर्ज ने कहा। "अगर तुम मुझसे पूँछ की तरह चिपके नहीं होते तो मैं बहुत अच्छे से रहता। मेरी जिन्दगी बहुत आसान और आरामदायक हो जाती और शायद उसमें एक लड़की भी होती।"

एक पल के लिए लेनी चुप हो गया, और फिर उसने आशापूर्वक कहा, "हम फार्म में काम करेंगे, जॉर्ज।"

"ठीक है। तुम समझ गए। लेकिन हम आज यहीं सोयेंगे क्योंकि इसकी एक वजह है।"

दिन बहुत तेजी से ढल रहा था। सिर्फ गैबिलियन पर्वत की चोटियों पर सूरज की रोशनी पड़ रही थी जो घाटी से जा चुकी थी। एक पानी वाले साँप ने, जो कि अभी-अभी तालाब में उतरा ही था, किसी छोटे से पेरिस्कोप* की तरह अपना सिर पानी से बाहर निकाला हुआ था। पानी के बहाव से सरकंडे के पौधे हिल रहे थे जो बार-बार थोड़ा झुक जाते थे। दूर कहीं हाईवे की तरफ से, एक आदमी ने चिल्लाकर कुछ कहा, और दूसरे आदमी ने भी चिल्लाकर उसका जवाब दिया। गूलर के पेड़ की डाल में हवा के एक झोंके से सरसराहट पैदा हुई जो तुरन्त ही हवा में विलीन हो गयी।

"जॉर्ज, हम लोग फार्म में चलकर कुछ खा-पी क्यों नहीं लेते? वहाँ तो खाना मिलता है।" जॉर्ज उसकी तरफ मुड़ा। "तुम नहीं समझोगे। मुझे यहाँ बहुत अच्छा लग रहा है। कल से हमें काम पर जाना है। यहाँ नीचे आते हुए मैंने कुछ कुटाई की मशीने देखी थीं। जिसका मतलब है कि हमें अनाज के बोरों को उठाना पड़ेगा, और बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। इसलिए मैं आज यहीं पर आराम करूँगा और आसमान को देखूँगा। क्योंकि मुझे यह बहुत पसन्द है।"

लेनी घुटनों के बल बैठ गया और जॉर्ज को देखने लगा। "क्या हम आज खाना नहीं खायेंगे?" "क्यों नहीं, अगर तुम कुछ सूखी लकड़ियाँ इकट्ठा कर लो, तो मेरे झोले में बीन्स के तीन डिब्बे हैं। तुम आग जलाने की तैयारी करो। जब तुम सारी लकड़ियों

---

*पेरिस्कोप- शीशे का यन्त्र विशेष जिसके द्वारा जल के भीतर से बाहर की चीजें दिखायी पड़ती हैं।

को इकट्ठा कर लोगे तब मैं तुम्हें आग जलाने के लिए माचिस दे दूँगा। तब हम बीन्स को गरम करके खायेंगे।"

लेनी ने कहा, "मुझे बीन्स के साथ टमाटर की चटनी बहुत अच्छी लगती है।"

"लेकिन हमारे पास टमाटर की चटनी नहीं है। तुम जाओ और लकड़ियों का इन्तजाम करो। और सुनो, इधर-उधर मटरगश्ती करते हुए समय खराब मत करना, क्योंकि बहुत जल्द अन्धेरा होने वाला है।"

लेनी भारी कदमों से चलता हुआ झाड़ियों में ओझल हो गया। जॉर्ज अपनी जगह लेटे-लेटे ही सीटी बजाने लगा। जिस तरफ लेनी गया था, उधर से नदी के पानी में छप-छप की आवाजें आ रही थी। जॉर्ज सीटी बजाना छोड़कर आवाजें सुनने लगा। "बेवकूफ", उसने धीरे से कहा, और फिर से सीटी बजाने लगा।

थोड़ी ही देर में लेनी झाड़ियों के बीच से होता हुआ वापस आया। उसके हाथ में एक छोटी सी लकड़ी थी। जॉर्ज उठा और बड़ी रुखाई से बोला, "ठीक है, अब मुझे वह चूहा दो!" लेकिन लेनी ने भोलेपन का नाटक करते हुए कहा, "कैसा चूहा, जॉर्ज? मेरे पास कोई चूहा नहीं है।"

जॉर्ज ने हाथ बढ़ाते हुए कहा, "चलो, अब उसे मुझे दे भी दो। तुम मुझसे कुछ नहीं छुपा सकते।"

लेनी झिझकते हुए पीछे की ओर हटा और अधीरता से झाड़ियों की ओर ऐसे देखने लगा जैसे कि वो आजाद होने के लिए भागने के बारे में सोच रहा है। जॉर्ज ने फिर गुस्से से कहा, "तुम मुझे चूहा देते हो या फिर मार खाकर दोगे?"

"तुम क्या माँग रहे हो, जॉर्ज?"

"तुम्हें बहुत अच्छी तरह पता है कि मैं क्या माँग रहा हूँ। मुझे वह चूहा चाहिए।"

लेनी ने बहुत बुझे मन से अपनी जेब में हाथ डाला, उसका गला थोड़ा सा भर आया और लड़खडाती हुई आवाज में बोला, "मुझे नहीं पता कि मैं इसे क्यों नहीं रख सकता। यह किसी का पालतू चूहा नहीं है। मैंने इसे कहीं से चुराया नहीं है। यह तो मुझे सड़क के किनारे पड़ा हुआ मिला था।"

जॉर्ज ने हुक्म के अन्दाज में अपना हाथ उसकी तरफ बढ़ाया। लेनी ने, किसी छोटे शिकारी कुत्ते की तरह, जो अपने मालिक के पास गेंद नहीं ले जाना चाहता, धीरे से अपना हाथ जॉर्ज की तरफ बढ़ाया, फिर वापस खींचा, और फिर बढ़ाया। जॉर्ज ने जोर से चुटकी बजायी, और चुटकी की आवाज सुनते ही लेनी ने चूहा उसके हाथ में रख दिया।

"मैं इसके साथ कुछ बुरा नहीं कर रहा था, जॉर्ज। मैं तो बस इसे सहला रहा था।"

जॉर्ज ने खड़े होकर चूहे को घनी झाड़ियों के बीच उतनी दूर फेंका, जितनी दूर वह

उसे फेंक सकता था, और फिर तालाब में जाकर हाथ धो लिये। "तुम बेवकूफ हो। तुमने यह नहीं सोचा कि मुझे तुम्हारे गीले पैरों को देखकर पता चल जायेगा कि तुम चूहे को लेने नदी के उस पार गये थे?" लेनी को बच्चों सा रोता देख वह तेजी से मुड़ा। "हे भगवान! इतने बड़े होकर भी तुम बच्चों की तरह रो रहे हो।" लेनी के होंठ काँप रहे थे और उसकी आँखों से आँसू बह रहे थे। "देखो लेनी!" जॉर्ज नें अपना हाथ उसके कन्धे पर रखते हुए कहा। "मेरी तुमसे कोई दुश्मनी नहीं है, जो मैं तुमसे चूहा छीनूंगा। वह चूहा मरा हुआ था, इसके अलावा तुमने उसे कुचल दिया था। तुम किसी जिन्दा चूहे को पकड़ना और मैं तुम्हें कुछ समय के लिए उसे रखने दूँगा।"

लेनी उदास होकर, जमीन पर बैठ गया और गर्दन झुका ली। "मुझे नहीं पता दूसरा चूहा मुझे कहाँ मिलेगा। मुझे वह औरत याद है, जो मुझे चूहे दिया करती थी, जब भी उसे कोई मिलता था। लेकिन वह औरत यहाँ नहीं है।"

जॉर्ज ने ताना मारते हुए कहा, "हूँ! वह औरत? क्या तुम्हें याद नहीं वह कौन थी? वह तुम्हारी आन्टी क्लारा थी। और उसने तुम्हें चूहे देने इसलिए बन्द कर दिये क्योंकि तुम हमेशा उन्हें मार देते थे।"

लेनी ने दुखी होकर उसकी तरफ देखा। "वह बहुत छोटे थे," उसने शर्मिन्दा होकर कहा। "मैंने उन्हें पाला, और बहुत जल्द उन्होंने मेरी उँगलियों में काटना शुरू कर दिया। मैंने तो बस उनके सिरों को थोड़ा सा दबाया था कि वे मर गये, क्योंकि वे बहुत छोटे थे।"

"मेरी इच्छा है कि हम जल्द ही खरगोश पालें, जॉर्ज। वे ज्यादा छोटे नहीं होते।"

"भाड़ में गये खरगोश। तुम तो एक जिन्दा चूहा पालने लायक भी नहीं हो। तुम्हारी आन्टी क्लारा ने तुम्हें एक रबर का चूहा दिया था और तुमने उसे ऐसे ही छोड़ दिया।"

दिन ढलने लगा था। पहाड़ की चोटियों से सूरज की रोशनी हट चुकी थी। घाटी में साँझ पसरने लगी थी। विलो और चिनार के पेड़ों के बीच घना अन्धेरा छाने लगा था। एक बड़ी मछली तालाब की सतह पर आयी, हवा को निगला और फिर गहरे पानी में रहस्यमयी ढंग से छिप गयी। ऐसा करने से पानी में उसकी गोलाकार आकृति बन गयी थी। ऊपर, हवा के हल्के-हल्के झोकों से पत्तियाँ फिर से काँपी, जिसकी वजह से विलो के पेड़ों से छोटे-छोटे कपास के फूल से उड़ते हुए नीचे की ओर आये और तालाब की सतह पर तैरने लगे।

"क्या तुम वे लकड़ियाँ लेकर आओगे?" जॉर्ज ने उससे पूछा। वहाँ चिनार के पेड़ के पीछे बाढ़ में बहकर आयी हुई ढेर सारी लकडियाँ पड़ी हैं। अब तुम जाओ और उन्हें ले आओ।"

लेनी पेड़ के पीछे गया और सूखी हुई लकड़ियों और पत्तियों का एक गट्ठर लेकर आया। उसने पुरानी पड़ी हुई राख के ऊपर उनका एक ढेर लगाया और लकड़ियाँ लेने के लिए वापस चला गया। लगभग रात हो चुकी थी। पानी के ऊपर उड़ते हुए कपोतों में से एक का पंख पानी की सतह पर लगने से एक सीटी की सी आवाज आयी। जॉर्ज उस ढेर के पास गया और उसमें आग सुलगा दी। छोटी-छोटी टहनियों के बीच एक हलकी सी चिंगारी सुलगी और धीरे-धीरे उसने आग का रूप ले लिया। फिर जॉर्ज ने अपना सामान खोला और उसमें से बीन्स के तीन डिब्बे बाहर निकाले। उसने उन डिब्बों को आग के पास रख दिया लेकिन इस ढंग से कि आग की लपटें उन डिब्बों को छू न सकें।

"हमारे पास लगभग चार लोगों के लिए पर्याप्त बीन्स हैं," जॉर्ज ने कहा।

लेनी उसे आग की दूसरी तरफ से देख रहा था। उसने धीरे से कहा, "मुझे वे टमाटर की चटनी के साथ पसन्द हैं।"

"लेकिन हमारे पास टमाटर की चटनी नहीं है," जॉर्ज ने चिल्लाते हुए कहा। "तुम्हें हमेशा वही चाहिए होता है, जो हमारे पास नहीं होता। हे भगवान, अगर मैं अकेला होता तो मेरी जिन्दगी बहुत आसान होती। मैं आराम से बिना किसी परेशानी के नौकरी करता। किसी तरह की कोई चिंता नहीं होती। महीने के आखिर में, शहर जाकर अपने 50 रुपयों से जो मन करता वो खरीदता। मैं जहाँ चाहता वहाँ रहता। जहाँ मन होता, वहाँ खाता। किसी होटल में, या फिर जहाँ मन करे। जो इच्छा होती वो आर्डर करता। मैं हर महीने ऐसा करता। आराम से बैठकर शराब पीता, या फिर किसी बड़े से कमरे में दोस्तों के साथ ताश या स्नूकर खेलता।"

लेनी घुटनों के बल बैठ गया और आग के ऊपर से जॉर्ज के क्रोधित चेहरे को देखता रहा। और लेनी के चेहरे पर भय छा गया। "मुझे क्या मिला," जॉर्ज गुस्से में बोला। "मुझे तुम मिले! तुम एक नौकरी भी नहीं बचा सकते, और जब मुझे नौकरी मिली तुमने उसे भी छिनवा दिया। तुम मुझे दुनिया भर में इधर से उधर भटकाते फिर रहे हो। और बात इतनी सी नहीं है। तुम मुसीबत में फँस जाते हो। तुम गलत काम करते हो और मुझे तुम्हे उससे बाहर निकालना पड़ता है।" उसकी आवाज लगभग चीख में बदल गयी थी। "पगले कुतिया की औलाद। तुम मुझे हर समय परेशानी में ही रखते हो।" उसने एक दूसरे की नकल उतारने वाली छोटी लड़कियों की तरह कहा। "तुम उस लड़की की पोशाक छूना चाहते थे, तुम उसे चूहे की तरह सहलाना चाहते थे। अच्छा, उसे कैसे पता चला कि तुम उसकी पोशाक छूना चाहते हो? वह पीछे हटी और तुमने उसे ऐसे पकड़ लिया जैसे वह भी कोई चूहा ही हो, चूहा। वह चिल्लायी और हमें सारा दिन एक नहर में छिपना पड़ा और लोग हमें इधर-उधर ढूँढते रहे और हमें अन्धेरे में छिपकर उस इलाके

से भागना पड़ा। हर बार ऐसा ही कुछ होता रहता है। मैं चाहता हूँ कि मैं तुम्हें 10 लाख चूहों वाले एक पिंजरे में डाल दूँ। तुम्हे वहीं मजे करने दूँ।" फिर अचानक ही उसका गुस्सा गायब हो गया। उसने आग के उस पार लेनी के दर्द भरे चेहरे को देखा और फिर उसका चेहरा शर्म से भर आया।

अब काफी अन्धेरा हो चुका था। लेकिन आग की रोशनी में पेड़ और उनकी टहनियाँ साफ-साफ दिख रही थीं। लेनी धीरे से, सावधानी बरत, आग से बचते हुए, जॉर्ज के पास आया और एड़ियों के बल बैठ गया। जॉर्ज आग में बीन्स के डिब्बों को पलटने लगा ताकि वे दूसरी तरफ से भी पक जाएँ। उसने ऐसा दिखावा किया जैसे उसे पता ही न हो कि लेनी उसके इतने करीब बैठा है।

"जॉर्ज," धीरे से आवाज आयी। पर कोई जवाब नहीं मिला। "जॉर्ज!"

"क्या बात है?"

"मैं तो बस ऐसे ही कह रहा था, जॉर्ज। मुझे टमाटर की चटनी नहीं चाहिए। अगर यहाँ होती भी तो भी मैं नहीं खाता।"

"अगर वह यहाँ होती तो तुम उसे खा सकते थे।"

"लेकिन मैं थोड़ी सी भी नहीं खाता, जॉर्ज। मैं सारी तुम्हारे लिए छोड़ देता। तुम उसे अपनी बीन्स के साथ खाते और मैं तुमसे थोड़ी सी भी नहीं माँगता।"

जॉर्ज अब भी गुस्से से आग को देख रहा था। "जब भी मैं सोचता हूँ कि तुम्हारे बिना मेरा वक्त कितने अच्छे से बीतेगा, तो मुझे बहुत गुस्सा आता है। मुझे कभी शान्ति नहीं मिलेगी।"

लेनी अब भी घुटनों के बल बैठा हुआ था। वह नदी के उस पार अन्धेरे में देखते हुए बोला, "जॉर्ज, क्या तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें छोड़ कर चला जाऊँ।"

"तुम जा भी कहाँ सकते हो?"

"बिलकुल जा सकता हूँ। मैं पहाड़ों पर जा सकता हूँ। और कहीं न कहीं मुझे कोई गुफा भी मिल ही जायेगी।"

"अच्छा? और तुम खाना कैसे खाओगे। तुम्हारे पास तो इतनी भी समझ नहीं है कि तुम खाने के लिए कुछ ढूँढ सको।"

"मैं कुछ न कुछ ढूँढ ही लूँगा, जॉर्ज। मुझे किसी अच्छे खाने या टमाटर की चटनी की जरूरत नहीं है। मैं धूप में ही लेटा रहूँगा और वहां मुझे कोई परेशान भी नहीं करेगा। और अगर मुझे कोई चूहा मिलेगा, तो मैं उसे अपने पास रख लूँगा। फिर कोई उसे मुझसे छीन भी नहीं पायेगा।

जॉर्ज ने तुरन्त उसकी ओर उत्सुकता से देखा। "मैंने तुम्हारे साथ बहुत खराब

व्यवहार किया है, है न?"

"अगर तुम्हें मेरा साथ पसन्द नहीं है तो मैं पहाड़ों पर चला जाता हूँ, और अपने लिए गुफा भी ढूँढ लूँगा। तुम जब कहोगे, मैं तभी चला जाऊँगा।", लेनी ने कहा।

"नहीं देखो! मैं तो सिर्फ मजाक कर रहा था, लेनी। क्योंकि मैं चाहता हूँ कि तुम हमेशा मेरे साथ रहो। चूहों को लेकर तुम्हारे साथ दिक्कत यह है कि तुम हमेशा उन्हें मार देते हो।" यह कहते-कहते वह रुक गया। "मैं तुम्हें बताता हूँ, लेनी कि पहला मौका मिलते ही मैं तुम्हारे लिए एक कुत्ते का पिल्ला लेकर आऊँगा। वह ज्यादा अच्छा रहेगा और उसके साथ तुम्हें किसी तरह की कोई सावधानी भी नहीं रखनी होगी।"

लेनी नें बात अनसुनी कर दी। अब उसे परिस्तिथियाँ अपने अनुकूल दिखाई दे रही थीं। "अगर तुम नहीं चाहते कि मैं तुम्हारे साथ रहूँ तो बता दो, मैं वहाँ ऊपर पहाड़ों पर चला जाऊँगा और अकेले रहूँगा। और कोई मुझसे चूहा भी नहीं चुराएगा।"

"मैं चाहता हूँ तुम मेरे साथ रहो लेनी," जॉर्ज नें कहा। "अगर तुम वहाँ ऊपर अकेले रहोगे, तो कोई तुम्हें भेड़िया समझकर मार देगा। नहीं, तुम मेरे साथ ही रहोगे। तुम्हारी आंटी क्लारा, भले ही वह मर चुकी हों, उन्हें बिलकुल अच्छा नहीं लगेगा, अगर तुम वहाँ जाकर अकेले रहोगे।"

"बताओ मुझे, बिल्कुल वैसे ही जैसे तुमने पहले बताया था," लेनी ने बड़ी चतुराई से कहा।

"क्या बताऊँ?"

"खरगोशों के बारे में।"

जॉर्ज ने खीजते हुए कहा, "तुम जैसा चाहो मुझसे नहीं करवा सकते।"

लेनी ने अनुरोध किया, "प्लीज! जॉर्ज, बता भी दो। बिल्कुल वैसे ही जैसे तुमने पहले बताया था।"

"तुम्हें यह सब सुनना अच्छा लगता है, है न? तो ठीक है, बताता हूँ, और फिर हम लोग खाना खायेंगे।"

जॉर्ज ने भारी आवाज में बोलना शुरू किया। उसने अपने शब्दों को सिलसिलेवार बोलना शुरू किया, हालाँकि वह यह सब पहले भी कई बार कर चुका था। "हमारे जैसे लोग, जो फार्म में काम करते हैं, दुनिया में सबसे अकेले होते हैं। उनका कोई परिवार नहीं होता। उनका कोई ठिकाना भी नहीं होता। वे फार्म में आते हैं, मेहनत करके कमाते हैं, और फिर वही कमाई शहर में जाकर उड़ा देते हैं। फिर कुछ ही दिनों बाद दूसरी जगह काम करने चले जाते हैं। उनके पास भविष्य के बारे में सोचने के लिए कुछ नहीं होता।"

लेनी खुशी से उछल पड़ा। "बिलकुल सही। अब बताओ हमारे साथ क्या होगा।"

जॉर्ज ने आगे कहा, "लेकिन हमारे साथ ऐसा नहीं होगा। हमारा एक भविष्य है। हम दोनों के पास कोई है जिससे हम बात कर सकते हैं, जो हमारी फिक्र करता है। सिर्फ इस वजह से कि हमारे पास जाने के लिए कोई और जगह नहीं है, हमें किसी शराब के बार में जाकर पैसे उड़ाने की कोई जरुरत नहीं हैं। अगर दूसरे लोग किसी कारण से जेल जाते हैं तो उन्हें पूछने वाला कोई नहीं है। जबकि हमारे साथ ऐसा कुछ नहीं है।"

लेनी बीच में ही बोल पड़ा, "लेकिन हमारे साथ ऐसा नहीं होगा! क्यूँ? क्योंकि मेरा ध्यान रखने के लिए तुम, और तुम्हारा ध्यान रखने के लिये मैं यहाँ हूँ।" यह कहकर वह खुशी से हँसने लगा। "आगे बताओ, जॉर्ज!"

"तुम्हें सब कुछ अच्छे से याद है। तुम खुद सब कुछ बता सकते हो।"

"नहीं, तुम बताओ। मैं कुछ चीजें भूल गया हूँ। बताओ कि हमारे पास क्या-क्या होगा।"

"ठीक है। किसी दिन हम दोनों मिलकर एक खच्चर खरीदेंगे। हमारे पास एक छोटा सा घर होगा, तकरीबन दो एकड़ जमीन होगी, एक गाय होगी, कुछ सूअर होंगे और..."

"और... और... और बिना कठिन मेहनत किये, अच्छी-अच्छी चीजें खायेंगे," लेनी चिल्लाया। "और खरगोश होंगे। आगे बताओ, जॉर्ज! बताओ कि हमारे बगीचे में क्या-क्या होगा, पिंजरे में कैद खरगोशों के बारे में बताओ, सर्दियों की बारिश और भट्टी के बारे में बताओ, और बताओ कि दूध की मलाई इतनी मोटी होगी कि तुम उसे मुश्किल से काट पाओगे। इन सब के बारे में बताओ जॉर्ज।"

"तुम खुद ही सब कुछ क्यूँ नहीं बता देते? तुम्हें तो सब पता है।"

"नहीं, तुम बताओ। मेरे बताने में वो बात नहीं है। इसलिए बोलते रहो जॉर्ज। बताओ कि किस तरह से मैं खरगोशों को पालूँगा और उनकी देखभाल करूँगा।"

"ठीक है," जॉर्ज नें कहा। "हमारे पास सब्जियाँ उगाने के लिए एक बहुत बड़ा जमीन का टुकड़ा होगा, खरगोश का पिंजरा होगा और बहुत सारी मुर्गियाँ भी होंगी। और जब सर्दियों में बारिश होगी, तो हम कहेंगे कि भाड़ में गया काम और भट्टी में आग जलाकर, उसके आस-पास बैठकर, घर की छत पर पड़ती हुई बारिश की आवाज सुनेंगे!" फिर उसने अपनी जेब से चाकू निकाला और बीन्स के एक डिब्बे को खोलने लगा। "मेरे पास अब और आगे बताने का समय नहीं है," उसने लेनी को बीन्स का खुला हुआ डिब्बा पकड़ाते हुए कहा। उसके बाद उसने दूसरा डब्बा भी खोला और अपनी किनारे की जेब से दो चम्मच निकालकर एक लेनी की और बढ़ा दी।

वे दोनों आग के पास बैठे और अपने-अपने मुँह में बीन्स भरकर जोर-जोर से चबाने लगे। चबाते हुए कुछ बीन्स लेनी के मुँह से गिर रही थीं। जॉर्ज ने लेनी की तरफ चम्मच

का इशारा करते हुए पूछा, "कल जब मालिक तुमसे सवाल करेंगे, तो तुम क्या जवाब दोगे।"

ये सुनते ही लेनी नें चबाना छोड़, खाने को सीधे निगल लिया। उसका चेहरा सख्त हो गया। दिमाग में पूरा जोर लगाने के बाद उसने कहा,"मैं... मैं एक शब्द भी नहीं बोलूँगा।"

"बहुत अच्छा! बिलकुल ठीक, लेनी! शायद अब तुम चीजों को सीख रहे हो। जब हमारे पास कुछ एकड़ जमीन होगी तो मैं तुम्हें खरगोश पालने दूँगा, ठीक है। खासकर कि अगर तुम ऐसे ही सब कुछ याद रखो तो।" लेनी खुशी से फूला नहीं समाया।

"मैं याद रख सकता हूँ," उसने गर्व से कहा।

जॉर्ज ने फिर अपनी चम्मच से उसकी ओर इशारा किया।

"देखो लेनी। मैं चाहता हूँ कि तुम इस जगह को अच्छी तरह से देख लो। क्या तुम इस जगह को याद रख सकते हो? फार्म यहाँ से लगभग एक-चौथाई मील दूर, ऊपर की ओर है। तुम्हें बस नदी की दिशा में चलना है।"

"हाँ बिलकुल," लेनी ने कहा। "मैं इसे याद रख सकता हूँ। क्या मुझे एक शब्द भी न बोलने वाली बात याद नहीं थी?"

"बेशक तुम्हें याद थी। अब ध्यान से सुनो लेनी, अगर तुम कभी किसी तरह की मुसीबत में फँस जाओ, जैसे कि तुम हमेशा फँसते हो, तो मैं चाहता हूँ कि तुम सीधे यहाँ आना और झाड़ियों में छुप जाना।"

"झाड़ियों में छुप जाऊँ," लेनी ने धीरे से कहा।

"और तब तक छुपे रहना, जब तक कि मैं तुम्हें लेने न आऊँ। क्या तुम यह याद रखोगे?"

"बिलकुल याद रखूँगा, जॉर्ज। तुम्हारे न आने तक झाड़ियों में छुपे रहना है।"

"लेकिन तुम कोशिश करोगे कि तुम किसी मुसीबत में न पड़ो। क्योंकि अगर तुम किसी मुसीबत में पड़ोगे तो मैं तुम्हें खरगोश नहीं पालने दूँगा। समझ गये।" यह कहकर उसने अपना बीन्स का खाली डिब्बा झाड़ियों में फेंक दिया।

"मैं कोई मुसीबत खड़ी नहीं करूँगा, जॉर्ज। मैं एक शब्द भी नहीं बोलूँगा।"

"ठीक है। जाओ अब अपना सामान आग के पास ले आओ। यहाँ आसमान की तरफ मुँह करके सोने और आस-पास के नजारों को देखने में बेहद आनन्द आयेगा। आग में अब और ज्यादा लकड़ियाँ डालने की जरुरत नहीं। उसे बुझने दो।"

उन्होंने रेत पर अपना बिस्तर बिछाया। जैसे-जैसे आग धीमी होने लगी, आस-पास की रोशनी भी मद्धम पड़ने लगी। पेड़ की टहनियाँ अन्धेरे में गुम हो चुकी थी और हलकी रोशनी में केवल पेड़ों के तने नजर आ रहे थे। तभी अन्धेरे में, लेनी ने पूछा, "जॉर्ज, क्या

तुम सो गये?"

"नहीं। क्या बात है?"

"हम अलग रंग के खरगोश पालेंगे, जॉर्ज"

"हाँ, ठीक है," जॉर्ज नें उँघते हुए कहा। "लाल, नीले, हरे, बहुत सारे रंगों के लेनी।"

"लम्बे-लम्बे, मुलायम बालों वाले, जॉर्ज। जैसे कि मैंने सैक्रामेंटो के मेले में देखे थे।"

"हाँ, लम्बे-लम्बे बालों वाले।"

"क्योंकि अगर ऐसा नहीं हुआ जॉर्ज, तो मैं दूर चला जाऊँगा और गुफा में रहूँगा।"

"चाहो तो तुम नर्क में भी जा सकते हो, अब अपना मुँह बन्द करो और सो जाओ," जॉर्ज ने खीजते हुए कहा।

अंगारे अब बुझने लगे थे। ऊपर कहीं पहाड़ी पर भेड़िया रिरिया रहा था, और उसके जवाब में नदी पार से एक कुत्ता भौंक रहा था। रात की ठण्डी हवाओं से चिनार के पेड़ की पत्तियां सरसरा रही थीं।

अध्याय-2

मजदूरों के रहने का इन्तजाम एक लम्बी और आयताकार इमारत में किया गया था। अन्दर, दीवारों पर चूना पुता हुआ था और फर्श जगह-जगह से उखड़ा हुआ था। कमरे की तीन दीवारों पर छोटी-छोटी खिड़कियाँ थी और चौथी दीवार पर लकड़ी का एक बड़ा सा मजबूत दरवाजा था। कमरे में आठ बिस्तर थे, सब के सब दीवारों से सटाकर लगाये गये थे। उनमें से पाँच बिस्तरों पर कम्बल बिछे हुए थे जबकि बाकी के तीन, मोटे टाट में लिपटे हुए थे। मजदूरों के लिए हर बिस्तर के पास दो फट्टियाँ लगायी गयी थीं, जिसमे वे अपना रोजमर्रा का छोटा-मोटा सामान रख सकें। कुछ फट्टियों पर तो सामान रखा भी हुआ था, जैसे-- साबुन, पाउडर, रेजर और कुछ अंग्रेजी पत्रिकाएँ, जिन्हें फार्म में काम करने वाले लोग बड़े मजे से पढ़ते हैं और उसमे दिखायी जाने वाली हर चीज उन्हें सच जान पड़ती है। इनके अलावा दवाइयाँ और कुछ छोटी शीशियाँ, कंघी और फट्टियों के किनारे से निकली हुई कीलों पर गलबन्द लटके हुए थे। एक दीवार के नजदीक काले ढलुवाँ लोहे का एक गैस-चुल्हा रखा हुआ था, जिसकी पाइपलाइन छत से होकर जा रही थी। कमरे के ठीक बीचों-बीच एक बड़ी चौकोर मेज रखी हुई थी, जिस पर ताश के पत्ते बिखरे पड़े थे। मेज के चारों ओर खेलने वालों के लिए स्टूल का इन्तजाम भी किया गया था।

सुबह के लगभग दस बजे सूरज की रोशनी, बगल की खिड़कियों से कमरें के भीतर दाखिल हुई। सूरज की किरणों में धूल के कण सितारों जैसे लग रहे थे।

तभी दरवाजे की चिटकनी खुलने की आवाज आयी। दरवाजा खुलते ही एक लम्बा, झुके हुए कन्धों वाला बूढ़ा आदमी अन्दर आया। उसने नीले रंग की जीन्स पहनी हुई थी और बायें हाथ में झाड़ू पकड़ा हुआ था। थोड़ी देर बाद जॉर्ज कमरे में दाखिल हुआ और जॉर्ज के बाद लेनी।

"मालिक तुम्हारा इन्तजार कल रात से कर रहे थे," उस बूढ़े आदमी ने उनकी तरफ देखते हुए कहा। "आज सुबह तुम लोगों को यहाँ न पाकर वे बेहद नाराज हुए।" उसने अपने दायें हाथ से, जो कि हाथ कम और एक सूखी लकड़ी ज्यादा लग रहा था, एक ओर इशारा करते हुए कहा, "तुम दोनों का बिस्तर वहाँ है, गैस-चुल्हे के पास।"

जॉर्ज अपने बिस्तर की ओर बढ़ा और अपने सामान को टाट के गद्दे के ऊपर पटक

दिया। फिर उसने अपने शेल्फ में झाँककर, एक पीले रंग की छोटी-सी शीशी को उठाते हुए पूछा, "यह क्या है?"

"मुझे नहीं पता," उस बूढ़े आदमी ने जवाब दिया। "सुना है, यह जुओं, कॉकरोचों और दूसरे कीड़ों को मारने के काम आती है। "ये आप हमें कैसे बिस्तरों पर सुला रहे हैं, जहाँ इतनी गन्दगी है," जॉर्ज नें झुंझलाते हुए कहा। "हम नहीं चाहते कि हमें किसी तरह की कोई बीमारी लगे।"

उस बूढ़े आदमी नें झाड़ू को अपने दूसरे हाथ की कांख में दबाया और पहला हाथ कैन लेने के लिए बढ़ा दिया। उसने ध्यान से उसका नाम पढ़ा और बोला,"तुम्हें पता है, तुमसे पहले ये बिस्तर एक लोहार का था। वह बहुत अच्छा और साफ-सुथरा आदमी था। यहाँ तक कि खाना खाने के बाद भी हाथ धोता था।"

"तो फिर उसके शरीर में जुएँ कैसे पड़ी?" जॉर्ज अपने गुस्से को काबू करते हुए बोला। इधर लेनी नें अपना सामान जॉर्ज के बगल वाले बिस्तर पर रखा और बैठकर चुपचाप बड़े गौर से उसे देखने लगा।

बूढ़े आदमी ने सफाई देते हुए कहा, "तुमसे पहले यहाँ जो लोहार रहता था, जिसका नाम व्हाइटी था, वह इस तरह का आदमी था जो कीड़े-मकोड़े न होने के बावजूद, उनसे बचने के लिए ऐसी चीजें हमेशा अपने पास रखता था। सिर्फ अपनी सुरक्षा के लिए। उसकी खाने की आदतें भी दूसरों से अलग थी। खाने की मेज पर वो उबले हुए आलूओं को खाने से पहले उनके छिलके तथा सारे धब्बों को छील देता था। अगर उसे अण्डों पर कोई लाल धब्बा दिख जाये तो, उसे खरोंच कर निकाल देता था। वो इतना सफाई पसन्द आदमी था। हर इतवार को, चाहे उसे कहीं न भी जाना हो, वह साफ-सुथरे कपड़े और गलबंद पहनकर तैयार हो जाता था।"

"मुझे विश्वास नहीं होता," जॉर्ज नें संदेह भरे शब्दों में कहा। "क्या तुम बता सकते हो की उसने यहाँ से नौकरी क्यों छोड़ी?"

उस बूढ़े आदमी नें पीले रंग की शीशी को जेब में रखा, और उँगलियों से अपनी सफेद दाढ़ी को सहलाने लगा। "क्यों छोड़ी मतलब? बस वैसे ही छोड़ी, जैसे सब छोड़ते हैं। उसे यहाँ का खाना पसन्द नहीं था। इसलिए जाना चाहता था। उसने नौकरी छोड़ने का बस यही एक कारण बताया था। बस एक रात अचानक कहने लगा, "मुझे थोड़ा वक्त चाहिए।"

जॉर्ज ने अपने बिछौने का खोल उठाया और उसके नीचे देखा। उसने झुककर टाट की बारीकी से जाँच की। लेनी तुरन्त उठा और उसने भी अपने बिस्तर के साथ वैसा ही किया। आखिरकार, जॉर्ज संतुष्ट लग रहा था। उसने अपना बिस्तरबंद खोला और चीजें

निकालकर शेल्फ पर रख दीं-- अपना रेजर और साबुन की टिकिया, अपनी कंघी और गोलियों की बोतल, अपना लिनीमैंट और कलाईबंद। फिर उसने अपने बिस्तर को कम्बल से अच्छी तरह से ढंका। बूढ़े आदमी ने कहा "मुझे लगता है कि मालिक एक मिनट में यहाँ आ जायेंगे। जब सुबह तुम यहाँ थे तो पक्का वे जल-भुन रहे थे। सुबह जब हम नाश्ता कर रहे थे, ठीक तभी वे अन्दर आ गये और बोले, 'वे नये आदमी कहाँ है?' और उनकी यह हालत किसी पर भी कहर ढा देती है।"

"क्या! अस्तबल में काम करने वाले आदमी को बहुत मारा," जॉर्ज ने अपनी चादर ठीक करते हुए पूछा।

"हाँ। क्योंकि वो एक नीग्रो है।"

"क्या, नीग्रो?"

"हाँ। बहुत अच्छा आदमी है। घोड़े के लात मारने की वजह से उसकी पीठ थोड़ी सी झुकी हुई है। जब भी मालिक को गुस्सा आता है, तो वह उसे खूब पीटता है। लेकिन उसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसे पढ़ने का बहुत शौक है। उसका कमरा किताबों से भरा पड़ा है।"

"मालिक कैसा आदमी है?" जॉर्ज ने पूछा।

"वैसे तो ठीक ही है, लेकिन कभी-कभी उन्हें बहुत गुस्सा आ जाता है। पिछले क्रिसमस में तो शराब का पूरा ड्रम लाकर बोले, 'तुम सब जी भरकर पियो, क्रिसमस साल में एक ही बार आता है।'"

"क्या कहा! पूरा ड्रम!"

"हाँ, उस दिन हमने बहुत मजे किये थे। उस दिन वह नीग्रो भी यहाँ था। स्मिटी और नीग्रो के बीच में लड़ाई शुरू हो गयी और स्मिटी उसे पीटने लगा। बड़ा तमाशा हुआ। लोगों ने स्मिटी को पैर नहीं चलाने दिये, इसलिए वह नीग्रो जीत गया। स्मिटी का कहना था कि अगर उसने अपने पैरों का इस्तेमाल किया होता तो वह नीग्रो को जान से मार देता। जबकि बाकी लोगों का मनना था कि, चूँकि नीग्रो शारीरिक रूप से योग्य नहीं है तो, पैरों का इस्तेमाल करना, उसके साथ नाइन्साफी होगी।" यह कहते-कहते वह उन यादों में खो गया। "उसके बाद सभी शहर चले गये और खूब मजे किये। सिवाय मेरे। वहाँ जाने की मेरे अन्दर हिम्मत नहीं थी।"

लेनी अपना बिस्तर बिछा ही रहा था कि फिर से दरवाजे की चिटकनी खुली और इस बार दरवाजे पर एक नाटा आदमी खड़ा था। उसने नीले रंग की जीन्स, फ्लालेन की शर्ट, वास्कट– जिसके बटन खुले हुए थे और एक कोट पहन रखा था। उसके दोनों अंगूठे, बेल्ट के बक्कल के दोनों ओर धँसे हुए थे। उसके सिर पर एक भूरे रंग की स्टेटसन हैट

टिकी हुई थी और पैरों में ऊँचे एड़ी के नाल लगे जूते ऐसी आवाज कर रहे थे मानो बता रहे हों कि वह कोई मजदूर नहीं है।

उस बूढ़े सफाईकर्मी नें तेजी से पलटकर उसकी ओर देखा और दाढ़ी को सहलाते हुए दरवाजे की ओर बढ़ा।

"ये अभी-अभी आये हैं," उसने हड़बड़ाते हुए कहा और पैर घसीटते हुए दरवाजे से बाहर चला गया।

उसके जाते ही वह आदमी, जो असल में उस जगह का मालिक था, अपनी मोटी टांगों से छोटे-छोटे डग भरता हुआ अन्दर आया और बोला, "मैंने मुर्रे और रेडी से कहा था कि आज सुबह तक, मुझे काम करने के लिए दो आदमी चाहिए। क्या तुम अपने काम करने की रसीद लाये हो?" जॉर्ज ने तुरन्त अपनी जेब से रसीदें निकालकर मालिक के हाथ में दे दी। "अच्छा तो ये मुर्रे और रेडी की गलती नहीं थी। इन रसीदों के हिसाब से तुम्हें काम के लिए आज सुबह तक यहाँ होना चाहिए था।

जॉर्ज नें नीचे देखते हुए कहा, "बस के ड्राईवर नें हमें बीच रास्ते में ही उतार दिया था। हम देर से इसलिए पहुँचे क्योंकि सुबह-सुबह यहाँ आने के लिए हमें कोई सवारी नहीं मिली और हमें दस मील चलकर आना पड़ा।"

मालिक नें आँखे तिरछी करते हुए कहा, "आज लगता है, मुझे मजदूरों को, काम पर तुम्हारे बिना ही भेजना पड़ेगा। क्योंकि तुम दोनों को अभी भेज कर कोई फायदा नहीं है।" उसने फिर अपनी जेब से डायरी निकाली और सीधे उस पन्ने को खोला जहाँ पर पेन्सिल फँसी हुई थी। जॉर्ज ने लेनी की तरफ भौहों से इशारा किया, लेनी ने भी जवाब में गर्दन हिला दी। मालिक ने पेन्सिल को मुँह में दबाते हुए पूछा, "तुम्हारा नाम क्या है?"

"जॉर्ज मिल्टन।" सामने से जवाब आया।

"और तुम्हारा?" मालिक ने लेनी की ओर आँखे घुमाकर पूछा।

"उसका नाम लेनी है," जॉर्ज ने फिर जवाब दिया।

मालिक ने दोनों नाम डायरी में दर्ज करते हुए कहा, "आज बीस तारीख है," और यह कहकर डायरी बन्द कर दी। "तुम दोनों इससे पहले कहाँ काम करते थे?" उसने पूछा।

"ऊपर वीड के आस-पास," जॉर्ज बोल पड़ा।

"तुम भी?" उसने लेनी से पूछा।

"हाँ, ये भी," जॉर्ज ने जवाब दिया।

मालिक ने मजाकिया अंदाज में लेनी की तरफ उँगली का इशारा करते हुए कहा, "इसे ज्यादा बात करना पसन्द नहीं है, है न?"

"नहीं, लेकिन ये काम बहुत अच्छे से करता है। बहुत ताकत है इसमें।"

लेनी ने मुस्कुराते हुए जॉर्ज के शब्दों को दोहराया, "हाँ, बहुत ताकत।"

जॉर्ज ने तुरन्त लेनी को इशारा किया, और लेनी ने शर्म से अपनी गर्दन झुका ली, क्योंकि वह मुँह न खोलने वाली बात भूल गया था।

एकाएक मालिक ने कहा, "सुनो, छोटे!" लेनी ने अपनी गर्दन उठा ली। "तुम्हें क्या काम आता है?"

घबराकर, लेनी मदद के लिए जॉर्ज की तरफ देखने लगा। "यह सभी कुछ कर सकता है," जॉर्ज ने जवाब दिया। "यह मोची का काम जानता है। भारी-भरकम अनाज के बोरों को आसानी से उठा सकता है, और खेतों में हल भी चला सकता है। यह सारा काम जानता है। बस आप एक मौका देकर तो देखिए।"

मालिक जॉर्ज की ओर मुड़ा ओर बोला, "तो तुम इसे बोलने क्यूँ नहीं देते? तुम क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हो?"

जॉर्ज, बिना समय गँवाये, बीच में ही बोल पड़ा, "नहीं-नहीं! आप गलत समझ रहे हैं। मेरा यह मतलब नहीं था। असल में लेनी को चीजों की ज्यादा समझ नहीं है। लेकिन काम के मामले में उसका कोई मुकाबला नहीं। 400 पौण्ड के बोरे तो ये यूँ ही उठा लेता है।"

मालिक नें डायरी को सावधानी से अपनी जेब में डाल लिया। फिर उसने अपने अंगूठों को बेल्ट में अटकाया और एक आँख को तिरछा करते हुए बोला, "तुम क्या कहना चाहते हो।"

"हुँह?"

"बताओ मुझे?"

"मैं पूछता हूँ तुम इस आदमी में इतनी दिलचस्पी क्यों दिखा रहे हो? इससे तुम्हारा क्या फायदा है? कहीं तुम इससे, इसका मेहनताना छीनने की तो नहीं सोच रहे?"

"नहीं-नहीं, मैं ऐसा क्यों करूँगा। आपको ऐसा क्यों लगा रहा है कि इसमें मेरा कोई फायदा है?"

"क्योंकि मैंने कभी किसी आदमी को दूसरे आदमी की इतनी तरफदारी करते नहीं देखा। मैं तो सिर्फ यह जानना चाहता हूँ कि इससे तुम्हारा क्या लाभ।"

"क्योंकि यह मेरी आंटी का बेटा है," जॉर्ज ने कहा। "मैंने आंटी को वादा किया था कि मैं इसका हमेशा खयाल रखूँगा। जब यह छोटा था तो एक बार घोड़े ने इसके सिर पर लात मार दी थी। बस तभी से यह ऐसा है। वैसे तो सब कुछ ठीक है, बस सिर पर चोट लगने की वजह से बुद्धि थोड़ी कम है।"

मालिक नें मुड़ते हुए कहा, "अच्छा, ठीक है, वैसे भी अनाज के बोरों को उठाने के लिए बुद्धि की कोई जरुरत नहीं होती। लेकिन तुम मुझसे कुछ छिपाने की कोशिश मत करना, मिल्टन। याद रहे, मेरी नजर तुम दोनों पर है। वैसे तुम लोगों नें पुरानी नौकरी क्यों छोड़ी?"

"वहाँ का काम खतम हो गया था," जॉर्ज ने तत्परता से जवाब दिया।

"कैसा काम?"

"वहाँ हम नाली खोदने का काम करते थे।"

"ठीक है, ठीक है। लेकिन झूठ बोलने की सोचना भी मत, क्योंकि झूठ बोल कर तुम बच नहीं सकते। मैं पहले भी तुम जैसे कई लोगों को देख चुका हूँ। खाना खाने के बाद काम पर लग जाना। बाहर अनाज को मशीन में डालने का काम चल रहा है। तुम्हें स्लिम की टीम के साथ काम करना है।"

"ये स्लिम कौन है?"

"स्लिम यहाँ चमड़े का काम करता है। वह एक बड़ी कद-काठीवाला आदमी है। रात में खाने की मेज पर तुम्हें वह दिख जायेगा।" यह कहकर वह मुड़ा और वहाँ से जाने लगा। पर जाने से पहले उसने गर्दन घुमाकर दोनों को कुछ समय तक घूरा और फिर दरवाजे की ओर बढ़ गया।

मालिक के चले जाने के बाद, जॉर्ज लेनी की ओर पलटा, "तुम्हें तो कुछ बोलने से मना किया था न। तुम्हें बताया था, कि मालिक के सामने तुम अपना बड़बोला मुँह बन्द रखोगे और मुझे सारी बातें करने दोगे। आज तुम्हारी वजह से हमें अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ता।"

लेनी निराश होकर गर्दन झुकाते हुए बोला, "मैं भूल गया था जॉर्ज।"

'अच्छा, तो तुम भूल गये थे। तुम हमेशा भूल जाते हो, और फिर मुझे बात को सम्भालना पड़ता है।" वह जोर से बिस्तर पर बैठ गया। "अब वह हमेशा हम पर नजर रखेगा। हमें अब बहुत सावधानी से रहना होगा और गलती से भी हमसे कोई चूक नहीं होनी चाहिए।" इतना कहकर वह उदास होकर चुप बैठ गया।

"जॉर्ज"

"क्या हुआ?"

"जहाँ तक मैं जानता हूँ, बचपन में मुझे किसी घोड़े नें नहीं मारा था?"

"बहुत अच्छा होता अगर तुम्हें मार दिया होता," जॉर्ज ने गुस्से से कहा। "बहुत सारे लोग मुसीबत से बच जाते।"

"तुमने कहा, मैं तुम्हारी आंटी का बेटा हूँ, जॉर्ज।"

"वह एक झूठ था। और मुझे इस बात की बेहद खुशी है। क्योंकि अगर तुम मेरे रिश्तेदार होते.तो मैं खुद को गोली मार देता।" बोलते-बोलते वह सहसा रुका और दरवाजे की ओर जाकर बाहर झाँकने लगा। "तुम यहाँ क्या कर रहे हो? छुपकर हमारी बातें सुन रहे थे?"

बूढ़ा आदमी धीरे से कमरे में आया। उसके हाथ में झाड़ू थी। एक घिसे हुए पंजो वाला, भेड़ घेरने वाला कुत्ता उसके पीछे-पीछे आया, जिसका थूथन भूरा और आँखे पीली, अन्धी-सी थी। कुत्ता लंगड़ाते हुए कमरे के एक कोने में जाकर लेट गया और धीरे-धीरे खुद पर ही गुर्राने लगा। और अपने भूरे, कीट-पतंगों से भरे बालों को खुजलाने लगा। सफाईवाला उसे तब तक देखते रहा जब तक वह शान्त नहीं हुआ। "मैं सुन नहीं रहा था। मैं एक मिनट के लिए छाया में खड़े होकर अपने कुत्ते को खुजला रहा था। मैंने अभी धुलाईघर की सफाई का काम पूरा किया है।"

"तुम चुपचाप दरवाजे पर खड़े होकर हमारी बातें सुन रहे थे, और मुझे किसी की भी दखलंदाजी बिलकुल पसन्द नहीं है," जॉर्ज ने सुनाने के मकसद से कहा।

बूढ़े आदमी ने व्यग्र होकर दोनों की तरफ देखा और बोला, "मैं तो अभी-अभी यहाँ आया हूँ, मैंने तुम लोगों की कोई बात नहीं सुनी।"

"मुझे तुम लोगों की बात में जरा भी दिलचस्पी नहीं है। फार्म में काम करने वाले लोग न तो किसी की बात सुनते हैं और न किसी की कुछ पूछते हैं," उसने सफाई देते हुए कहा।

"बिलकुल सही," जॉर्ज ने थोड़ा शान्त होते हुए कहा, वह उस बूढ़े की सफाई से संतुष्ट था।

"अन्दर आ जाओ और थोड़ी देर हमारे साथ बैठो," उसने कहा। "यह कुत्ता तो बहुत बूढ़ा है," उसने कुत्ते की ओर इशारा करते हुए कहा।

"हाँ, मेरे पास यह तब से है, जब यह बहुत छोटा था। किसी समय यह एक बहुत अच्छा शीपडॉग हुआ करता था।" झाड़ू को दीवार के सहारे टिकाकर वह अपनी उँगलियों से कुत्ते को सहलाने लगा। "तो तुम्हें मालिक कैसा लगा?" उसने पूछा।

"मुझे तो ठीक ही लगा," जॉर्ज ने जवाब दिया।

"वह एक अच्छा आदमी है," बूढ़े ने सहमति जताते हुए कहा। "उसे समझने में तुम्हें थोड़ा वक्त लगेगा।"

उसी समय कमरे में एक जवान आदमी दाखिल हुआ; वह एक दुबला-पतला, साँवले रंग का आदमी था। उसकी आँखें भूरी और बाल घुँघराले थे। उसने बायें हाथ में काम करने वाला दस्ताना पहना हुआ था और मालिक की तरह, उसके जूते भी ऊँची एड़ी

के थे। "क्या तुमने मालिक को कहीं देखा है?" उसने पूछा।

बूढ़े आदमी ने जवाब दिया, "एक मिनट पहले वह यहीं थे, कर्ली। मुझे लगता है वह रसोईघर की तरफ गये हैं।"

"मैं उसे ढूँढने की कोशिश करूँगा," कर्ली ने कहा। उसकी नजर नये आदमियों पर पड़ी और वह रुक गया। उसने पहले जॉर्ज और फिर लेनी की ओर उदासीनता से देखा। उसकी बाँहें धीरे-धीरे कुहनियों पर से मुड़ गयीं और उसके हाथ उसकी मुट्ठियों में बन्द हो गये। वह अकड़-सा गया और थोड़ा झुक गया। उसकी नजर टोह लेने वाली और चिढ़ने वाली थी। लेनी उसकी निगाह के नीचे सिमट गया और उसने घबराकर अपने पैर उलटे-पलटे। कर्ली उत्सुकता से उनके करीब आया। "तुम वही हो जिनका यह बूढ़ा आदमी इन्तजार कर रहा था।"

"हम बस थोड़ी देर पहले ही यहाँ आये हैं," जॉर्ज ने कहा।

"उसे भी कुछ बोलने दो," कर्ली ने लेनी की ओर इशारा किया।

लेनी घबराकर इधर-उधर देखने लगा।

"मान लो, अगर वह बात न करना चाहे तो?" जॉर्ज ने सवाल किया।

कर्ली ने अपना शरीर लचकाया, "कुछ पूछने पर, इसे जवाब देना ही पड़ेगा। वैसे तुम इसे यहाँ किसलिये लेकर आये?"

"हम जहाँ जाते हैं, साथ ही जाते हैं," जॉर्ज ने धीरे-से कहा।

"अच्छा, तो ऐसी बात है।"

जॉर्ज एकदम स्तब्ध और तनावग्रस्त स्थिति में था। "हाँ, यही बात है," उसने जवाब दिया।

लेनी चुपचाप, असहाय दृष्टि से जॉर्ज की ओर देख रहा था।

"और तुमने इसे बात करने से मना किया है, क्या यही बात है?"

"ये जब चाहे बात कर सकता है।" उसने लेनी की ओर गर्दन हिलाते हुए कहा।

"हम अभी-अभी यहाँ आये हैं," लेनी ने धीरे से कहा।

कर्ली ने उसकी आँख में आँख डालकर कहा, "अगली बार जब तुमसे कुछ पूछा जाए, तो तुम ही उसका जवाब दोगे।" यह कहकर वह दरवाजे की ओर मुड़ा और सीधे बाहर चला गया। उसकी कोहनियाँ अब भी थोड़ा बाहर की तरफ मुड़ी हुई थीं। उसके जाते ही, जॉर्ज वापस बूढ़े आदमी की ओर मुड़ा और कहने लगा, "इसे किस बात की परेशानी है। लेनी ने तो इसका कुछ नहीं बिगाड़ा।"

बूढ़े आदमी ने सावधानी से दरवाजे की ओर देखकर सुनिश्चित किया कि कहीं उनकी बातें कोई सुन तो नहीं रहा है। "ये मालिक का बेटा है," उसने धीमी आवाज में

कहा, "कर्ली के हाथ बहुत तेज हैं। बड़ा लड़ाका है। उसने रिंग में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। वह बहुत फुर्तीले और सधे हुए हाथों वाला है।

"तो होगा, वह सधे हाथों वाला," जॉर्ज ने खीजते हुए कहा। "लेकिन लेनी से उसका कोई लेना-देना नहीं है। लेनी ने उसका कुछ नहीं बिगाड़ा। उसे लेनी से क्या दिक्कत है?"

बूढ़ा आदमी थोड़ा सोचने लगा, "मेरे ख्याल से कर्ली भी उन सभी लोगों की तरह है, जिनका कद छोटा होता है। वे बड़ी कद-काठी वाले लोगों से नफरत करते हैं, और कर्ली उनसे कुछ अलग नहीं है। वह आये दिन यहाँ, ऊँचे कद के लोगों के साथ झगड़ा करता फिरता है। ऐसा लगता है, मानो वह अपना कद छोटा होने का गुस्सा, उनपर निकाल रहा हो। क्या तुम ऐसे लोगों को नहीं जानते? बड़े अव्यवस्थित और बेढंगे होते हैं।"

"सही कहा," जॉर्ज ने सिर हिलाते हुए कहा। "मैंने ऐसे बहुत से लोगों को देखा है। लेकिन बेहतर होगा कि कर्ली, लेनी से कोई पंगा न ले। क्योंकि, भले ही लेनी चालाक नहीं है, लेकिन अगर उसने लेनी से पंगा लेने की कोशिश भी की तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।"

"लेकिन कर्ली के हाथ बहुत तेज हैं," बूढ़े आदमी ने संदेह भरे शब्दों में कहा। "वह मुझे कभी सही नहीं लगा। जब कभी कर्ली रिंग में किसी लम्बे-चौड़े आदमी को हरा देता है, तो सभी उसका गुणगान करते हैं कि, वाह! कर्ली कितने अच्छे से लड़ा। लेकिन जब वह रिंग में हार जाता है, तब भी वे कर्ली का ही साथ देते हुए कहते हैं कि, दूसरे आदमी को अपने शरीर के आकार और ताकत के हिसाब से अपना प्रतिद्वंदी चुनना चाहिये था। और कभी-कभी तो सारे लोग मिलकर कर्ली के विरोधी को घेर भी लेते हैं। ऐसा लगता है मानो, कर्ली हर हाल में खुद ही जीतना चाहता है।"

जॉर्ज की नजरें दरवाजे पर टिकी हुई थीं। उसने कुछ बुरे अंदेशे से कहा, "बेहतर होगा कि वह लेनी से बच कर रहे। लेनी कोई योद्धा नहीं है, लेकिन वह बेहद फुर्तीला और ताकतवर है। और लड़ते समय वह किसी नियम को नहीं मानता।" उसके बाद जॉर्ज, कमरे के बीचों-बीच रखी मेज की ओर बढ़ा और एक स्टूल पर बैठ गया। उसने मेज पर पड़े ताश के पत्तों को इकट्ठा किया और फेंटने लगा।

बूढ़ा आदमी पास ही रखे दूसरे स्टूल पर बैठ गया। बैठते ही उसने कहा, "मैंने तुम्हें कर्ली के बारे में जो कुछ भी बताया, उसको इसकी भनक तक नहीं लगनी चाहिए। नहीं तो वह मेरे साथ बहुत बुरा करेगा और यहाँ से निकाल देगा। उसे इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। वह जो चाहे कर सकता है और उसे रोकने वाला भी कोई नहीं है क्योंकि

उसके पिता यहाँ के मालिक हैं।"

जॉर्ज ने ताश के पत्तों को दो हिस्सों में बाँटा और फेंटने लगा। हर पत्ते को ध्यान से देखते हुए वह उन्हें मेज पर पड़े ढेर पर फेंक रहा था। उसने कहा, "ये कर्ली तो मुझे बहुत ही नीच और मक्कार किस्म का आदमी लग रहा है। मुझे ऐसे लोग बिलकुल पसन्द नहीं हैं।"

"मुझे तो लगता है कि, वह अब और ज्यादा धूर्त हो गया है," बूढ़े आदमी ने कहा। "अभी दो हफ्ते पहले ही उसकी शादी हुई है। उसकी बीवी मालिक के घर पर रहती है। लगता है जैसे, शादी के बाद वह और ज्यादा मगरूर हो गया है।"

"शायद वह ये सब अपनी बीवी को दिखने के लिए कर रहा हो," जॉर्ज बुदबुदाया।

बूढ़े आदमी ने बातों में गर्माहट पैदा करते हुए कहा, "क्या तुमने उसके बाँये हाथ में वह दस्ताना देखा था?"

"हाँ। मैंने देखा था।"

"तो तुम्हें बता दूँ कि, वह दस्ताना वैसलीन से भरा हुआ था।"

"वैसलीन से? लेकिन क्यूँ?"

"ताकि उसका हाथ हमेशा मुलायम रहे। कर्ली का कहना है कि, वह ऐसा अपनी बीवी के लिए करता है।"

जॉर्ज पूरी तल्लीनता से ताश के पत्तों को देख रहा था। "लेकिन सबको इस बारे में बताना तो गलत बात है," उसने बिना नजर उठाये कहा।

कर्ली के लिए ऐसे अपमानजनक शब्दों को सुनकर बूढ़े को विश्वास हो चला था की वह अब सुरक्षित है, और ये सारी बातें उन्हीं के बीच रहेंगी। यह सोचकर वह और भी बेधड़क होकर बोलने लगा, "तुमने अभी कर्ली की बीवी को देखा नहीं है।"

जॉर्ज नें फिर से पत्तों को फेंटा और धीरे से, सावधानीपूर्वक उन्हें मेज पर बिछाते हुए पूछा, "क्या वह खूबसूरत है?"

"हाँ। है तो... लेकिन"

जॉर्ज ने अपने पत्तों पर नजर दौड़ते हुए कहा, "लेकिन क्या?"

"उसका चाल-चलन सही नहीं है।"

"क्या? शादी को अभी दो ही हफ्ते हुए हैं और अभी से उसका ये हाल है? शायद इसी वजह से कर्ली हमेशा गुस्से में रहता है।"

"मैंने उसे स्लिम को ताड़ते हुए देखा है। स्लिम चमड़े का काम करता है बहुत अच्छा आदमी है। स्लिम को अनाज का ढेर लगाते हुए ऊँची एड़ी के जूतों की जरूरत नहीं पड़ती। मैंने उसे स्लिम को ताड़ते हुए देखा है। कर्ली को इस बारे में कुछ नहीं पता।

मैंने तो उसे कार्लसन को भी ताड़ते हुए देखा है!"

जॉर्ज ने दिलचस्पी न होने का दिखावा करते हुए कहा, "लगता है हम सबको यहाँ बहुत मजा आने वाला है।"

बूढ़ा अपने स्टूल से खड़े होते हुए बोला, "पता है, उसके बारे में मेरी क्या राय है?"

जॉर्ज ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। "मुझे लगता है कर्ली ने एक चरित्रहीन औरत से शादी की है।"

"ऐसा करने वाला वह कोई पहला आदमी नहीं है।" जॉर्ज नें कहा, "बहुत सारे लोगों के साथ ऐसा हो चुका है।"

"मुझे अब चलना चाहिये," बूढ़े आदमी ने दरवाजे की ओर बढ़ते हुए कहा और बाहर चला गया। उसे जाता देख, उसका कुत्ता जो अभी तक फर्श पर लेटा हुआ था, जैसे-तैसे अपने पैरों पर खड़ा हुआ और उसके पीछे-पीछे चल पड़ा। "मुझे अभी वाश-बेसिन की सफाई भी करनी है। काम पर गये लोगों के वापस लौटने का समय हो गया है। क्या तुम लोग आज काम पर जाओगे?"

"मैंने तुम्हें जो कुछ भी बताया, तुम कर्ली को तो नहीं बताओगे?"

"बिलकुल नहीं।"

"तुम उसे देखकर खुद ही फैसला कर लेना कि वह चरित्रहीन है या नहीं," कहकर वह दरवाजे से बाहर चला गया।

जॉर्ज ने विचारों में डूबे-डूबे तीन हिस्सों में ताश के पत्ते रख दिये। फिर उसने तीनों गड्डियों को उल्टा कर दिया। धूप अब फर्श पर पड़ रही थी और मक्खियाँ चिंगारी की तरह उसमे से गुजर रही थी। बाहर से घोड़े के साज की झनकार और भारी-भरकम धूरों की टर्र-टर्र की आवाज आ रही थी। थोड़ी दूरी से एक साफ आवाज सुनायी दी। "स्टेबल बक, अरे स्टेबल बक!" और फिर, "वह कम्बख्त हब्शी कहाँ मर गया?"

जॉर्ज ने मेज पर फैले अपने पत्तों पर एक नजर दौड़ायी और फिर तुरन्त उन सबको इकट्ठा कर के लेनी की ओर मुड़ा। लेनी अपने बिस्तर पर लेटे-लेटे ही यह सब देख रहा था।

"देखो, लेनी! यहाँ ऐसे नहीं चलेगा। मुझे तुम्हारी फिक्र हो रही है। कर्ली तुम्हे परेशान करने की पूरी कोशिश करेगा। मैंने पहले भी ऐसे लोगों को देखा है, जिन्हें दूसरों को सताने में सुकून मिलता है। उसे तुम थोड़ा अलग से लगे। अगर उसे लगा कि तुम उससे डर गये हो तो, पहला मौका मिलते ही वह तुम पर हमला कर देगा।"

लेनी की आँखों में डर उतर आया था। "मुझे किसी मुसीबत में नहीं पड़ना है जॉर्ज," उसने सहमे हुए शब्दों में कहा। "उसे मुझ पर हमला मत करने देना।"

जॉर्ज अपनी जगह से उठकर लेनी के पास गया और बैठते हुए बोला, "मुझे नफरत है ऐसे लोगों से। मैं पहले भी ऐसे कई लोगों से मिल चुका हूँ। लेकिन जैसा कि उस बूढ़े आदमी ने कहा, कर्ली जीतने का कोई मौका नहीं छोड़ता, हमें ज्यादा ध्यान देने की जरुरत है।" वह थोड़ा रुका और कुछ पल सोचने के बाद बोला, "सुनो, अगर वह तुमसे किसी बात पर उलझता है तो हमें इस नौकरी से भी हाथ धोना पड़ेगा। इसलिए, इस बात का खास ध्यान रखना कि ऐसा न हो। वह मालिक का बेटा है। देखो लेनी, कोशिश करना कि तुम उससे दूर रहो, क्या तुम ऐसा करोगे? उससे कभी भी बात मत करना। अगर वह कभी कमरे में आये तो, तुम कमरे के दूसरी तरफ चले जाना। क्या तुम ऐसा करोगे लेनी?"

"मुझे किसी मुसीबत में नहीं पड़ना," लेनी ने दुखी होकर कहा। "मैंने उसका कुछ बुरा नहीं किया।"

"अगर कर्ली किसी से उलझने का मन बना चुका है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुमने कुछ किया है या नहीं। तो इसलिए याद रखना कि हमें उससे कुछ लेने-देना नहीं है। क्या तुम यह याद रखोगे?"

"जरूर याद रखूँगा, जार्ज। मैं उससे एक शब्द भी नहीं बोलूँगा।"

अनाज ढोने वाली टोलियों की तेज आवाज आ रही थीः कड़ी जमीन पर भारी खुरों की गड़गड़ाहट, ब्रेक का खिंचना ट्रेस चेन की झनकार। लोग टोलियों के आगे-पीछे आवाज लगा रहे थे। जॉर्ज चारपाई पर लेनी के पास बैठा था, वह सोच रहा था इसलिए उसकी भौंहे चढ़ गयी थीं। लेनी ने डरते हुए पूछा, "तुम गुस्से में तो नहीं हो, जॉर्ज?"

"मैं तुमसे नाराज नहीं हूँ। मुझे तो उस नीच कर्ली पर गुस्सा आ रहा है। मुझे उम्मीद थी कि हमें यहाँ काम के ठीक-ठाक पैसे मिल जायेंगे, शायद 100 डालर तक।" जॉर्ज की आवाज अब गम्भीर हो चली थी। उसने लेनी की ओर देखा और दृढ़तापूर्वक कहा, "तुम्हें कर्ली से हर हाल में दूर रहना है, समझ गये।"

"ठीक है, जॉर्ज। मैं एक शब्द भी नहीं बोलूँगा।"

"उसे खुद पर हावी मत होने देना लेकिन अगर वह ऐसा कुछ करने की कोशिश करता है तो उसे छोड़ना मत।"

"तुम क्या कहना चाहते हो, जॉर्ज?"

"कुछ नहीं, कुछ नहीं। मैं तुम्हें सब कुछ समझा दूँगा। मुझे कर्ली जैसे लोगों से नफरत है। देखो लेनी, अगर तुम किसी तरह की मुसीबत में फँस जाते हो तो, तुम्हें याद है न कि तुम्हें क्या करना है?"

लेनी कोहनी के सहारे उठा और अजीब-सी शक्ल बनाकर सोचने लगा। फिर उसने

दुखी आँखों से जॉर्ज के चेहरे की तरफ देखा और बोला, "अगर मेरी वजह से कोई परेशानी खड़ी होती है, तो तुम मुझे खरगोश नहीं पालने दोगे।"

जॉर्ज ने निराशा भरी नजरों से उसे देखा ओर बोला, "मेरा यह मतलब नहीं था। तुम्हें वह जगह याद है, जहाँ हम कल रात नदी किनारे सोये थे?"

"हाँ। मुझे याद है, अरे हाँ, याद आया! मुझे वहाँ जाकर झाड़ियों में छुपना है।"

"और तब तक छुपे रहना है, जब तक मैं तुम्हें लेने नहीं आता। ध्यान रहे कि तुम्हें कोई देखे नहीं। नदी के किनारे, झाड़ियों में छुपना है। अब इस बात को दोहराओ।"

"झाड़ियों में छुपना है, नदी के किनारे वाली झाड़ियों में छुपना है।"

"अगर तुम मुसीबत में फँसते हो।"

"अगर मैं मुसीबत में फँसता हूँ।"

तभी बाहर से ब्रेक लगने की आवाज आयी। किसी ने आवाज लगायी "स्टेबल बक, अरे ओ! स्टेबल बक।"

जॉर्ज ने कहा, "इसे बार-बार दोहराओ लेनी, ताकि तुम इसे भूलो नहीं।"

दोनों लड़कों ने ऊपर निगाह डाली, क्योंकि दरवाजे से आती धूप का रास्ता कटा था। एक लड़की वहाँ से खड़ी होकर देख रही थी। उसके भरे हुए सुर्ख होंठ और चौड़ी-चौड़ी आँखें थी। उसने बहुत मेकअप किया हुआ था। उसके नाखून लाल थे। उसने एक सूती घरेलू पोशाक पहनी थी, जिस पर लाल शुतुरमुर्ग के पंखों के छोटे-छोटे गुलदस्ते लटक रहे थे। "मैं कर्ली को ढूँढ रही हूँ," उसने कहा। उसकी आवाज में नाक से बोलने वाली दिक्कत थी।

एक पल के लिए तो जॉर्ज ने उससे नजरें हटायी और फिर वापस टिकाते हुए बोला, "वह एक मिनट पहले यहीं था, लेकिन अब वह जा चुका है।"

"अच्छा!" उसने अपने हाथों को पीछे किया और दरवाजे से टिककर इस तरह से खड़ी हो गयी कि उसका शरीर थोड़ा बाहर की ओर उभरा हुआ-सा लग रहा था। "तो तुम ही वे नये लोग हो जो अभी-अभी यहाँ आये हैं?"

"हाँ।"

लेनी उसे एकटक ऊपर से नीचे तक घूर रहा था। भले ही उसका पूरा ध्यान जॉर्ज पर था, लेकिन लेनी की इस हरकत से उसे थोड़ा गुस्सा आ गया। उसने अपने हाथ के नाखूनों की ओर देखते हुए कहा, "कभी-कभी कर्ली यहाँ आता है।"

जॉर्ज ने रुखाई से जवाब दिया, "लेकिन अब वह यहाँ नहीं है।"

"अगर वह यहाँ नहीं है, तो शायद मुझे उसे कहीं और ढूँढना चाहिए," उसने चंचलतापूर्वक कहा।

लेनी मुग्ध होकर उसे देख रहा था। जॉर्ज ने कहा, "अगर मुझे कहीं कर्ली दिखाई देता है तो मैं उसे बता दूँगा कि आप उसे ढूँढ रही हैं।"

वह चपलता से हँसी और अपने शरीर को झुलाते हुए बोली, "किसी को ढूँढना कोई गुनाह नहीं है।" उसके पीछे कदमों के चलने की आवाजें आ रही थी। उसने गर्दन घुमायी और किसी को देखकर बोली, "कैसे हो स्लिम।"

स्लिम ने दरवाजे के बाहर से ही जवाब देते हुए कहा, "तुम कैसी हो।"

"मैं कर्ली को ढूँढ रही हूँ, स्लिम।"

"ऐसी बात है, तो तुम ठीक से कोशिश नहीं कर रही हो। मैंने उसे तुम्हारे घर की तरफ जाते हुए देखा है।"

यह सुनकर अचानक वह थोड़ा चिन्तित-सी हो गयी और तुरन्त सबसे विदा लेकर वहाँ से चली गयी।

उसके जाते ही, जॉर्ज ने लेनी की ओर देखकर कहा, "तो ये कर्ली की बीवी है। बड़ी तेज औरत है।"

"लेकिन वह खूबसूरत है," लेनी ने अतिरक्षात्मक ढंग से कहा।

"और निश्चय ही वह इसे छिपाती नहीं। कर्ली उसके एक कदम आगे है। शर्त लगा लो वह जल्दी ही मात खा जाएगी।" लेनी अब भी दरवाजे को ताक रहा था, जहाँ थोड़ी देर पहले वह खड़ी थी। "वह बहुत खूबसूरत है," उसने मुस्कुराते हुए प्रशंसापूर्ण ढंग से कहा।

यह सुनकर जॉर्ज ने तुरन्त उसकी ओर देखा और उसे कानों से पकड़कर जोर से हिलाया। "तुम मेरी बात ध्यान से सुनो," उसने आगबबूला होते हुए कहा, "तुम उस औरत की तरफ एक नजर भी नहीं देखोगे। मुझे इस बात से कोई मतलब नहीं है कि वह क्या कहती है और क्या करती है। मैंने पहले भी ऐसी औरतों को चीजें बिगाड़ते हुए देखा है। लेकिन मैंने इससे तेज औरत नहीं देखी। इसलिए तुम उस पर बिलकुल भी ध्यान नहीं दोगे।

लेनी अपने कान को छुड़ाने की कोशिश करते हुए बोला, "मैंने कुछ नहीं किया, जॉर्ज।"

"नहीं, तुमने नहीं किया। लेकिन जब वह यहाँ दरवाजे पर खड़ी होकर अपनी टांगों का प्रदर्शन कर रही थी, तो तुमने नजरें हटायी भी नहीं थी।"

"मेरा नुकसान पहुँचाने का कोई इरादा नहीं था, जॉर्ज। विश्वास करो मेरा।"

"याद रहे कि तुम हमेशा उससे दूर रहोगे क्योंकि वह जी का जंजाल है जो सब कुछ बर्बाद कर देगी। कर्ली को ही उससे निपटने दो। उसने खुद के लिए ये मुसीबत

खड़ी की है। उसके लिए तो वह वैसलीन से भरा हुआ दस्ताना भी पहनता है," जॉर्ज नें खीजते हुए कहा। "मैं शर्त लगाता हूँ कि वह खुद कच्चे अण्डे खा रहा है और असल दवा दूसरों के घर भेज रहा है।"

एकाएक लेनी जोर से चिल्लाया-- "मुझे यह जगह पसन्द नहीं है, जॉर्ज। ये जगह बिलकुल भी अच्छी नहीं है। मैं यहाँ से जाना चाहता हूँ।"

"जब तक हमें पैसा नहीं मिल जाता, हमें ऐसे ही रहना होगा। हम इसमे कुछ नहीं कर सकते, लेनी। मुझे भी यह जगह पसन्द नहीं है।" यह कहकर वह वापस मेज पर गया और ताश की नयी बाजी बिछा दी। "यकीन करो मुझे भी यहाँ अच्छा नहीं लग रहा है," उसने कहा, "बस दो टुकड़े मिल जायें फिर मैं यहाँ से निकल जाऊँगा। अगर हमें कुछ डॉलर मिल जायें तो हम यहाँ से निकल लेंगे। और अमरीकी नदी पर जाकर पानी से सोना निकालेंगे। हम वहाँ एक दिन में दो डॉलर तक की कमाई कर सकते हैं और किसे पता हमें शायद किसी की जेब साफ करने का मौका भी मिल जाये।"

लेनी उत्सुकतापूर्वक जॉर्ज की ओर झुका और बोला, "यहाँ से चलते हैं जॉर्ज, यहाँ कुछ भी अच्छा नहीं है।"

"हमें यहाँ रहना ही होगा," जॉर्ज ने शीघ्रता से जवाब दिया। "और अब कुछ मत बोलना। लोग कभी भी यहाँ अन्दर आ जायेंगे।" पास ही, गुसलखाने से पानी के बहने और वाश-बेसिन के खड़खड़ाने की आवाजें आ रही थीं। "शायद हमें भी हाथ-मुँह धो लेना चाहिए," जॉर्ज ने ताश के पत्तों का मुआयना करते हुए कहा। "लेकिन हमने तो ऐसा कुछ नहीं किया जिससे हमारा शरीर गन्दा हो गया हो," उसने अपनी ही बात को काटते हुए कहा।

वे आपस में बातें कर ही रहे थे कि उनकी नजर दरवाजे पर खड़े एक लम्बे से आदमी पर पड़ी। उसने एक, सिलवट पड़ी हुई स्टेटसन हैट को अपने हाथ के नीचे दबा रखा था और अपने काले, लम्बे, गीले बालों को पीछे की ओर कंघी कर रहा था। दूसरे लोगों की ही तरह उसने भी नीली जीन्स और डेनिम की जैकेट पहन रखी थी। कंघी करने के बाद वह अन्दर आया। उसकी चाल इतनी राजसी थी जैसे कि किसी शाही इनसान या कुशल कारीगर की होती है। वह खच्चर हाँकने की टीम का लीडर था। फार्म में सबका चहेता। वह एक साथ दस, सोलह, यहाँ तक कि बीस खच्चरों को सीध में हाँकने की क्षमता रखता था। वह खच्चर को छुए बिना उसके पैर पर बैठी मक्खी को चाबुक से मारने में सक्षम था। उसका सम्पूर्ण व्यक्तित्व इतना आकर्षक और गम्भीर था कि उसके बोलते ही सब चुप हो जाते थे। उसका रुतबा इतना बड़ा था कि हर बात पर उसकी राय ली जाती थी। फिर चाहे वह राजनीति हो या प्यार का कोई मामला, उसकी राय आवश्यक

थी। उसका नाम स्लिम था और वह खच्चर हाँकने वाली टीम का लीडर था। उसके पतले, लम्बे चेहरे पर उम्र का कोई निशान नहीं था। उसकी उम्र पैंतीस भी हो सकती थी और पचास भी। वह हर बात को बेहद गम्भीरता से सुनता था। और उसकी बातों में बुद्धिमत्ता की ऐसी झलक दिखायी देती थी मानो वह न केवल किसी विचार या उससे परे जाकर उसे समझने की क्षमता रखता हो। उसके पतले-लम्बे हाथ इतने नाजुक और कोमल थे, जैसे किसी नर्तकी के हों।

उसने अपनी मुडी-तुड़ी हैट की सारी सिलवटों को हटाया, उसको ठीक बीच से मोड़कर चुन्नट डाली और सिर पर पहन लिया। उसने बड़ी सहजता से दोनों की तरफ देखा और धीरे से बोला, "बाहर धूप बहुत तेज है, जिसकी वजह से मैं यहाँ अन्दर कुछ देख नहीं पा रहा हूँ। क्या तुम लोग यहाँ पर नये हो?"

"हम बस अभी-अभी यहाँ आये हैं," जॉर्ज ने कहा।

"अनाज के बोरों को उठाने का काम करने के लिए?"

"मालिक ने तो यही काम करने को बोला है।"

स्लिम मेज के उस तरफ, जॉर्ज के ठीक सामने रखे स्टूल पर बैठ गया। उसने मेज पर पड़े ताश के पत्तों को गौर से देखा जो उसकी उल्टी दिशा में रखे हुए थे। "उम्मीद है तुम मेरी टीम में रहोगे।" उसने बड़ी विनम्रता से कहा। "मेरी टीम में कुछ ऐसे बेवकूफ लोग हैं जिन्हें काम करना बिलकुल नहीं आता। क्या तुम लोगों नें पहले यह काम किया है?

"हाँ," जॉर्ज ने कहा। "मेरे पास तो बताने के लिए कुछ खास नहीं है, लेकिन वहाँ जो वह लम्बा-चौड़ा आदमी तुम्हें दिख रहा है, वह दूसरों के मुकाबले, अकेले ही सबसे ज्यादा अनाज के बोरों को उठाने की ताकत रखता है।"

लेनी जो पूरी बात को बड़े ध्यान से सुन रहा था, खुद की तारीफ होने पर बहुत खुश हुआ। स्लिम भी लेनी की इस तारीफ से पूरी तरह सहमत था। वह मेज के ऊपर झुका और ताश के एक पत्ते को चटकाते हुए बोला, "क्या तुम लोग हमेशा साथ ही सफर करते हो?" उसका लहजा दोस्ताना था। उसके ऐसे रवैये से उस पर विश्वास बनने लगा था।

"हाँ," जॉर्ज ने कहा। "हम एक-दूसरे का ख्याल रखते हैं," उसने अंगूठे से लेनी की ओर इशारा करते हुए कहा। "उसकी अक्ल थोड़ी कम है लेकिन काम के मामले में बहुत अच्छा है। बहुत ही अच्छा इनसान है ,बस दिमाग की कमी है। मैं इसे कई सालों से जानता हूँ।"

स्लिम ने जॉर्ज को बड़े ध्यान से देखा। "बहुत कम लोग हैं जो साथ में सफर करते

हैं," उसने गम्भीर विचार जाहिर किया, "मुझे नहीं पता कि वे ऐसा क्यूँ करते हैं। शायद इस दुनिया में सब एक-दूसरे से डरते हैं।"

"किसी के साथ सफर करना, अकेले सफर करने से, बहुत अच्छा होता है," जॉर्ज ने कहा।

वे बातें कर ही रहे थे कि तभी एक भारी-भरकम, मोटा आदमी कमरे के अन्दर से नहाकर आया, जिसकी वजह से उसके सिर से अभी पानी टपक रहा था। "कैसे हो स्लिम," उसने स्लिम की ओर मुखातिब होते हुए पूछा और फिर रुककर जॉर्ज और लेनी को घूरने लगा।

"ये लोग अभी-अभी यहाँ आये हैं," स्लिम ने उनका परिचय देते हुए कहा।

"तुमसे मिलकर खुशी हुयी," उस मोटे आदमी ने कहा, "मेरा नाम कार्लसन है।"

"मैं जॉर्ज मिल्टन हूँ, और इसका नाम लेनी स्माल है।"

"तुम दोनों से मिलकर खुशी हुई," उसने फिर से कहा। "यह इतना भी छोटा नहीं है," उसने लेनी को देखकर मजाकिया अंदाज में कहा।

"बिलकुल भी छोटा नहीं लगता," उसने अपनी ही बात को दोहराया। "वैसे स्लिम में तुमसे पूछना चाहता था कि तुम्हारी कुतिया कैसी है? मैंने देखा कि वह आज सुबह तुम्हारी गाड़ी के नीचे नहीं थी।"

"उसने कल रात बच्चों को जन्म दिया," स्लिम नें जवाब दिया। "नौ बच्चों को। वह इतने सारे बच्चों को दूध नहीं पिला सकती थी, इसलिए मैंने चार बच्चों को उसी वक्त डुबा कर मार डाला।"

"तो अब तुम्हारे पास पाँच बचे हैं?"

"हाँ, पाँच। और मैंने सबसे बड़े को रख लिया है।"

"तुम्हारे हिसाब से वह किस नस्ल के कुत्ते होंगे?"

"मुझे नहीं पता", स्लिम ने कहा। शायद शेफर्ड। क्योंकि उस वक्त यहाँ आस-पास सबसे ज्यादा वही कुत्ते दिखायी देते थे।

कार्लसन ने आगे पूछा, "तुम्हारे पास पाँच कुत्ते हैं। क्या तुम उन सभी को अपने पास रखोगे? "

"मुझे नहीं पता। कुछ दिनों के लिए तो रखना ही पड़ेगा, ताकि वे अपनी माँ, लूलू का दूध पी सकें।"

कार्लसन नें कुछ विचार करते हुए कहा, "देखो स्लिम, मैं सोच रहा था कि कैंडी का कुत्ता अब इतना बूढ़ा हो गया है कि ठीक से चल भी नहीं पाता। और उससे बदबू भी बहुत आती है। वह जब भी यहाँ आता है, उसकी बदबू इस कमरे में दो-तीन दिन

तक रहती है। तुम कैंडी को समझाते क्यों नहीं कि वह अपने उस बूढ़े कुत्ते को गोली मार दे और फिर तुम उन बच्चों में से एक उसे दे देना? मैं उस कुत्ते को एक मील दूर से भी सूंघ सकता हूँ। उसके दाँत नहीं हैं, ठीक से देख नहीं सकता, कुछ खा नहीं सकता। कैंडी उसे रोज दूध पिलाता है, क्योंकि कुछ और खाने में वह असमर्थ है।"

जॉर्ज बड़े ध्यान से स्लिम को देख रहा था। अचानक बाहर से घण्टी बजने की आवाज आयी, शुरुआत में तो उसकी आवाज धीमी थी, लेकिन धीरे-धीरे उसका स्वर तेज होता गया और तब तक होता रहा जब तक कि उसके स्वर आपस में मिलकर एक नहीं हो गये। फिर अचानक उसने बजना बन्द कर दिया, ठीक उसी तरह जैसे कि उसने शुरू किया था।

"लो बुलावा आ गया," कार्लसन ने कहा।

बाहर से लोगों के चलने-फिरने की तेज आवाजें आ रही थीं।

स्लिम धीरे से, बड़े अदब के साथ खड़ा हुआ और बोला, "बेहतर होगा कि तुम लोग जल्दी ही खाना खाने बाहर आ जाओ। नहीं तो कुछ ही मिनटों में सब कुछ खत्म हो जाएगा।" जैसे ही स्लिम जाने लगा, कार्लसन नें थोड़ा पीछे हटते हुए स्लिम को आगे जाने की जगह दी और फिर दोनों दरवाजे से बाहर चले गये।

इधर लेनी बड़ी उत्सुकता से जॉर्ज को देख रहा था। जॉर्ज, जो अपने बिखरे हुए ताश के पत्तों को समेट रहा था, बोला, "हाँ, मैंने सुना लेनी। मैं इस बारे में उससे बात करूँगा।"

"मुझे भूरा और सफेद रंग का चाहिए," लेनी ने उत्तेजित होकर कहा।

"चलो, खाना खाते हैं। मुझे नहीं पता कि उसके पास भूरा और सफेद रंग का है भी कि नहीं।" लेनी अपने बिस्तर से जरा भी नहीं हिला। "तुम उससे अभी पूछो जॉर्ज, ताकि वह और बच्चों को न मारे।"

"ठीक है। अब चलो, खड़े भी हो जाओ।" लेनी तुरन्त अपने बिस्तर से बाहर आया और खड़ा हो गया। और फिर दोनों दरवाजे की ओर चल पड़े। वे दरवाजे पर पहुँचे ही थे कि कर्ली कमरे में दाखिल हो गया।

"क्या तुमने यहाँ आस-पास किसी लड़की को देखा?" उसने गुस्से से तमतमाते हुए पूछा।

"शायद आधे घण्टे पहले देखा था", जॉर्ज ने धीरे से जवाब दिया।

"वह यहाँ क्या करने आयी थी?"

पहले तो जॉर्ज चुपचाप खड़े होकर उसे गुस्से से भनभनाते हुए देखने लगा। फिर अनादर के भाव से बोला, "उसने कहा कि वह तुम्हें ढूँढ रही है।"

कर्ली ने पहली बार जॉर्ज को बड़े ध्यान से देखा। उसने जॉर्ज की आँखों में आँखें डालकर, उसके पूरे शरीर का अच्छे से मुआयना किया और आखिर में पूछा, "वह किस तरफ गयी?"

"मुझे नहीं मालूम", जॉर्ज ने जवाब दिया। "मैंने उसे जाते हुए नहीं देखा।" कर्ली नाक-भौं चढ़ाते हुए तेजी से बाहर चला गया। उसके जाते ही जॉर्ज ने कहा, "तुम्हें पता है लेनी , मुझे डर है कि कहीं उस घटिया आदमी के साथ मैं खुद ही न उलझ पड़ूँ। मुझे उससे नफरत है। अब भगवान के लिए जल्दी चलो। नहीं तो वहाँ खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा।"

वे दरवाजे से बाहर चले गये। सूरज की रोशनी अब सिर्फ खिड़की के नीचे छोटी सी जगह में सिमट कर रह गयी थी। दूर कहीं से बर्तनों के बजने की आवाजें साफ सुनाई दे रही थी।

थोड़ी देर बाद वही बूढ़ा कुत्ता लंगडाते हुए खुले दरवाजे से अन्दर आया। उसने अपनी मंद, बुझी हुई आँखों से इधर-उधर देखा, नाक से कुछ गहरी साँसें ली और फिर अपने पैरों के बीच में सिर डालकर लेट गया। कर्ली एक बार फिर कमरे में आया और पूरे कमरे को जाँचने लगा। उसे देखकर कुत्ते ने अपना सिर उठाया, लेकिन उसके जाते ही उसने अपना सफेद बालों वाला सिर फिर से जमीन पर टिका दिया।

अध्याय-3

हालाँकि, बंक हाउस की खिड़की से बाहर शाम का उजाला दिख रहा था लेकिन अन्दर कमरे में अन्धेरा फैला हुआ था। खुले दरवाजे से रह-रह कर भारी-भरकम आवाजें, घोड़ों के खेल में बजने वाली घण्टी की तथा समय-समय पर समर्थन में उठी हुई या उपहास करती हुई आवाजें आ रही थी।

स्लिम और जॉर्ज एक साथ उस अन्धेरे कमरे में दाखिल हुए। स्लिम ताश खेलने वाली मेज पर गया और टेबल लैम्प को जला दिया। उसके जलते ही तत्काल मेज रोशनी से जगमगा उठी, ओट होने की वजह से उसकी रोशनी सीधे नीचे की ओर पड़ रही थी, जबकि कमरे के बाकी कोने अब भी अन्धकार में डूबे हुए थे। स्लिम वहीं एक बाक्स के ऊपर बैठ गया और जॉर्ज ने उसके ठीक सामने वाली जगह ले ली।

"ये तो कुछ भी नहीं था," स्लिम ने कहा। "मुझे उनमें से ज्यादातर को तो डुबाना ही था। उसके लिए मुझे धन्यवाद देने की कोई जरूरत नहीं है। "

जॉर्ज ने कहा, "हो सकता है कि यह तुम्हारे लिए छोटी बात हो लेकिन उसके लिए तो यह बहुत मायने रखती है। हे भगवान, मुझे नहीं मालूम कि मैं उसे यहाँ अन्दर सोने के लिए कैसे राजी करूँगा क्यूंकि वो उनके साथ बाहर बाड़े में सोने की जिद करेगा। हमें उसे पिल्लों से दूर रखने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।"

"कहा न, ये तो कुछ भी नहीं था," स्लिम ने दोहराया। "तुम उसके बारे में सही थे। भले ही वह मंदबुद्धि है लेकिन मैंने कभी भी ऐसा जानदार कामगार नहीं देखा। उसने अनाज के बोरे उठाते समय उसके बोझ से अपने एक साथी को लगभग मार ही डाला था। इस फार्म में ऐसा कोई नहीं जो उसकी बराबरी कर सके। भगवान साक्षी है की मैंने आज तक इतना शक्तिशाली आदमी नहीं देखा।"

जॉर्ज ने गर्व से कहा। "बस लेनी को बता दो कि क्या करना है और वो बिना सोचे-समझे उस काम को कर देगा। वह खुद से कुछ करने के बारे में भले ही न सोच सके, परन्तु आदेश मानने में वह निपुण है।"

बाहर लोहे की रेलिंग पर घोड़े के नाल लगे पैर पड़ने से झनझनाहट की आवाज उत्पन्न हो रही थी साथ ही उत्साह से भरे लोगों के चिल्लाने का हल्का-सा शोर भी व्याप्त था।

स्लिम थोड़ा पीछे की ओर खिसक कर बैठ गया ताकि रोशनी उसके चेहरे पर न पड़े। "ताज्जुब की बात है कि तुम दोनों एकसाथ कैसे रह लेते हो।" यह स्लिम का जॉर्ज के प्रति भरोसेमंद बनने का शान्ति से दिया गया निमन्त्रण था।

"इसमें ताज्जुब की क्या बात है?" जॉर्ज ने प्रतिरक्षात्मक ढंग से पूछा।

"ओह, मुझे नहीं पता। मुश्किल से कुछ ही लोगों ने साथ में सफर किया होगा। मैंने कभी भी दो लोगों को साथ में सफर करते हुए नहीं देखा। तुम्हें पता है कि काम करने वाले हाथ कैसे होते हैं, वे आते हैं और अपनी जगह लेते हैं, फिर एक महीने काम करने के बाद छोड़कर चले जाते हैं, अकेले। किसी और के बारे में सोचते तक नहीं हैं। मुझे तो बस, उस जैसे बेवकूफ और तुम जैसे होशियार को एकसाथ सफर करते देख ताज्जुब हो रहा है।"

"वह बेवकूफ नहीं है," जॉर्ज ने कहा। "उसकी बुद्धि भले ही कम है लेकिन वह पागल नहीं है। और मैं भी कोई बहुत ज्यादा होशियार नहीं हूँ, नहीं तो पचास डॉलर के लिए यहाँ अनाज.के बोरे नहीं उठा रहा होता। अगर मैं होशियार होता या मुझमें जरा भी बुद्धि होती तो मेरे पास खुद की एक छोटी-सी जगह होती, और मैं खुद की फसल को ढो रहा होता बजाय किसी और के लिए काम करने के, जहाँ जमीन से उगे अनाज पर आपका कोई अधिकार नहीं होता।" यह कहकर जॉर्ज चुप हो गया। वह बात करना चाहता था। किन्तु स्लिम ने न तो उसे बढ़ावा ही दिया और न ही उसे रोकने की कोशिश की। वह बस चुपचाप, आराम से बैठकर उसे सुनता रहा।

"इसमें इतने ताज्जुब की कोई बात नहीं है कि वह और मैं साथ में सफर करते हैं," जॉर्ज ने आखिर में कहा। "हम दोनों आबर्न में पैदा हुए थे। मैं उसकी आंटी, क्लारा को अच्छे से जानता था। आंटी ने उसे तब गोद लिया था जब वह एक छोटा बच्चा था। उन्होंने उसे पाल-पोस कर बड़ा किया। जब उसकी आंटी, क्लारा की मृत्यु हुई, लेनी मेरे साथ बाहर काम पर आने लगा। थोड़े ही दिनों बाद हम दोनों एक-दूसरे के साथ के आदी हो गये।"

"हम्म," स्लिम ने कहा।

जॉर्ज ने स्लिम की ओर गर्दन घुमायी और देखा कि दो शान्त, दैवीय आँखें उस पर गड़ी हुई थीं। "अजीब बात है," जॉर्ज ने कहा। मैं उसके साथ बहुत मजे किया करता था। उसका मजाक उड़ाया करता था क्योंकि वह इतना बेवकूफ था कि खुद का ध्यान भी नहीं रख सकता था। और तो और वो यह तक समझ नहीं पाता था कि उसका मजाक उड़ाया जा रहा है। मुझे मजा आता था। उसके सामने मैं ज्यादा बुद्धिमान प्रतीत होता था। क्योंकि मैं जो कहता था, वह वो करता था। अगर मैं उसे चट्टान के ऊपर चढ़ने को

कहता, तो वह चढ़ जाता था। लेकिन कुछ समय बाद ये सब इतना मजेदार नहीं रहा। और न ही उसे इस बात से कोई फर्क पड़ा। गुस्से में मैंने उसे बहुत मारा और अगर वह चाहता तो मेरे शरीर की सारी हड्डियों को अपने हाथों से ही चकनाचूर कर सकता था, लेकिन उसने मुझ पर कभी एक उँगली तक नहीं उठायी।" जॉर्ज की आवाज अब धीरे-धीरे अपराधबोध में तब्दील हो रही थी। "मैं तुम्हें बताता हूँ कि मैंने वह सब करना क्यूँ बन्द किया। एक दिन कुछ लोग सैक्रामेंटो नदी के तट पर खड़े थे। मुझे लग रहा था की मैं सबसे ज्यादा बुद्धिमान और चतुर हूँ। मैं लेनी की तरफ पलटा और कहा, 'कूदो'। और वह कूद गया। उसे तैरना नहीं आता था। वह लगभग डूबने ही वाला था कि हम लोग उसे खींचकर पानी से बाहर ले आये और इस बात के लिए वह मेरा बेहद शुक्रगुजार था। वह भूल गया था कि मैंने ही उसे कूदने के लिए कहा था। खैर, उस दिन के बाद से मैंने ऐसा कभी नहीं किया।"

"वह एक बहुत अच्छा इनसान है," स्लिम नें कहा। "अच्छा आदमी होने के लिए बुद्धि की जरुरत नहीं होती। मुझे लगता है कभी-कभी तो इसका ठीक उल्टा ही होता है। एक व्यक्ति जो काफी होशियार है, घटिया किस्म का निकलता है। उसके अन्दर जरा-सी भी अच्छाई नहीं होती।"

जॉर्ज ने बिखेरे हुए ताश के पत्तों को क्रमबद्ध तरीके से लगाया और अपने हाथ में पत्तों को फेंटने लगा। बाहर ग्राउण्ड पर जूतों से धम-धम की आवाज उत्पन्न हो रही थी। कमरे की खिड़की पर शाम की रोशनी पड़ने से काँच के चौकोर हिस्से अभी भी चमक रहे थे।

"मेरा अपना कोई नहीं है," जॉर्ज नें कहा। "मैंने कई लोगों को देखा है जो फार्म में अकेले भटकते रहते हैं। यह बिलकुल भी ठीक बात नहीं है। उनके जीवन में किसी प्रकार का न कोई मनोरंजन, न कोई खुशी होती है। एक लम्बे समय के बाद यही लोग दुष्ट और मतलबी हो जाते हैं। और हमेशा लड़ने की फिराक में रहते हैं।"

"सही कहा, वे दुष्ट हो जाते हैं," स्लिम ने समर्थन किया। "वे ऐसे इसलिए हो जाते हैं क्यूंकि वे किसी से बात ही नहीं करना चाहते।"

"बेशक लेनी ज्यादातर समय बेकार के काम करता रहता है," जॉर्ज ने कहा। "लेकिन जब आपको किसी के साथ की आदत पड़ जाती है तो उसे छोड़ना नामुमकिन हो जाता है।"

"वह बुरा नहीं है," स्लिम ने कहा। "मैं देख सकता हूँ कि लेनी बिलकुल भी बुरा आदमी नहीं है।"

"निस्संदेह, वह बुरा आदमी नहीं है। लेकिन वह अपनी बेवकूफी की वजह से

हमेशा मुसीबत में फँस जाता है। ठीक वैसे ही जैसे वह वीड में फँसा था...” बोलते-बोलते वह चुप हो गया, ताश के पत्तों को बीच में ही छोड़ वह चुप हो गया। उसके चेहरे पर चिन्ता के भाव आ गये, उसने स्लिम की ओर सावधानी से देखा। “तुम किसी को बताओगे तो नहीं?”

“उसने वीड में क्या किया?” स्लिम नें धीमी आवाज में पूछा।

“तुम किसी को बताओगे तो नहीं? नहीं, नहीं, निश्चित तौर पर तुम किसी को नहीं बताओगे।”

“उसने वीड में क्या किया?” स्लिम नें दोबारा पूछा।

“तुम किसी को बताओगे तो नहीं?”

“ठीक है, उसने लाल ड्रेस में एक लड़की देखी। जैसे कि वह बेवकूफ है तो वह उस हर चीज को छूना चाहता है जिसे वह पसन्द करता है, केवल उसे महसूस करने के लिए। इसलिए वह उसकी लाल ड्रेस को महसूस करने के लिए आगे बढ़ा जिससे वह लड़की चीखने लगी। और इससे लेनी का दिमाग गड़बड़ हो गया। वह उसे पकड़कर खड़ा हो गया, इतना ही वह सोच पाया। फिर वह लड़की और जोर-जोर से चीखने लगी। मैं थोड़ी दूरी पर ही था और मैंने यह चीख-पुकार सुनी। इसलिए मैं दौड़ते हुए आया। तब तक लेनी इतना घबरा गया था कि वह इतना ही सोच पाया कि लड़की को जकड़े हुए खड़ा रहा। मैंने एक बाड़ की पट्टी से उसके सर पर चोट मारी। वह इतना डर गया था कि उसके हाथ से ड्रेस तक नहीं छूटी। और वह बेवकूफ कितना ताकतवर है, तुम जानते ही हो।

स्लिम बिना पलकें झपकाये निष्पक्ष आँखों से देख रहा था। उसने बहुत धीरे से गर्दन हिलाई। “उसके बाद क्या हुआ?”

जॉर्ज ने ध्यान से पत्तों की गड्डी को लगाया। “फिर उस लड़की ने बकवास की कि उसके साथ बलात्कार किया इसलिए हम एक सिंचाई नहर के पानी में घुस गये और सारा दिन वहीं छिपे रहे। हम बाहर झाँकने के लिए घास के पास जाकर पानी से अपने सिर बाहर निकालते। और उसी रात हम वहाँ से भाग आये”

स्लिम थोड़ी देर तक चुपचाप बैठा रहा। “उसने उस लड़की के साथ कुछ नहीं किया?” उसने आखिर में पूछा।

“बिलकुल नहीं। उसने तो बस उसे डरा दिया था। मैं भी डर जाता अगर उसने मुझे उस तरह से पकड़ा होता। लेकिन उसने उसे कोई चोट नहीं पहुँचायी। वह तो बस उसकी उस लाल ड्रेस को छूना चाहता था, ठीक जैसे कि वह उन पिल्लों को हर समय दुलराना चाहता है।”

"वह बुरा आदमी नहीं है", स्लिम ने कहा। "मैं एक मील दूर से ही घटिया आदमी को पहचान सकता हूँ।"

"बेशक वह नहीं है, और वह सब कुछ करेगा जो मैं..."

तभी लेनी दरवाजे से भीतर आया। उसने अपने नीले रंग के डेनिम के कोट को अपने कन्धों पर लबादे की तरह डाल रखा था और कन्धों को थोड़ा ऊपर उठाये आगे की ओर झुककर चल रहा था।

"कैसे हो लेनी", जॉर्ज ने पूछा। "तुम्हें पिल्ला कैसा लगा?"

लेनी ने हाँफते हुए कहा, "वह भूरा और सफेद रंग का है, ठीक वैसा जैसा मुझे चाहिए था।" फिर वह सीधे अपने बिस्तर की ओर गया और घुटने मोड़कर दीवार की तरफ मुँह करके लेट गया।

जॉर्ज ने बड़ी सावधानी से ताश के पत्तों को नीचे रखा। "लेनी", उसने ऊँची आवाज में कहा।

लेनी गर्दन घुमाकर अपने कन्धों के ऊपर से झाँका। "हुंह? क्या बात है, जॉर्ज?"

"मैंने तुम्हें कहा था ना कि तुम उस पिल्ले को यहाँ अन्दर नहीं ला सकते।"

"कौन सा पिल्ला, जॉर्ज? मेरे पास कोई पिल्ला नहीं है।"

जॉर्ज फुर्ती से उसके पास गया और उसे कन्धों से पकड़कर अपनी तरफ घुमाया। उसने झुककर उस छोटे से पिल्ले को लेनी के पेट के नजदीक से उठाया जहाँ लेनी ने उसे छुपाया हुआ था। लेनी तुरन्त उठकर बैठ गया। "उसे मुझे दे दो, जॉर्ज।"

जॉर्ज ने पलटकर कहा, "तुम अभी उठो और इस पिल्ले को उसकी जगह रख आओ। इस समय इसे अपनी माँ की जरूरत है। क्या तुम इसे मारना चाहते हो? ये कल रात ही पैदा हुआ है और तुम इसे उसकी जगह से उठा लाये। तुम इसे वापस रखकर आओ नहीं तो मैं स्लिम से कह दूँगा कि तुम्हें यह पिल्ला न दे।"

लेनी ने प्रार्थना करते हुए हाथों को फैलाया। "उसे मुझे दे दो, जॉर्ज। मैं इसे वापस रख दूँगा। मैं इसे कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहता था। मेरा यकीन करो, मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। मैं तो बस इसे थोड़ा-सा सहलाना चाहता था।"

जॉर्ज ने उसे पिल्ला दे दिया। "ठीक है। तुम जल्दी से इसे वापस रख आओ, और अब इसे अपनी जगह से बाहर मत निकालना। नहीं तो यह मर जाएगा।" लेनी उसकी बात मानकर तेजी से कमरे के बाहर चला गया।

स्लिम अपनी जगह से जरा भी नहीं हिला था और शान्त आँखों से लेनी को बाहर जाते देख रहा था। "हे भगवान," उसने कहा। "यह तो एक बच्चे जैसा है।"

"सही कहा, वह बिल्कुल एक बच्चे जैसा है। बच्चे की ही तरह उससे भी किसी

को कोई नुकसान नहीं है, बजाय इसके कि वह ज्यादा शक्तिशाली है। मुझे यकीन है कि वह आज रात यहाँ अन्दर सोने नहीं आयेगा, वहीं बाड़े में उन पिल्लों की पेटी के बगल में सोयेगा। खैर... उसे वहीं सोने दो। वह वहाँ किसी को नुकसान नहीं पहुँचा रहा है।"

बाहर अब लगभग अन्धेरा छा चुका था। बूढ़ा कैंडी, जो एक सफाईकर्मी था, अन्दर आया और सीधे अपने बिस्तर की ओर चला गया। उसके पीछे-पीछे उसका कुत्ता, जिसे चलने में बहुत दिक्कत हो रही थी, कमरे में दाखिल हुआ। "कैसे हो, स्लिम? कैसे हो, जॉर्ज? क्या तुम दोनों में से किसी ने भी घोड़े की नाल उछालने वाला खेल नहीं खेला?"

"मैं हर रात खेलना पसन्द नहीं करता," स्लिम ने कहा।

कैंडी ने आगे कहा, "क्या तुममें से किसी के पास शराब है? मेरे पेट में दर्द हो रहा है।"

"मेरे पास नहीं है", स्लिम ने कहा, "अगर मेरे पास होती तो मैं खुद ही पी लेता और मेरे पेट में तो दर्द भी नहीं है।"

"मेरे,पेट में बहुत तेज दर्द हो रहा है", कैंडी नें कहा, "यह सब शलजम खाने की वजह से हुआ है। खाने से पहले ही मुझे मालूम था कि ऐसा होगा।"

एकाएक वहाँ कार्लसन, जिसका शरीर काफी भारी था, अन्धेरे बाड़े से होते हुए अन्दर आया। वह कमरे के दूसरी तरफ गया और दूसरे टेबल लैम्प को जला दिया। "यहाँ अन्दर कितना अन्धेरा और मनहूसियत है!" उसने कहा। "हे भगवान, वो नीग्रो घोड़ों पे नाल कैसे चढ़ाता होगा।"

"वह इस काम में माहिर है," स्लिम ने कहा।

"इसमें कोई शक नहीं कि वह है," कार्लसन ने कहा। "वह किसी और को जीतने का मौका नहीं देता..." वह थोड़ा रुका और हवा में कुछ सूंघनें लगा। "हे भगवान, इस कुत्ते से कितनी बदबू आ रही है। इसे यहाँ से बाहर निकालो। कैंडी! मैंने आज तक इतनी बदबूदार चीज नहीं देखी जितना कि एक बूढ़ा कुत्ता होता है। तुम्हें इसे यहाँ से बाहर निकालना ही होगा।"

कैंडी अपने बिस्तर पर एक कोने में बैठ गया। वह झुका और अपने बूढ़े कुत्ते की पीठ थपथपाते हुए माफ़ी माँगने लगा, "मुझे इसके आस-पास रहने कि इतनी आदत हो गई थी कि कभी पता ही नहीं चला कि इससे इतनी बदबू आती है।"

"खैर, मैं उसे यहाँ अन्दर बर्दाश्त नहीं कर सकता," कार्लसन नें खीजते हुए कहा। "इसके जाने के बाद भी यह बदबू इस कमरे में रहती है। उसने अपने भारी-भरकम पैरों से लम्बे डग भरते हुए कुत्ते की ओर नीचे देखा। "इसके तो दाँत भी नहीं हैं," उसने कहा। "इसका शरीर गठिया की वजह से पूरा अकड़ गया है। यह तुम्हारे किसी काम का नहीं

रहा, कैंडी। और न ही ये खुद के किसी काम का है। तुम इसे गोली क्यों नहीं मार देते, कैंडी?"

यह सुनकर वह बूढ़ा आदमी असहजता से तड़प उठा। "क्या बकवास कर रहे हो, मेरे साथ ये काफी लम्बे समय से है। तब से, जब वह बस एक पिल्ला था। मैंने उसके साथ भेड़ें चरायी हैं।" उसने गर्व से कहा, "भले ही आज तुम इसकी तरफ देखने के बारे में सोचोगे तक नहीं, लेकिन यह भेड़ों की रखवाली करने वाला सबसे बेहतरीन कुत्ता था, जो मैंने अब तक देखे हैं।"

जॉर्ज ने कहा, "मैंने वीड में एक आदमी को देखा था जिसके पास एक टेरियर कुत्ता था जो भेड़ों की रखवाली करता था। उसने यह दूसरे कुत्तों से सीखा था।"

कार्लसन चुप रहने वालों में से नहीं था। "देखो, कैंडी। यह बूढ़ा कुत्ता सारा समय बस बीमार रहता है। अगर तुम इसे बाहर ले जाकर, सिर के ठीक पीछे गोली मार दो. .." वह थोड़ा झुका और इशारा किया, "...ठीक यहाँ, तो उसे कभी पता नहीं चलेगा कि उसे किसने मारा।"

कैंडी ने दुखी होकर उसकी तरफ देखा। "नहीं," उसने धीरे से कहा। "नहीं, मैं ऐसा नहीं कर सकता। वह मेरे साथ काफी लम्बे समय से है।"

"लेकिन अब उसमें वो बात नहीं रही," कार्लसन ने जोर देते हुए कहा। "और इसमें से बहुत भयानक बदबू भी आती है। तुम कहो तो तुम्हारी जगह मैं उसे गोली मार दूँगा। तब इसका बोझ तुम पर नहीं आएगा।"

कैंडी नें अपने पैरों को बिस्तर से नीचे लटका लिया। उसने घबराहट के साथ कुत्ते के गाल पर उगे सफेद छोटे बालों को खुजलाया। "मैं इसका आदी हो चुका हूँ," उसने उदासी भरी आवाज में कहा।"मेरे पास यह तब से है, जब यह बस एक पिल्ला था।"

"लेकिन इसे जिन्दा रखकर तुम इस पर कोई दया नहीं कर रहे हो," कार्लसन ने कहा।

"देखो, स्लिम की कुतिया ने अभी बच्चे दिये हैं। मुझे विश्वास है कि स्लिम उनमें से एक पिल्ला तुम्हें पालने के लिए दे देगा। दे दोगे ना, स्लिम?" स्लिम अपनी शान्त आँखों से उस बूढ़े कुत्ते को देख रहा था।

"हाँ," उसने अनुमति देते हुए कहा। "अगर तुम चाहो तो एक पिल्ला ले सकते हो।" ऐसा लगा जैसे उसने खुद को हिलाकर बोलने के लिए मुक्त किया हो। "कार्ल सही कह रहा है, कैंडी। यह कुत्ता अब खुद का भी बोझ नहीं उठा सकता। मैं चाहता हूँ कि अगर मैं बूढ़ा और विकलांग हो जाऊँ, मुझे कोई गोली मार दे।"

कैंडी ने असहाय रूप से उसकी ओर देखा, क्योंकि स्लिम की राय कानून के जैसी

थी। "हो सकता है कि उसे थोड़ी तकलीफ हो," उसने सुझाव देते हुए कहा। "लेकिन उसकी भलाई के लिए ऐसा करने से मैं मना नहीं करूँगा।"

कार्लसन ने कहा, "जिस तरीके से मैं उसे मारूंगा, उसे कुछ महसूस नहीं होगा। मैं बन्दूक को ठीक यहाँ रखूँगा।" उसने अपने पैर की ऊँगली से इशारा किया। "ठीक सिर के पीछे। वह काँपेगा तक नहीं।"

कैंडी ने मदद के लिए एक के बाद एक सभी के चेहरों की ओर देखा। अब तक बाहर काफी अन्धेरा हो चुका था। एक जवान मजदूर कमरे के अन्दर आया। उसके तिरछे कन्धे आगे की ओर झुके हुए थे और वह इतने बोझिल कदमों से चल रहा था मानों उसकी पीठ पर अनाज का एक अदृश्य बोरा लदा हुआ हो। वह अपने बिस्तर की ओर गया और हैट उतारकर अपनी शेल्फ में रख दी। फिर उसने अपनी शेल्फ से एक सस्ती पत्रिका उठायी और उसे मेज के नजदीक उजाले में ले आया। "क्या मैंने तुम्हें यह दिखाया, स्लिम?" उसने पूछा।

"दिखाओ क्या है?"

उस जवान आदमी ने पत्रिका को पलटा, उसे मेज पर रखा और ऊँगली से एक ओर इशारा किया। "ये यहाँ, पढ़ो इसे।" स्लिम झुक कर देखने लगा। "पढ़ो इसे," उस जवान आदमी ने कहा। "जोर से पढ़ो।"

"'सम्पादक महोदय'" स्लिम ने धीरे-धीरे पढ़ा। "'मैं पिछले छः सालों से आपकी पत्रिका पढ़ रहा हूँ और मुझे लगता है कि यह बाजार में उपलब्ध सबसे उत्कृष्ट पत्रिका है। मुझे पीटर रैंड की कहानियाँ पसन्द हैं। मुझे लगता है कि वह दर्द को कहने वाला है। मैं ज्यादा पत्र नहीं लिखता। बस सोचा कि आपको बता दूँ, मेरा मानना है कि मैंने आज तक जो भी पैसा खर्च किया है उसमें से आपकी मैगजीन पर किया गया खर्च सबसे सबसे ज्यादा सदुपयोगी है।'"

स्लिम ने प्रश्नात्मक ढंग से ऊपर देखा। "तुम मुझे यह क्यूँ पढ़ाना चाहते हो?"

व्हिट ने कहा, "पढ़ते रहो। नीचे जो नाम लिखा है उसे पढ़ो।"

स्लिम ने आगे पढ़ा, "'आपकी सफलता की सदा कामना करने वाला, विलियम टेनर।'" उसने गर्दन उठाकर फिर से व्हिट की को देखा। "आखिर तुम मुझे यह क्यों पढ़ाना चाहते हो?"

व्हिट ने प्रभावशाली ढंग से मैगजीन को बन्द किया।

"क्या तुम्हें बिल टेनर याद नहीं? जो तीन महीने पहले यहीं काम करता था?"

स्लिम ने याद करने की कोशिश की, "वही छोटे कद का आदमी," उसने पूछा, "जो कल्टीवेटर चलाता था?"

"ये वही है," व्हिट ने चिल्लाते हुए कहा। "ये वही शख्स है!"

"तुम सोचते हो कि यह खत उसी ने लिखा है?"

"मुझे पता है। एक दिन मैं और बिल यहाँ अन्दर थे। बिल के हाथ में इस पत्रिका का नया संस्करण था। वह उसमें कुछ ढूँढ रहा था। पन्नों को पलटते हुए उसने कहा, 'मैंने इस पत्रिका को एक पत्र लिखा था। पता नहीं उन्होंने उसे छापा कि नहीं!' लेकिन वह नहीं छपा था। तब बिल ने कहा था, 'हो सकता है कि वे उसे बाद के लिए बचा रहे हों।' और देखो उन्होंने ऐसा ही किया। यह रहा वो पत्र।"

"शायद तुम सही कह रहे हो," स्लिम ने कहा। "यह पत्रिका में छपा हुआ है।"

"जॉर्ज ने अपना हाथ मैगजीन लेने के लिए बढ़ाया। "क्या मैं देख सकता हूँ?"

व्हिट ने दोबारा उस जगह को ढूँढा जहाँ वह छपा था, लेकिन उसने पत्रिका पर अपनी पकड़ ढीली नहीं की। उसने अपनी तर्जिनी से पत्र की ओर इशारा किया। और फिर अपनी शेल्फ में जाकर उस पत्रिका को सावधानी से रख दिया। "मैं सोच रहा हूँ क्या बिल ने इसे देखा होगा," उसने कहा। "बिल और मैंने खेत के उस हिस्से में काम किया है जहाँ मटर उगती हैं। हम दोनों ही ने कल्टीवेटर चलाये हैं। बिल एक बहुत अच्छा आदमी था।"

इस पूरे वार्तालाप में कार्लसन का कोई योगदान नहीं था। वह निरन्तर उस बूढ़े कुत्ते को घूरे जा रहा था। कैंडी व्यग्र होकर उसे देख रहा था। आखिरकार कार्लसन ने कहा, "अगर तुम कहो तो मैं अभी इस कुत्ते को उसकी तकलीफ से आजाद कर, इस काम को निबटा देता हूँ। इसके लिए अब करने को कुछ नहीं बचा। यह खा नहीं सकता, ठीक से देख नहीं सकता, और तो और बिना कष्ट के चल तक नहीं सकता।"

कैंडी ने बड़ी आशा से कहा, "तुम्हारे पास तो कोई बन्दूक नहीं है।"

"नहीं है। लेकिन मेरे पास एक जर्मन पिस्तौल है। उससे उसे कोई तकलीफ नहीं होगी।"

"कदाचित कल कर लेना," कैंडी ने कहा। "कल तक का इन्तजार करो।"

"मुझे इन्तजार करने का कोई कारण नजर नहीं आता," कार्लसन ने कहा। वह अपने बिस्तर की ओर गया और उसके नीचे से अपने बैग को बाहर खींचकर, उसमें से एक जर्मन पिस्तौल को निकाला। "चलो इस काम को अभी खत्म करते हैं," उसने उत्तेजित होकर कहा। "मैं ऐसे बदबूदार माहौल में नहीं सो सकता।" और पिस्तौल को अपनी पीछे की जेब में रख दिया।

कैंडी किसी बदलाव की उम्मीद में काफी देर तक स्लिम को देखता रहा। लेकिन स्लिम ने उसे ऐसे कोई संकेत नहीं दिये। अंत में कैंडी ने धीरे से निराशापूर्वक कहा, "ठीक

है, ले जाओ।" उसने कुत्ते की ओर नीचे बिल्कुल नहीं देखा। वह अपने बिस्तर पर लेट गया और अपने हाथों को सिर के पीछे ले जाकर छत को ताकने लगा।

कार्लसन ने अपनी जेब से चमड़े की एक पट्टी निकाली। और झुककर उसे उस बूढ़े कुत्ते के गले में बांध दिया। कैंडी को छोड़, सभी लोग उसे देख रहे थे। उसने धीरे से कुत्ते को पुचकाराते हुए बाहर चलने का इशारा किया। और कैंडी से क्षमा माँगते हुए कहा, "उसे पता भी नहीं चलेगा।" कैंडी न तो हिला और न ही उसने कोई जवाब दिया। उसने चमड़े की पट्टी को झटके से खींचा और कुत्ते को बाहर चलने का इशारा किया। वह बूढ़ा कुत्ता धीरे से लड़खड़ाते हुए अपने पैरों पर खड़ा हुआ और चमड़े का पट्टा खिंचनें की दिशा में चलने लगा।

"कार्लसन," स्लिम ने आवाज दी।

"हाँ।"

"तुम्हें पता है ना कि तुम्हें क्या करना है।"

"क्या मतलब है तुम्हारा, स्लिम?"

"फावड़ा लेकर जाओ," स्लिम ने कड़े स्वर में कहा।

"हाँ, जरूर! मैं तुम्हारी बात समझ गया।" और वह कुत्ते को लेकर बाहर अन्धेरे में चला गया।

जॉर्ज उसके पीछे-पीछे दरवाजे तक गया और फिर दरवाजा बन्द करके धीरे से कुंडी लगा दी। इधर कैंडी चुपचाप अपने बिस्तर पर लेटा छत को निहार रहा था।

एकाएक स्लिम ने चिल्लाकर कहा, "मेरे खास खच्चरों में से एक का खुर खराब हो गया है। उस पर थोड़ा कोलतार लगाना है।" आवाज धीरे-धीरे गुम हो गयी। बाहर सन्नाटा पसरा हुआ था। कार्लसन के कदमों की आवाज आनी भी अब बन्द हो गयी थी। एकाएक कमरा शान्त हो गया और वह शान्ति पूरे कमरे में भर गयी।

जॉर्ज धीरे से मुस्कुराया, "मुझे यकीन है कि लेनी बाहर बाड़े में अपने उस पिल्ले के साथ होगा। अब वह यहाँ अन्दर नहीं आना चाहेगा क्योंकि अब उसके पास एक पिल्ला है।"

स्लिम ने कैंडी की ओर देखा और कहा, "कैंडी, तुम उन पिल्लों में से कोई भी एक पिल्ला ले सकते हो।

कैंडी ने स्लिम की इस बात का कोई जवाब नहीं दिया। कमरे में एक बार फिर से शान्ति पसर गयी। वह अन्धेरे में दबे पाँव आयी और पूरे कमरे पर अधिकार जमा लिया। तभी जॉर्ज ने कहा, "क्या कोई युके (ताश का एक खेल) खेलना चाहेगा?"

"मैं तुम्हारे साथ थोड़ा सा खेलूँगा," व्हिट ने कहा।

"लगता है जैसे वहाँ नीचे कोई चूहा था," जॉर्ज ने कहा। "हमें वहाँ पर एक फंदा लगाना चाहिए।"

व्हिट को गुस्सा आ गया, "तुम इतनी देर क्यों लगा रहे हो? ताश के पत्ते बाँटो, तुम बाँट क्यों नहीं रहे हो? हम इस तरह से तो युके नहीं खेल पायेंगे।"

जॉर्ज ने सारे पत्तों को इकट्ठाकर, कसकर एक गड्डी बनायी और उल्टा करके उन्हें देखने लगा। फिर से कमरे में शान्ति का वास हो गया।

अचानक, थोड़ी दूर से बन्दूक चलने की आवाज आयी। सभी लोगों ने फौरन उस बूढ़े आदमी की ओर देखा। सबका सिर उसकी ओर मुड़ गया।

पलभर के लिए तो वह छत को ताकता रहा। फिर धीरे से दीवार की तरफ मुँह करके चुपचाप लेट गया। जॉर्ज ने तेजी से पत्तों को फेंटा और बाँट दिया। व्हिट ने एक अंकतालिका बनायी और बातचीत करनी शुरू कर दी। उसने कहा, "लगता है तुम लोग यहाँ सचमुच काम करने आये हो।"

"तुम कहना क्या चाहते हो?" जॉर्ज ने पूछा।

व्हिट हँस पड़ा। "क्योंकि, तुम यहाँ शुक्रवार को आये हो। तुम्हें रविवार से पहले दो दिन तक काम करना पड़ेगा। "

"मुझे नहीं पता तुमने कैसे हिसाब लगाया," जॉर्ज ने कहा।

व्हिट फिर से हँसा। "अगर तुम बड़े फार्मों के इर्द-गिर्द रहे तो ऐसा ही होता है। उसे शनिवार की रात का खाना और रविवार का तीनो वक्त का खाना मिलता है। तुम कुछ भी किये बिना सोमवार सुबह तक खाना खा सकते हो। अगर तुम शुक्रवार दोपहर आये तो आपको एक दिन काम करना होगा। चाहे आप कुछ भी सोचें।"

जॉर्ज ने निष्कपट आँखों से उसकी ओर देखा। "हम कुछ दिन यहीं रुकेंगे," उसने कहा। "मैं और लेनी काम करके कुछ पैसे बचायेंगे।"

एकाएक धीरे से दरवाजा खुला और उसमें से अस्तबल में काम करने वाले एक नीग्रो नें झाँक कर देखा। यह एक छोटा, दुर्बल सा सिर, जिसके माथे पर शिकन और आँखों में सहनशीलता साफ दिखायी दे रही थी। "स्लिम।"

स्लिम ने अपनी नजरें बूढ़े कैंडी से हटायी। "हुंह? ओह! हेलो, क्रूक्स। क्या बात है?"

"तुमने मुझे खच्चर के पैर के लिए कोलतार गरम करने को कहा था। मैंने उसे गरम कर दिया है। "

"ओह! ठीक है, क्रूक्स। मैं अभी आकर उसे लगाता हूँ।"

"अगर तुम कहो तो मैं यह काम कर सकता हूँ, स्लिम। "

"नहीं। मैं खुद आकर करूँगा।" और वह खड़ा हो गया।

क्रूक्स ने फिर आवाज दी, "स्लिम।"

"हाँ।"

"वह लम्बा-चौड़ा आदमी जो अभी-अभी यहाँ आया है, बाहर बाड़े में तुम्हारे पिल्लों को परेशान कर रहा है।"

"वह उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचा रहा है। मैंने उसे उनमें से एक पिल्ला दे दिया है।"

"बस, सोचा कि तुम्हें बता दूँ," क्रूक्स ने कहा। "वह उन्हें उनकी जगह से बाहर निकालकर सहला रहा है।"

"वह उन्हें कोई चोट नहीं पहुँचाएगा," स्लिम ने कहा। "मैं अभी तुम्हारे साथ चलता हूँ।"

जॉर्ज ने ऊपर देखा। "अगर वह बेवकूफ कुछ ज्यादा परेशान करे तो उसे बाहर निकाल देना, स्लिम।"

स्लिम उस नीग्रो के पीछे-पीछे कमरे से बाहर चला गया। उसके जाने के बाद जॉर्ज नें पत्ते बाँटे और व्हिट ने अपने पत्ते उठाकर, उन्हें गौर से देखा। "क्या तुमने अभी तक उस बच्ची को देखा?" उसने सवाल किया।

"कौन सी बच्ची?" जॉर्ज ने पूछा।

"वही, कर्ली की नयी बीवी।"

"हाँ, मैंने उसे देखा।"

"क्या तुम्हें वह आकर्षक नहीं लगी?"

"मैंने उसे इतने गौर से नहीं देखा," जॉर्ज ने कहा।

व्हिट ने बड़े प्रभावशाली ढंग से अपने पत्तों को नीचे रखा। "आस-पास रहना और अपनी आँखें खुली रखना। तुम्हें बहुत कुछ देखने को मिलेगा। वो कुछ भी छुपाकर नहीं करती। मैंने आज तक उस जैसी कोई और नहीं देखी। उसकी नजरें हर समय सब पर रहती हैं। मुझे पूरा यकीन है कि उसकी नजर अस्तबल में काम करने वाले उस नीग्रो पर भी होगी। मुझे समझ नहीं आता कि आखिर वह चाहती क्या है।"

"उसके यहाँ आने के बाद, क्या तुम्हें किसी तरह की कोई परेशानी हुई?" जॉर्ज ने अचानक ही पूछ लिया।

यह तो साफ नजर आ रहा था कि व्हिट को अपने पत्तों में जरा भी दिलचस्पी नहीं थी। उसने अपने पत्ते नीचे रखे और जॉर्ज ने उसमें से एक पत्ता निकाला। फिर जॉर्ज ने, काफी सोच-समझकर, अपने पत्ते नीचे रखे सात पत्ते, उनके ऊपर छः पत्ते और सबसे ऊपर पाँच पत्ते।

"मैं समझ गया कि तुम क्या कहना चाहते हो," व्हिट ने कहा। "लेकिन नहीं, अभी तक ऐसा कुछ नहीं हुआ है। कर्ली के दराज में येलो जैकेट हैं, लेकिन वे अभी तक वैसे ही रखी है। जब कभी भी वह किसी लड़के को आस-पास देखती है तो आ धमकती है। या तो वह कर्ली को ढूँढ रही होती है या उसे लगता है कि वो यहाँ कुछ छोड़ गयी है और उसे ढूँढने में लग जाती है। ऐसा जान पड़ता है मानो वह आदमियों से दूर नहीं रह सकती। कर्ली की पैंट में केवल चीटियाँ रेंग रही हैं, उनका अभी तक कुछ नहीं हुआ।"

जॉर्ज ने कहा, "यह परेशानी पैदा करेगी। इसकी वजह से यहाँ बहुत बड़ी गड़बड़ होगी। वह एक नाबालिग है, जिसकी खुद की सहमति के कोई मायने नहीं हैं और जो केवल मुसीबत ही खड़ी करेगी। लड़कों से भरा हुआ फार्म किसी लड़की के लिए ठीक नहीं है, खासकर उस जैसी लड़की के लिए।"

व्हिट ने कहा, "अगर तुम्हारे मन में ऐसी कोई इच्छा है तो तुम्हें हमारे साथ कल रात शहर जरूर चलना चाहिए।"

"क्यों? क्या करने?"

"हम अक्सर जाते हैं। हम सूसी, जिसकी अब उम्र ढल गयी है, उस के यहाँ जाते हैं। बहुत अच्छी जगह है। बूढ़ी सूसी काफी मजाकिया है, हमेशा हँसती रहती है। पिछले शनिवार जब हम उसके सामने वाले बरामदे में खड़े थे, सूसी ने दरवाजा खोला और गर्दन घुमाकर कन्धे के ऊपर से चिल्लाकर बोली, 'अपने कोट पहन लो, लड़कियों, शहजादें आयें हैं।' वह कभी भी अश्लील बातें नहीं करती, कभी नहीं। उसके पास वहाँ पाँच लडकियाँ हैं।"

"इसमें कितना पैसा खर्च होता है?" जॉर्ज ने पूछा।

"दो डालर और पचास सेंट। वहाँ, पचीस सेंट में शराब का एक छोटा गिलास मिल जाता है। अगर किसी आदमी को लड़की में दिलचस्पी नहीं होती है, तो वो वहाँ कुर्सियों पर बैठकर दो-तीन शराब के छोटे गिलास के साथ वक्त गुजार सकता है, और सूजी कुछ कहती भी नहीं है। लड़की न लेने पर वह आदमियों को न तो वहाँ से भगाती है और न ही उन्हें बाहर निकालती है।"

"हो सकता है कि मैं भी चलूँ और उस अड्डे को देखूँ," जॉर्ज ने कहा।

"जरूर। साथ चलना। बहुत मजा आयेगा, वह हर समय चुटकुले सुनाती रहती है। जैसे एक बार उसने कहा था, कहा था, 'कि मैं ऐसे लोगों को जानती हूँ कि अगर उन्हें फर्श पर एक गलीचा और फोनोग्राफ पर एक केवपी लैम्प मिल जाये तो उन्हें लगता है कि वे एक पार्लर हाउस चला रहे हैं।' वह क्लारा के अड्डे के बारे में बात कर रही थी। सूसी कहती है, 'मुझे पता है कि तुम लड़के क्या चाहते हो', वह कहती है, 'मेरी लड़कियाँ

साफ-सुथरी हैं और मेरी व्हिस्की में पानी भी नहीं है।' 'अगर तुम केवल केवपी लैम्प देखना चाहते हो और उसी में जलना चाहते हो तो तुम जानते हो कि कहाँ जाना है।' और वह कहती है, 'यहाँ कुछ घिसे हुए घुटनों वाले लोग भी घूमते हैं, उन्हें आज भी केवपी लैम्प देखने पसंद है।'"

जॉर्ज ने पूछा, "क्लारा दूसरा वेश्यालय चलाती है, हुंह?"

"हाँ," व्हिट ने कहा। "लेकिन हम वहां कभी नहीं जाते। क्लारा एक चीज टूटने के तीन डॉलर और शराब के एक छोटे से गिलास के भी पैंतीस सेंट्स लेती है, और हँसी-मजाक तो बिलकुल भी नहीं करती। लेकिन सूसी का वेश्यालय एकदम साफ-सुथरा है। वहाँ की कुर्सियाँ काफी आरामदायक हैं और वो कभी भी, किसी ऐरे-गेरे को अन्दर नहीं घुसने देती।"

"मैं और लेनी पैसे बचा रहे हैं," जॉर्ज ने कहा। "मैं वहाँ जाकर शराब का एक छोटा-सा गिलास तो ले ही सकता हूँ लेकिन मैं उस जगह पर जाकर दो डालर और पचास सेंट खर्च नहीं करूँगा।"

"आदमी को कभी-कभी मनोरंजन कर लेना चाहिये," व्हिट ने कहा।

इतने में दरवाजा खुला और लेनी और कार्लसन एक साथ कमरे में दाखिल हुए। लेनी दबे पाँव अपने बिस्तर की ओर गया और जाकर उस पर बैठ गया, वह कोशिश कर रहा था कि किसी का ध्यान उसकी ओर न जाये। इधर कार्लसन ने अपने बिस्तर के नीचे हाथ डाला और अपने बैग को खींचकर बाहर निकाला। उसने कैंडी की तरफ एक नजर भी नहीं देखा, जो अभी भी दीवार की तरफ मुँह करके लेटा हुआ था। कार्लसन ने अपने बैग से सफाई करने वाली छोटी राड और तेल का एक डिब्बा निकाला। उसने उन्हें अपने बिस्तर पर रखा और फिर पिस्तौल को बाहर निकालकर, उसमें से मैगजीन को अलग कर के, झटके से भरे हुए खोल को चेम्बर में से बाहर निकाला। उसके बाद वह पिस्तौल की नली को उस छोटी-सी राड से साफ करने लगा। लेकिन जैसे ही इजेक्टर के खटाक से बन्द होने की आवाज आयी, कैंडी पलटा और एक क्षण के लिये पिस्तौल को देखकर, वापस दीवार की ओर मुड़ गया।

कार्लसन ने अचानक पूछा, "क्या कर्ली यहाँ आया था?"

"नहीं," व्हिट ने जवाब दिया। "कर्ली इतना चिन्तित क्यों है?"

कार्लसन ने नजरें तिरछी कर अपनी पिस्तौल की नली को देखा। "वह अपनी बीवी को ढूँढ रहा है। मैंने उसे बाहर चक्कर काटते हुए देखा।"

व्हिट ने मजाकिया अंदाज में कहा, "वह अपना आधा समय उसे ढूँढने में बिता देता है, और बाकी का आधा समय वह उसे ढूँढती रहती है।"

उसी वक्त कर्ली कमरे में आया। वह काफी भड़का हुआ था। "क्या तुममें से किसी ने मेरी बीवी को देखा?" उसने सवाल किया।

"वह यहाँ नहीं आयी," व्हिट ने जवाब देते हुए कहा।

कर्ली डरावने ढंग से पूरे कमरे को देखने लगा। "स्लिम कहाँ है?"

"वह बाहर बाड़े में गया है," जॉर्ज ने कहा। "उसे खच्चर के टूटे हुए खुर पर कोलतार लगाना था।"

यह सुनकर कर्ली के कन्धे झुक गये और सीधे हो गये। "वह कितनी देर पहले गया?"

"यही कोई पाँच-दस मिनट पहले।" कर्ली फुर्ती से दरवाजे से बाहर चला गया। उसने जाते-जाते दरवाजे को जोर से पटका। व्हिट अपनी जगह से खड़ा हुआ।

"वह सोचता है कि स्लिम उसकी बीवी के साथ है?" जॉर्ज ने कहा।

"लग तो ऐसे ही रहा है," व्हिट ने कहा। "पक्के तौर पर स्लिम उसके साथ नहीं है। कम से कम मुझे तो यही लगता है। लेकिन, अगर इसकी वजह से कोई हंगामा, कोई झगड़ा होता है तो मैं उसे देखना चाहता हूँ। चलो, चलते हैं।"

जॉर्ज ने कहा, "मैं यहीं रुकूँगा। मैं किसी तरह की परेशानी में नहीं पड़ना चाहता। लेनी और मैं यहाँ पैसे कमाने आये हैं।"

कार्लसन ने अपनी पिस्तौल की सफाई करके, उसे बैग में डाला और बैग को बिस्तर के नीचे सरका दिया। "मेरे ख्याल से मुझे बाहर जाकर कर्ली की बीवी को ढूँढना चाहिए," उसने कहा। बूढ़ा कैंडी चुपचाप लेटा रहा, और लेनी, अपने बिस्तर पर बैठा सतर्कता से जॉर्ज को देखता रहा।

जब व्हिट और कार्लसन चले गये और दरवाजा बन्द हो गया, जॉर्ज लेनी की ओर पलटा। "तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?"

"मैंने कुछ नहीं किया, जॉर्ज। स्लिम कहता है, बेहतर होगा कि कुछ समय तक मैं उन पिल्लों से दूर रहूँ, उन्हें इतना न सहलाऊँ। वह कहता है ऐसा करना उनके लिए ठीक नहीं है, तो इसलिए मैं सीधे अन्दर आ गया। मैं अच्छे से पेश आया, जॉर्ज।"

"मैंने तुम्हें यह बताया था," जॉर्ज ने कहा।

"लेकिन मैं उन्हें कोई तकलीफ नहीं पहुँचा रहा था। मैं तो बस अपने वाले पिल्ले को गोद में लेकर सहला रहा था।

जॉर्ज ने पूछा, "क्या तुमने स्लिम को बाहर बाड़े में देखा?"

"हाँ, मैंने देखा। उसने मुझे कहा कि अच्छा होगा कि मैं उस पिल्ले को और नहीं सहलाऊँ।"

"क्या तुमने उस लड़की को देखा?"

"तुम्हारा मतलब है कर्ली की बीवी?"

"हाँ। क्या वह बाड़े में आयी थी?"

"नहीं। मैंने उसे वहाँ नहीं देखा।"

"तुमने स्लिम को उससे बात करते नहीं देखा?"

"ऊँ-हूँ। वो बाड़े में आयी ही नहीं।"

"ठीक है," जॉर्ज ने कहा। "लगता है उन लोगों को कोई लड़ाई देखने को नहीं मिलेगी। अगर कोई लड़ाई होती है तो लेनी तुम उससे दूर रहोगे।"

"मुझे किसी झगड़े में नहीं पड़ना," लेनी ने कहा। वह अपने बिस्तर से उठा और जॉर्ज के ठीक सामने, मेज पर जाकर बैठ गया। लगभग स्वचलित रूप से जॉर्ज ने पत्तों को फेंटा और उन्हें मेज पर बिछा दिया। उसने ऐसा बहुत सोच-समझकर, सावधानी से, धीमेपन के साथ किया।

लेनी ने एक चित्र वाला ताश का पत्ता उठाया और गौर से उसे देखा, फिर उसने उस पत्ते को उल्टा किया और दोबारा से देखा। "दोनों सिरे एक जैसे हैं," उसने कहा।

"जॉर्ज, दोनों सिरे एक जैसे क्यूँ हैं?"

"मुझे नहीं पता," जॉर्ज ने कहा। "वे इन्हें ऐसा ही बनाते हैं। स्लिम उस वक्त बाड़े में क्या कर रहा था जब तुमने उसे देखा?"

"स्लिम?"

"हाँ। तुमने उसे बाड़े में देखा और उसने तुम्हें पिल्लों को सहलाने से मना किया।"

"और हाँ। उसके पास कोलतार का एक डब्बा और एक कूँची भी थी। मुझे नहीं पता कि किस लिए।"

"तुम्हें पूरा यकीन है कि वह लड़की वहाँ नहीं आयी जो आज यहाँ आयी थी?"

"नहीं। वह नहीं आयी।" जॉर्ज ने आह भरी। "आप मुझे हर बार एक अच्छा वैश्यालय देते है," उसने कहा। "कोई लड़का नशे में धुत्त हो सकता है और वहाँ से अपनी जरूरत के मुताबिक कोई भी चीज ले सकता है और कोई गड़बड़ी नहीं। और वह जानता है कि यह उसे कितना पीछे धकेल देगा। यहाँ जेल पहुँचाने के ये चारे हूसगो के ट्रिगर पर लगा दिये गये है।"

लेनी ने प्रसंशापूर्वक, ध्यान से उसके शब्दों को सुना और साथ देने के लिये जरा सा अपने होंठों को हिलाया। जॉर्ज ने आगे कहा, "तुम्हें एंडी कमन याद है, लेनी? जो माध्यमिक स्कूल जाता था?"

"वही जिसकी माँ बच्चों के लिए हॉट केक बनाती थी?" लेनी ने पूछा।

"हाँ। वही। तुम्हें हर वह बात याद रहती है जो खाने से जुड़ी हो।" जॉर्ज ने अपने ताश के पत्तों वाले हाथ को गौर से देखा। उसने अपनी अंकतालिका में एक इकाई जोड़ दी और इस पर दो, तीन और चार नुकीले निशान लगा दिये। "एंडी एक वेश्या के चलते अभी सैन क्वेंटिन में है।" जॉर्ज ने कहा।

लेनी नें मेज को अपनी उंगलियाँ से थपथपाया। "जॉर्ज।"

"हुंह?"

"जॉर्ज, हमें खुद का घर लेने में कितना समय लगेगा। हमारे पास कब अपने खेत और खरगोश होंगे?"

"मुझे नहीं मालूम," जॉर्ज ने कहा। "इसके लिये हमें मिलकर खूब सारा पैसा कमाना होगा। मुझे एक छोटी-सी जगह पता है जो हमें सस्ते में मिल सकती है, लेकिन वे उसे बेच नहीं रहे हैं।"

बूढ़ा कैंडी धीरे से पलटा। उसकी आखें पूरी खुली हुई थी। उसने जॉर्ज को ध्यान से देखा।

इतने में लेनी बोल पड़ा, "उस जगह के बारे में बताओ, जॉर्ज।"

"मैंने तुम्हें कल रात ही तो बताया था।"

"फिर से बताओ न, जॉर्ज।"

"अच्छा सुनो, हमारे पास दस एकड़ जमीन होगी," जॉर्ज ने कहा। "जिसमें एक छोटी-सी पवन चक्की होगी। एक छोटी-सी झोपड़ी होगी और कुछ मुर्गियाँ होंगी। रसोईघर होगा, चेरी, सेब, आड़ू, अखरोट और सूखे मेवों का बगीचा होगा। अल्फाल्फा घास का मैदान होगा और उस मैदान में डालने के लिये बहुत सारा पानी होगा। एक चिमनी होगी. .."

"और खरगोश, जॉर्ज।"

"फिलहाल खरगोशों के लिये कोई जगह नहीं है, लेकिन मैं आसानी से उनके लिए पिंजरे बना सकता हूँ और तुम उन्हें अल्फाल्फा के पौधे, चारे के तौर पर खिला सकते हो।"

"सही कहा, मैं ऐसा कर सकता हूँ," लेनी ने कहा। "तुमने बिलकुल ठीक कहा, मैं उन्हें चारा खिला सकता हूँ।"

जॉर्ज ने ताश खेलना बन्द कर दिया। उसकी आवाज में अब गर्माहट आने लगी थी। "और हम कुछ सूअर पाल सकते हैं। मैं एक मांस घर, जहाँ मीट-मछली को धएँ से पकाया जाता है, बना सकता हूँ, ठीक वैसा जैसा दादा जी के पास था। और जब कभी हम सूअर मारेंगे, तब हम उसके मांस को धुआँ देकर बेकन और हैम बना सकते हैं, सॉसेज

बना सकते हैं, यही नहीं और भी बहुत कुछ बना सकते हैं। जब नदी सालमन मछली से भर जायेगी तब हम खूब सारी मछलियां पकड़कर उनमें नमक लगाकर या फिर धुएँमें पकाकर खा सकते हैं। हम उन्हें नाश्ते में खा सकते हैं। ऐसा स्वाद और किसी में नहीं जैसा धुएँ से पकी सालमन में होता है। और जब पेड़ों पर फल आयेंगे तब हम उन्हें डिब्बों में भर लेंगे और टमाटरों को तो डिब्बाबंद करना और भी आसान है। हर इतवार हम एक मुर्गी या एक खरगोश मारेंगे। हो सकता है कि हमारे पास एक गाय या बकरी भी हो, जिसके दूध की मलाई इतनी मोटी होगी कि उसे चाकू से काटकर चम्मच से बाहर निकालना पड़ेगा।"

लेनी बड़ी-बड़ी आँखें करके उसे देख रहा था, और उधर बूढ़े कैंडी की नजरें भी उस पर टिकी हुई थी। लेनी ने धीरे से कहा, "हम खुद अपना अनाज उगाकर खायेंगे और आराम से रहेंगे।"

"बिलकुल," जॉर्ज ने कहा। "हमारे बगीचे में सब तरह की सब्जियां होंगी, और अगर हमें कभी शराब की जरुरत होगी तो हम कुछ अंडे या कोई चीज या दूध बेच सकते हैं। हम बस वहाँ आराम से रहेंगे। वह जगह हमारी होगी। हमें काम ढूँढने के लिए यूँ देशभर में नहीं भटकना पड़ेगा, और न ही जापानी बावर्ची के हाथ से बना खाना खाना पड़ेगा। इन सबका सवाल ही नहीं उठता, हमारे पास खुद का घर होगा जहाँ के मालिक हम होंगे और जहाँ हम किसी बंक हाउस में नहीं सोयेंगे।"

"घर के बारे में बताओ, जॉर्ज," लेनी ने आग्रह किया।

"हाँ-हाँ जरूर। हमारे पास एक छोटा-सा घर होगा, जिसमें हमारे खुद के कमरे होंगे। एक छोटी-सी अंगीठी होगी, जो सर्दियों में हमेशा जलती रहेगी। क्योंकि हमारे पास ज्यादा जमीन नहीं होगी, इसलिए हमें खूब मेहनत करनी होगी। शायद एक दिन में सात से आठ घण्टे। हमें दिन के ग्यारह घण्टे अनाज के बोरे नहीं उठाने पड़ेंगे। और जब हम फसल उगायेंगे, तो उसे काटने के लिए हम वहाँ मौजूद होंगे। हमें पता होगा कि हमारी उपज के रूप में जमीन से क्या बाहर निकला है।"

"और खरगोश," लेनी ने उत्सुकतापूर्वक पूछा। "और मैं उनका ख्याल रखूँगा। बताओ मैं ये कैसे करूँगा, जॉर्ज।"

"हाँ-हाँ क्यूँ नहीं, तुम बाहर चरागाह में, जहाँ अल्फाल्फा के पौधे लगे होंगे, एक थैला लेकर जाओगे और उसे थैले में भरकर खरगोशों के पिंजरे में डाल दोगे।"

"और वे कुतर-कुतर कर उसे खा जायेंगे," लेनी ने अपनी तरफ से जोड़ते हुए कहा। "जैसे वे करते ही हैं। मैंने उन्हें ऐसा करते देखा है।"

"हर छः हफ्तों या इससे कम-ज्यादा समय में," जॉर्ज ने बोलना जारी रखा, "वे बच्चे

पैदा करेंगे इसलिए हमारे पास बहुत सारे खरगोश होंगे, खाने के लिए भी और बेचने के लिए भी। और हम कुछ कबूतर भी पालेंगे, जो सारा समय पवन चक्की के आस-पास उड़ते रहेंगे, जैसे की वह तब उड़ते थे जब मैं छोटा बच्चा था।" बोलते-बोलते वह लेनी के सिर के पीछे वाली दीवार को तल्लीन होकर देखने लगा। "यह सब हमारा होगा, और कोई भी हमें निकाल नहीं सकेगा। अगर हमें कोई आदमी पसन्द नहीं आया तो हम उसे वहाँ से निकल जाने को कहेंगे, और भगवान की कसम उसे ऐसा करना ही पड़ेगा। और अगर कोई दोस्त हमसे मिलने आता है तो हमारे पास उसके लिए एक अलग बिस्तर होगा, और हम कहेंगे, 'तुम आज रात यहीं क्यूँ नहीं रुक जाते?' भगवान कसम वह रुक जायेगा। हमारे पास एक शिकारी कुत्ता और दो धारीदार बिल्लियाँ भी होंगी लेकिन तुम्हें इस बात का ध्यान रखना होगा कि कहीं वे बिल्लियाँ खारगोशों को मारकर खा न जायें।"

लेनी ने जोर की साँस ली। "अगर उन्होंने खरगोशों को मारने की कोशिश की तो मैं उनकी गर्दन तोड़ दूँगा। मैं उन्हें छड़ी से मारूँगा।" वह धीमी आवाज में खुद से बड़बड़ाते हुए भविष्य की बिल्लियों को डराने लगा जो शायद उसके भविष्य के खरगोशों को परेशान करने की धृष्टता करें।

जॉर्ज खुद के किये चित्रात्मक वर्णन से रोमांचित हो उठा।

वे दोनों सपनों में खोये हुए थे कि कैंडी बोल पड़ा और वे उसकी आवाज सुन ऐसे उछल पड़े मानो कोई गलत काम करते पकड़े गये हों। कैंडी नें पूछा, "क्या तुम जानते हो कि ऐसी जगह कहाँ पर है?"

जॉर्ज तुरन्त चौकन्ना हो गया। "मान लो कि मुझे पता है," उसने कहा। "तो इससे तुम्हें क्या मतलब?"

"तुम्हें बताने की कोई जरुरत नहीं कि वह जगह कहाँ है। कोई भी जगह हो सकती है।"

"बेशक," जॉर्ज ने कहा। "तुमने सही कहा। तुम सौ सालों में भी उस जगह को नहीं ढूँढ सकते।"

कैंडी उत्तेजित होकर पूछने लगा, "उन्हें उस जगह का कितना पैसा चाहिये?"

जॉर्ज ने संदेहास्पद ढंग से उसे देखा। "मुझे वह जगह लगभग छः सौ डालर में मिल सकती है। बूढ़ा आदमी, जो उस जगह का मालिक है, उसके पास बिलकुल भी पैसे नहीं हैं और जो बूढ़ी औरत है, उसे ऑपरेशन करवाना है। लेकिन तुम्हें इसमे इतनी दिलचस्पी क्यों है? तुम्हें हम लोगों से कोई लेना-देना नहीं है।"

कैंडी ने कहा, "एक हाथ होने की वजह से मैं ज्यादा काम का नहीं हूँ। मैंने अपना एक हाथ यहीं इसी फार्म में खोया था। इसी कारण उन्होंने मुझे झाड़ू लगाने की नौकरी

दी। और साथ में दो सौ पचास डालर भी दिये क्योंकि मैंने अपना हाथ गँवाया था। और अभी मेरे पास पचास डालर बैंक में जमा हैं। उसे मिलकर तीन सौ डालर होते हैं, और इस महीने के अंत में मुझे मेहनताने के तौर पर पचास डालर और मिलेंगे। मेरी बात ध्यान से सुनो...” वह उत्तेजना में होकर आगे की ओर झुका। “मान लो कि अगर मैं तुम लोगों के साथ आता हूँ तो मैं तुम्हें तीन सौ पचास डालर का हिस्सा दूँगा। मैं ज्यादा काम का तो नहीं हूँ, लेकिन मैं खाना बना सकता हूँ, मुर्गियों का ख्याल रख सकता हूँ और बगीचे में भी थोड़ा बहुत हाथ बंटा सकता हूँ। तुम्हारा इस बारे में क्या सोचना है?”

जॉर्ज ने अपनी आँखे बन्द की। “मुझे इस बारे में सोचना होगा। हम दोनों हमेशा से यह खुद करना चाहते हैं।”

कैंडी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, “अगर मैं किसी वजह से छोड़ कर जाता हूँ, तो मैं एक वसीयत बनाऊँगा और अपना सारा हिस्सा तुम्हारे नाम लिख दूँगा क्योंकि मेरा इस दुनिया में कोई रिश्तेदार या जान पहचान वाला नहीं है। क्या तुम लोगों के पास कुछ पैसा है? शायद हम उसे अभी खरीद सकते हैं।

जॉर्ज ने खीजते हुए फर्श पर थूका। “हमारे पास कुल मिलकर दस डालर हैं।” फिर उसने सोचकर कहा, “देखो, अगर मैं और लेनी पूरे महीने काम करें और एक भी पैसा खर्च न करें तो महीने के अन्त में हमारे पास सौ डालर जमा हो जायेंगे। या दूसरे शब्दों में कहूँ तो हमारे पास सब मिलकर चार सौ पचास डालर हो जायेंगे। मुझे विश्वास है कि इतने पैसों में हम उस जगह को अपना बना सकते हैं। उसके बाद तुम और लेनी वहाँ जाकर उस जगह को बनाने और संवारने का काम करना और मैं अपने लिए एक नौकरी ढूँढकर बाकी के पैसे जमा करूँगा। तुम लोग वहाँ अंडे बेचने का काम या ऐसा ही कुछ और कर सकते हो।”

थोड़ी देर के लिए वे सब के सब चुप हो गये और एक-दूसरे को अचम्भित होकर देखने लगे। एक सपना, जिस पर उन्हें कभी विश्वास नहीं था, सच हो रहा था। जॉर्ज ने बड़े आदरभाव से कहा, “हे भगवान! काश यह जगह हमारी हो जाये।” उसकी आँखें आश्चर्य से भरी हुई थी। “काश वो जगह हमारी हो जाये,” उसने धीरे से फिर से अपने शब्दों को दोहराया।

कैंडी अपने बिस्तर के किनारे पर बैठ गया और उदास होकर अपनी कलाई खरोंचने लगा। “मेरे साथ यह हादसा चार साल पहले हुआ था,” उसने कहा। “वे मुझे कभी भी यहाँ से निकाल सकते हैं। जिस दिन मैं बंक हाउस की साफ-सफाई करने के काबिल नहीं रहूँगा, वे मुझे यहाँ से झुग्गी-बस्ती में भेज देंगे। अगर मैं तुम लोगों को अपना पैसा दे दूँ तो हो सकता है कि तुम मुझे अपने बगीचे में काम करने दो, भले ही मैं उस काम

को अच्छे से न कर सकूँ। मैं बर्तन धो दूँगा, मुर्गियों को दाना डाल दूँगा और भी छोटे-मोटे काम कर दूँगा। असल बात ये है कि मैं अपने घर में रहूँगा और अपने घर का काम करूँगा।" उसने दुखी होकर कहा, "तुमने देखा कि आज रात उन्होंने मेरे कुत्ते के साथ क्या किया? उन्होंने कहा कि वह न तो खुद के किसी काम का, न किसी और के। मैं चाहता हूँ कि जब वह मुझे यहाँ से निकालें तो मुझे भी कोई गोली मार दे। लेकिन वह ऐसा कुछ नहीं करेंगे। मेरे पास ऐसी कोई जगह नहीं होगी जहाँ मैं जा सकूँ और न ही मुझे अब कोई नौकरी मिल सकती है। मेरे पास अभी तीस डालर और आने बाकी हैं, तो क्या तुम लोग चलने के लिए तैयार हो?"

जॉर्ज खड़ा हो गया। "हम उस जगह को जरूर खरीदेंगे," उसने कहा। "हम उस पुरानी, छोटी सी जगह का अच्छे से निर्माण करेंगे और वहाँ जाकर आराम से रहेंगे।" यह कहकर वह बैठ गया। वे तीनों इस सपने की सुन्दरता में इतने खोये हुए थे कि हिल भी नहीं रहे थे। हर एक का मन भविष्य की उन सम्भावनाओं में उलझ गया था कि कब उनका ये खूबसूरत ख्वाब हकीकत में तब्दील होगा।

एकाएक जॉर्ज ने उत्सुकतापूर्वक कहा, "अगर हमारे शहर में कभी कोई कार्निवल या सर्कस आयेगा, या बाल गेम का आयोजन होगा, या मनोरंजन से सम्बन्धित कुछ भी होगा," बूढ़े कैंडी ने इस विचार की सराहना करते हुए सिर हिलाया, "तो हम वहाँ जरूर जायेंगे," जॉर्ज ने कहा। "हम किसी से भी नहीं पूछेंगे की क्या हम जा सकते हैं। बस कहेंगे, कि हम जा रहे हैं और चले जायेंगे। गाय का दूध निकालकर और मुर्गियों को दाना डालकर हम चले जायेंगे।"

"और खरगोशों को घास भी डालेंगे," लेनी बीच में ही बोल पड़ा। "मैं कभी भी उन्हें खाना खिलाना नहीं भूलूँगा। हम ये सब कब करेंगे, जॉर्ज?"

"एक महीने। ठीक एक महीने। तुम्हें पता है कि मैं क्या करूँगा? मैं उन बूढें लोगों को एक पत्र लिखूँगा कि हम उस जगह को खरीद लेंगे। और कैंडी उन्हें सौ डालर भेजेगा ताकि वे उस जगह को हमें देने के लिए मजबूर हो जायें।"

"ठीक है, मैं ऐसा ही करूँगा," कैंडी नें कहा। "क्या उनके पास वहाँ एक बढ़िया चूल्हा है?"

"हाँ बिलकुल, वहाँ एक बहुत अच्छा चूल्हा है, जो कोयले या लकड़ी से जलता है।"

"मैं अपने पिल्ले को भी वहाँ ले जाऊँगा," लेनी ने कहा। "मुझे यकीन है कि उसे वहाँ बहुत अच्छा लगेगा।"

बाहर से कुछ आवाजें आ रही थी। जॉर्ज ने फुर्ती से कहा, "इसके बारे में किसी को भी मत बताना। बस हम तीनों को ही पता हो और किसी को नही। वह हमें यहाँ से निकालने की कोशिश करेंगे ताकि हम पैसे ना कमा सकें। बस ऐसे दिखाओ जैसे

हम बाकी की जिन्दगी भी अनाज के बोरे ही उठाने वाले हैं। फिर अचानक से किसी दिन हम अपनी तनख्वा लेंगे और यहाँ से भाग जायेंगे।"

लेनी और कैंडी ने उसके समर्थन में सिर हिलाया, और वे खुशी से मुस्कुराने लगे।

कैंडी ने कहा, "जॉर्ज।"

"हुंह?"

"मुझे उस कुत्ते को खुद गोली मारनी चाहिए थी, जॉर्ज। मुझे किसी अजनबी को उसे गोली नहीं मारने देना चाहिये था।" यकायक, दरवाजा खुला। स्लिम अन्दर आया, उसके पीछे-पीछे कर्ली, कार्लसन और व्हिट भी कमरे में दाखिल हुए। स्लिम के हाथ कोलतार से काले हो रखे थे और गुस्से से उसकी त्योरियाँ चढ़ी हुई थी। इसके अलावा, कर्ली उसकी कोहनी के काफी नजदीक खड़ा था।

कर्ली ने उसकी कोहनी को पकड़कर कहा, "मेरे कहने का वो मतलब नहीं था, स्लिम। मैंने तो बस तुमसे पूछा था।"

"तुम अक्सर मुझसे यह पूछते हो," स्लिम नें उसे देखते हुए कहा। "मैं अब इससे तंग आ चुका हूँ। अगर तुम अपनी खुद की बीवी का ध्यान नहीं रख सकते, तो इसमें मैं क्या कर सकता हूँ? तुम मुझे अकेला छोड़ दो।"

"मैं तो बस ये बताने की कोशिश कर रहा हूँ कि मेरा वो मतलब नहीं था," कर्ली ने सफाई देते हुए कहा। "मुझे लगा शायद तुमने उसे देखा हो।"

यह सुनकर कार्लसन ने कहा, "तुम उसे घर पर ही रुकने को क्यों नहीं कहते जहाँ उसे होना चाहिए?" "अगर तुम उसे यहाँ बंक हाउस के आस-पास घूमने दोगे तो जल्द ही अपने हाथ बंधवा लोगे और तुम इस बारे में कुछ कर भी नहीं पाओगे।"

कर्ली तेजी से कार्लसन की ओर घूमा, "अगर तुम यहाँ से निकाले नहीं जाना चाहते तो इन सबसे दूर ही रहो।"

कार्लसन हँसा। "तुम बहुत बदमाश हो," उसने कहा। "तुमने स्लिम को डराने की कोशिश की, लेकिन तुम उसे कायम नहीं रख सके। उल्टा स्लिम ने तुम्हे डरा दिया। तुम मेंढक के पेट कि तरह पीले हो। मुझे इसकी कोई परवाह नहीं कि तुम देश के सबसे अच्छे मुक्केबाज हो। तुमने मुझ पर हाथ उठाया तो भगवान कसम मैं लात से तुम्हारा सिर फोड़ दूंगा।"

कैंडी खुशी-खुशी हमले में शामिल हो गया। उसने नफरत से कहा "वैस्लिन भरे दस्ताने," कर्ली ने उसकी और घूरकर देखा। उसकी नजर और पीछे गयी तथा लेनी पर पड़ी। और लेनी अभी भी अपनी खुशी में मुस्कुरा रहा था।

कर्ली किसी शिकारी कुत्ते की तरह लेनी की ओर बढ़ा। "तुम किस बात पर इतना मुस्कुरा रहे हो?"

लेनी ने भावशून्य दृष्टि से उसे देखा। "हुंह?"

यह देखकर कर्ली का गुस्सा फूट पड़ा। "उठ हरामजादे। और अपने पैरों पर खड़ा हो। कोई कमीना मुझ पर यूँ हँस नहीं सकता मैं तुम्हे दिखऊँगा कि पीला कौन है।"

लेनी नें असहाय दृष्टि से जॉर्ज की ओर देखा और फिर खड़े होकर पीछे हटने की कोशिश करने लगा। कर्ली तनकर खड़ा था और स्थिर था। उसने बायें हाथ से लेनी पर प्रहार किया और फिर दायें हाथ से उसकी नाक तोड़ दी। लेनी डर के मारे चीखा। उसकी नाक से खून बहने लगा। "जॉर्ज," उसने पुकारा। "इससे कहो कि मुझे अकेला छोड़ दे, जॉर्ज।" वह तब तक पीछे हटता रहा जब तक की वह दीवार से सट कर खड़ा नहीं हो गया और कर्ली ने उसके चेहरे पर प्रहार करते हुए वहाँ तक उसका पीछा किया। लेनी के हाथ बगल में झूल रहे थे। वह इतना डर गया था की खुद का बचाव तक नहीं कर पा रहा था।

जॉर्ज गुस्से में खड़ा हुआ और चिल्लाने लगा, "मारो लेनी। उसे ऐसा मत करने दो।"

लेनी ने चेहरे को अपने बड़े हाथों से ढका और डर के मारे मिमियाने लगा। वह रोने लगा, "इसे रोको, जॉर्ज।" फिर कर्ली ने उसके पेट पर जोर से मारा जिससे उसकी साँस रुक गयी।

स्लिम उछल कर खड़ा हो गया। "गंदे छोटे चूहे" वह चिल्लाया, "मैं इससे खुद ही निपटता हूँ।"

जॉर्ज नें तुरन्त अपना हाथ बढ़ाया और उसे रोक लिया। "एक मिनट रुको," वह चीखा। फिर अपनी हथेलियों को मुँह के पास ले जाकर गोलाकार किया और जोर से चिल्लाया, "मारो लेनी !"

लेनी ने अपने चेहरे से हाथ हटाया और जॉर्ज को देखने लगा, इतने में कर्ली ने उसकी आँखों पर प्रहार किया जिससे उसका बड़ा-सा चेहरा खून से सन गया। यह देखकर जॉर्ज गुस्से से एक बार फिर चिल्लाया, "मैंने कहा, मारो उसे।"

कर्ली की मुट्ठी अभी हवा में ही थी कि लेनी ने उसे पकड़ लिया। अगले ही पल कर्ली, कांटे में फँसी किसी मछली की तरह तड़प रहा था और उसकी मुट्ठी लेनी के बड़े-बड़े हाथों के बीच कहीं खो सी गई थी। जॉर्ज दौड़ कर गया। "उसे छोड़ दो, लेनी । छोड़ दो।"

लेकिन लेनी दहशत से उस दर्द से तड़पते हुए छोटे कद के आदमी को देख रहा था जिसका हाथ उसने जकड़ा हुआ था। लेनी के चेहरे से खून बह रहा था, उसकी एक आँख घायल थी और सूजने की वजह से बन्द हो गई थी। जॉर्ज ने एक के बाद एक उसके चेहरे पर कई थप्पड़ मारे, लेकिन लेनी उसकी मुट्ठी को अपने हाथों से जकड़े रहा। अब तक कर्ली का चेहरा सफेद पड़ चुका था और उसका पूरा शरीर सिकुड़ गया था। वह जिस

हाथ से खुद को छुड़ाने की कोशिश कर रहा था, उसकी रफ्तार भी अब ढीली पड़ चुकी थी। वह खड़े होकर दर्द से चीख रहा था, जबकि उसकी मुट्ठी अब भी लेनी के हाथों में फंसी हुई थी।

जॉर्ज बार-बार चिल्लाया, "उसका हाथ छोड़ दो, लेनी। छोड़ दो। स्लिम, इधर आओ और मेरी मदद करो इससे पहले की यह आदमी अपना हाथ खो बैठे।"

अचानक से लेनी ने अपनी पकड़ ढीली छोड़ दी। वह डर के मारे दीवार के सहरे दुबक कर बैठ गया। "तुमने मुझे ऐसा करने के लिए कहा था, जॉर्ज," उसने बेहद दुखी होते हुए कहा।

कर्ली कराहते हुए फर्श पर बैठ गया, और आश्चर्यचकित होकर अपने दबे-कुचले हाथ को देखने लगा। स्लिम और कार्लसन भी झुककर उसे देखने लगे। उसके बाद स्लिम ने सीधे खड़े होकर लेनी को खौफजदा होकर ध्यान से देखा। "हमें इसे डाक्टर के पास ले जाना होगा," उसने कहा। "मुझे लगता है कि इसके हाथ की हर एक हड्डी टूट चुकी है।"

"मैं ऐसा नहीं करना चाहता था," लेनी ने सिसकते हुए कहा। "मैं उसे कोई चोट नहीं पहुँचाना चाहता था।"

स्लिम ने कहा, "कार्लसन, तुम कैंडी की बग्गी निकालो। हम इसे सोलेदाद ले जाकर डाक्टर को दिखायेंगे।" कार्लसन तेजी से कमरे के बाहर चला गया। स्लिम लेनी की तरफ मुड़ा, जो अभी भी सिसक था। "इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है," उसने दिलासा देते हुए कहा। "इस दुष्ट के साथ तो यह होना ही था। लेकिन हे भगवान! उसके पास हाथ जैसा तो कुछ बचा ही नहीं।" स्लिम जल्दी से बाहर गया और थोड़ी ही देर में पानी से भरा एक टिन का कप लेकर वापस आया। उसने कप को कर्ली के होंठों से लगा दिया।

जॉर्ज ने कहा, "स्लिम, क्या अब हमें यहाँ से निकाल दिया जाएगा? हमें पैसों की जरुरत है। क्या कर्ली के पिता अब हमें निकाल देंगे?"

स्लिम व्यंगात्मक ढंग से हँसा और कर्ली के बगल में घुटनों के बल बैठ गया। "क्या तुम इस हालत में हो कि मेरी बात सुन सको?" उसने कर्ली से पूछा। कर्ली ने हाँ में सिर हिलाया। "ठीक है, तो सुनो," स्लिम ने कहना शुरू किया। "मुझे लगता है कि तुम्हारा हाथ किसी मशीन में आ गया था। अगर तुम किसी को नहीं बताओगे कि यहाँ क्या हुआ, तो हम भी नहीं बतायेंगे। लेकिन अगर तुमने यह बात किसी को बतायी और इस आदमी को यहाँ से निकालने की कोशिश की तो हम सबको इस बारे में बता देंगे और फिर सब तुम पर हँसेंगे, तुम सबके सामने हँसी का पात्र बनकर रह जाओगे।"

"मैं किसी को नहीं बताऊँगा," कर्ली ने दर्दभरी आवाज में कहा। उसने लेनी की तरफ देखा तक नहीं।

बाहर बग्गी के पहियों के रुकने की आवाज आयी। स्लिम, कर्ली की खड़े होने में मदद करने लगा। "अब उठ जाओ। कार्लसन तुम्हें डॉक्टर के पास ले जायेगा।" वह कर्ली को दरवाजे से बाहर तक ले गया। धीरे-धीरे पहियों की आवाज दूर होती चली गयी। कुछ देर बाद स्लिम कमरे में वापस आ गया। उसने लेनी की तरफ देखा, जो अभी भी डर के मारे दीवार के साथ दुबका हुआ था। "क्या मैं तुम्हारे हाथ देख सकता हूँ," उसने पूछा।

लेनी ने अपने हाथ उसकी ओर बढ़ा दिये।

"हे भगवान, मैं कभी नहीं चाहूँगा की कभी तुम्हें मुझ पर गुस्सा आये," स्लिम ने उसके हाथों को देखते हुए कहा।

जॉर्ज बीच में ही बोल पड़ा, "लेनी तो बस डर गया था," उसने सफाई देते हुए कहा। "उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे। मैनें तुमसे कहा था न कि किसी को भी लेनी से झगड़ना नहीं चाहिये। अरे नहीं, शायद मैंने ये कैंडी से कहा था।"

कैंडी ने दृढ़तापूर्वक सिर हिलाया। "तुमने ठीक ऐसा ही कहा था," उसने कहा। "आज ही सुबह जब कर्ली पहली बार तुम्हारे दोस्त से मिला था तो तुमने कहा था, 'अगर वह खुद की भलाई चाहता है तो उसके लिए बेहतर यही होगा कि वह लेनी से न उलझे।' तुमने मुझसे यही शब्द कहे थे।"

जॉर्ज, लेनी की ओर पलटा और उसे समझाते हुए कहा, "इसमे तुम्हारी कोई गलती नहीं है। तुम्हें और डरने की जरुरत नहीं है। तुमने वही किया जो मैंने तुम्हें करने के लिये कहा। शायद अब तुम्हें बाथरूम में जाकर अपना मुँह साफ कर लेना चाहिये। तुम बहुत बुरे दिख रहे हो।"

लेनी अपने चोट खाये मुँह से मुस्कुराया। "मैं कोई परेशानी खड़ी नहीं करना चाहता था," उसने कहा। और वह दरवाजे की ओर जाने लगा, लेकिन इसे पहले कि वह दरवाजे तक पहुँचता, वह पीछे पलटा। "जॉर्ज?" उसने आवाज लगायी।

"तुम्हें क्या चाहिए?"

"क्या अब भी मैं खरगोश पाल सकता हूँ, जॉर्ज?"

"हाँ बिलकुल। तुमने कोई गलत काम नहीं किया है।"

"मैं किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहता था, जॉर्ज।"

"ठीक है, अब जाओ और मुँह धोकर आओ।"

अध्याय 4

क्रूक्स, अस्तबल में काम करने वाला एक नीग्रो था। जो घोडों के साजो-सामान वाले कमरे में रहता था, एक छोटी-सी झोपड़ी बाड़े की दीवार से सटी हुई और उसकी छत नीचे की ओर झुकी हुई थी। उस छोटे से कमरे की एक तरफ काँच की एक चौकोर खिड़की थी, जो चार हिस्सों में बंटी हुई थी। और दूसरी तरफ लकड़ी का एक सँकरा सा दरवाजा था, जो बाड़े की ओर खुलता था। क्रूक्स का कमरा एक लम्बे डिब्बे जैसा था जो भूसे से ठसाठस भरा हुआ था और जिसके ऊपर उसने अपने कम्बलों को फैलाया हुआ था। खिड़की के बगल वाली दीवार पर कुछ खूंटियाँ थी जिन पर घोड़े के टूटे हुए साज, जिनकी मरम्मत करना अभी बाकी था और चमड़े की नयी पट्टियाँ लटक रही थी। और खिड़की के नीचे एक छोटी सी बेंच रखी हुई थी जिस पर चमड़े का काम करने वाले औजार, घुमावदार चाकू, सुइयाँ, लिनन के धागे के कुछ गोले और एक छोटा सा कील जड़ने का हाथ वाला उपकरण रखा हुआ था। खूंटियों पर ऊपर बताये सामान के अलावा साज के टुकड़े, एक फटा हुआ पट्टा- जिसमें भरे गये घोड़े के बाल बाहर को झाँक रहे थे, एक टूटी हुई काठी और एक जंजीर- जिसका चमड़े का खोल फटा हुआ था, लटक रहे थे। क्रूक्स के पास एक लकड़ी का बक्सा था, जो उसने अपने बिस्तर के ऊपर रखा हुआ था। वह बक्सा दवाइयों से भरा पड़ा था, जिसमें उसकी खुद की और घोड़ों की दवाइयाँ शामिल थी। साथ ही चमड़े की सफाई के काम आने वाले साबुन के डिब्बे और रिसते हुए कोलतार का एक टिन था, जिसके किनारे पेंट ब्रश चिपके हुए रखे थे। वहाँ नीचे फर्श पर चारों ओर उसका सामान बिखरा पड़ा था। अकेले रहने के कारण वह इतना बेफिक्र था कमरे के अन्दर कहीं भी अपना सामान छोड़ देता था। और चूँकि वह अस्तबल में काम करने वाला एक नीग्रो होने साथ ही विकलांग भी था, उसकी जगह उस फार्म में दूसरे लोगों की तुलना में ज्यादा स्थायी थी। उसने वहाँ रहते-रहते इतनी सम्पत्ति जोड़ ली थी, कि उसे ढोकर दूसरी जगह ले जाना सम्भव नहीं था।

क्रूक्स के पास कई जोड़ी जूते, एक जोड़ी रबड़ के बूट, एक बड़ी अलार्म घड़ी और एक सिंगल बैरल की बन्दूक थी। उसके पास बहुत सारी किताबें भी थी। जिनमें एक फटी-पुरानी शब्दकोश की किताब और 1905 के समय की कैलिफोर्निया नागरिक संहिता

की एक नकली प्रति भी शामिल थी। उसके बिस्तर के ऊपर वाली शेल्फ पर कुछ फटी-पुरानी मैगजींस और अश्लील किताबें रखी हुई थीं। वहीं बगल में दीवार पर कील के सहारे एक चश्मा लटका हुआ था जिसके किनारे सुनहरे-चमकीले रंग के थे।

क्रूक्स अकेले रहता था, इसलिए उसका कमरा एकदम साफ-सुथरा था। उसने बाकी के लोगों से दूरी बना रखी थी और चाहता था कि वे भी ऐसा ही करें। उसका शरीर, टूटी हुई रीढ़ की हड्डी की वजह से थोड़ा बायीं ओर झुका हुआ था, और उसकी आँखें सिर के अन्दर तक धंसी हुई थी। धंसी हुई होने की वजह से वे तीखेपन के साथ चमकती हुई सी लग रही थीं। उसके दुबले-पतले चेहरे पर गहरे काले रंग की झुर्रियाँ पड़ी हुई थी। उसके होंठ पतले और दर्द से भिंचे हुए थे जिनका रंग चेहरे के रंग से थोड़ा हल्का था।

शनिवार की रात थी। बाड़े की तरफ जाने वाले दरवाजों, से घोड़ों के चलने, उनके पैर पटकने, घास चबाने और उनके गले में पड़ी जंजीरों के बजने की आवाजें आ रही थी। उधर क्रूक्स के कमरे में लगा एक छोटा-सा बल्ब पीली रोशनी बिखेर रहा था।

क्रूक्स अपने बिस्तर पर बैठा। उसकी शर्ट पीछे की ओर से जीन्स से बाहर निकली हुई थी। उसके एक हाथ में मलहम की शीशी थी और दूसरे हाथ से वह अपनी पीठ को सहला रहा था। वह थोड़ी-थोड़ी देर में मलहम की कुछ बूँदों को अपनी गुलाबी हथेली में लेकर उसे पीछे शर्ट के अन्दर डालकर पीठ पर लगा रहा था। उसने अपनी मांसपेशियों को पीठ से विपरीत दिशा में मोड़ा और काँप उठा।

तभी वहाँ लेनी, बिना कोई आवाज किये दरवाजे पर आया और खड़ा होकर अन्दर झाँकने लगा। उसके बड़े-बड़े कन्धों से दरवाजा लगभग ढक चुका था। एक पल के लिए तो क्रूक्स को उसके वहाँ होने का पता ही नहीं चला लेकिन जैसे ही उसने नजरें उठायी वह चौंक गया और उसके चेहरे पर गुस्से के भाव आ गए। उसने तुरन्त शर्ट के अन्दर से अपने हाथ को बाहर खींचा।

लेनी ने बेचारगी से मुस्कुराते हुए क्रूक्स की तरफ दोस्ताना ढंग से देखा।

क्रूक्स ने चिल्लाते हुए कहा, "तुम्हें मेरे कमरे में आने का कोई हक नहीं है। यह मेरा कमरा है। यहाँ अन्दर आने का हक सिर्फ मेरा है और किसी का नहीं।"

ये सुनकर लेनी घबरा गया और उसके चेहरे की मुस्कराहट थोड़ा और फैल गयी। "मैंने कुछ नहीं किया," उसने हड़बड़ाते हुए कहा। "मैं तो सिर्फ अपने पिल्ले को देखने आया था कि तभी मैंने तुम्हारे कमरे की बत्ती जलती हुई देखी," उसने सफाई देते हुए कहा।

"मुझे बत्ती जलाने का पूरा हक है। अब तुम मेरे कमरे से निकल जाओ। मैं तुम्हारे कमरे में नहीं आ सकता और तुम मेरे कमरे में।"

"तुम वहाँ क्यों नहीं आ सकते?" लेनी ने पूछा। "क्योंकि मेरा रंग काला है। वे वहाँ ताश खेलते हैं, लेकिन मैं उनके साथ नहीं खेल सकता क्योंकि मैं काला हूँ। वह कहते हैं, मुझसे बदबू आती है। लेकिन मैं कहता हूँ कि मुझे तुम सबसे बदबू आती है।"

लेनी ने असहाय होकर अपने भारी-भरकम हाथों को लहराया और बोला, "सारे लोग शहर गये है। स्लिम, जॉर्ज और बाकी सब भी। जॉर्ज ने मुझे यहीं रुकने के लिए कहा है, और हिदायत दी है कि मैं सावधानी से रहूँ और किसी प्रकार की मुसीबत में न पड़ूं। मैंने तुम्हारे कमरे की बत्ती जलते हुए देखी और यहाँ आ गया।"

"तो बताओ, तुम्हें मुझसे क्या काम है?"

"कुछ भी नहीं, मैंने तुम्हारे कमरे कि बत्ती जलती देखी तो सोचा कि यहाँ आकर थोड़ी देर बैठूँ।"

क्रूक्स ने लेनी को घूरा और फिर उसके पीछे दीवार पर टंगे अपने चश्मे को निकालकर अपने गुलाबी कानों पर अटकाते हुए उसे दोबारा घूरने लगा। "मुझे समझ नहीं आ रहा है कि तुम यहाँ बाड़े में क्या कर रहा हो," उसने शिकायती अंदाज में कहा। "तुम कोई चर्मकार नहीं हो। और बाड़े में अनाज के बोरे उठाने वालों का कोई काम नहीं है। अब चूँकि तुम चर्मकार नहीं हो, तो घोड़ों से भी तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है।"

"पिल्ला," लेनी ने याद दिलाया। "मैं यहाँ पिल्ले को देखने आया हूँ।"

"तो जाओ, फिर उस पिल्ले को देखो और ऐसी जगह मत आया करो जहाँ तुम्हारी कोई जरुरत नहीं है।"

लेनी की मुस्कराहट कहीं गायब हो गयी। उसने कमरे के अन्दर की ओर एक कदम बढ़ाया, फिर कुछ याद आने पर अपने कदम वापस दरवाजे की और खींच लिये। "मैं तो बस थोड़ी देर के लिए उन्हें देखने आता हूँ। स्लिम कहता है कि मुझे उनके साथ ज्यादा नहीं खेलना चाहिए।"

क्रूक्स बोला, "तुम पूरा दिन उन पिल्लों को उनकी जगह से बाहर निकालकर उनके साथ खेलते रहते हो। मुझे आश्चर्य है कि उनकी माँ उन पिल्लों को अब तक कहीं और क्यूँ नहीं ले गयी।"

"ओह! उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। वह मुझे उनके साथ खेलने देती है।" कहते-कहते लेनी ने दोबारा कमरे के अन्दर कदम बढ़ाया।

क्रूक्स ने भौहें चढ़ाते हुए लेनी को देखा, लेकिन लेनी की भोली-भाली मासूम मुस्कराहट के सामने पिघल गया और उसका सारा गुस्सा काफूर हो गया। "अन्दर आओ और थोड़ी देर के लिए बैठ जाओ," क्रूक्स ने कहा। "जब तक कि तुम यहाँ से चले नहीं जाते और मुझे अकेला नहीं छोड़ देते, बेहतर होगा कि तुम भी अन्दर आकर बैठ जाओ।"

उसका लहजा अब थोड़ा बहुत दोस्ताना हो गया था।

"तो सारे लोग शहर गये हैं?"

"सिर्फ बूढ़े कैंडी को छोड़कर। वह वहाँ कमरे मैं बैठकर अपनी पेन्सिलों को तेज कर रहा है और कुछ सोच रहा है।"

क्रूक्स अपने चश्मे को ठीक करते हुए बोला, "सोच रहा है? कैंडी किस बारे में सोच रहा है?"

लेनी ने लगभग चीखते हुए जवाब दिया, "खरगोशों के बारे में।"

"तुम पागल हो," क्रूक्स ने कहा। "तुम किल्ली की तरह मस्त हो, तुम किन खरगोशों की बात कर रहे हो?"

"उन्हीं खरगोशों की जिन्हें हम पालेंगे और जिनके साथ मैं खेलूँगा, घास खिलाऊँगा, पानी पिलाऊँगा और भी बहुत कुछ करूँगा।" "यह सब बेवकूफी है," क्रूक्स ने कहा। मुझे उस आदमी से, जिसके साथ तुम सफर करते हो, कोई शिकायत नहीं है कि वह तुम्हें लोगों की नजरों से दूर रखता है।"

लेनी ने धीरे से कहा, "ये झूठ नहीं है। हमारे पास ये सब कुछ होगा, हमारे पास एक छोटा-सा घर होगा और हम उसमें आराम से रहेंगे।"

क्रूक्स अपने बिस्तर पर आराम से बैठ गया। "बैठो," उसने इशारा किया। "उधर कीलों से भरे ड्रम के ऊपर बैठ जाओ।"

लेनी उस छोटे से ड्रम के ऊपर बैठ गया। "तुम्हें लगता है यह सब झूठ है," लेनी ने कहा, "लेकिन ये झूठ नहीं है। मेरा कहा हर एक शब्द सच है, तुम चाहो तो जॉर्ज से पूछ लो।"

क्रूक्स ने अपनी ठुड्डी को अपनी गुलाबी हथेली में टिकाया। "तुम हमेशा जॉर्ज के साथ ही सफर करते हो, है न?"

"हाँ बिलकुल। मैं और वह हर जगह साथ जाते हैं।"

क्रूक्स ने आगे कहा, "क्या ऐसा नहीं है कि कभी-कभी जब वह बात करता है तो तुम्हें समझ नहीं आता कि वह किस बारे में बात कर रहा है।" वह थोड़ा आगे की तरफ झुका और अपनी धंसी हुई आँखों से लेनी की आँखों में झाँककर बोला, "क्या ऐसा नहीं है?"

"हाँ... कभी-कभी।"

"वह बस लगातार बोलता जाता है और तुम्हें कुछ समझ नहीं आता कि वह किस बारे में बात कर रहा है?"

"हाँ... कभी-कभी। लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता।"

क्रूक्स अपने बिस्तर पर किनारे की ओर झुका। "मैं कोई दक्षिण से आया हुआ नीग्रो नहीं हूँ," उसने कहा। "मेरा जन्म यहीं कैलिफोर्निया में हुआ था। मेरे पिता के पास एक मुर्गी-फार्म था, जो लगभग दस एकड़ का था। अमरीकी बच्चे हमारे यहाँ खेलने आते थे, और कभी-कभी मैं भी उनके साथ खेलता था। उनमें से कुछ का व्यवहार मेरे प्रति बहुत अच्छा था। लेकिन मेरे पिता को वह सब पसन्द नहीं था। मैं काफी लम्बे समय तक यह जान ही नहीं पाया कि उन्हें वह सब क्यों पसन्द नहीं था। लेकिन अब मैं जानता हूँ।" वह सकुचाया, और जब उसने दोबारा बोलना शुरू किया तो उसकी आवाज में नरमी थी। "वहाँ आस-पास मीलों दूर तक कोई ओर नीग्रो परिवार नहीं था। अब इस फार्म में एक भी नीग्रो नहीं है और सोलेदाद की बात करें तो पूरे सोलेदाद में केवल एक ही नीग्रो परिवार बचा है।" वह हँसा। "जब भी मैं कुछ कहता हूँ तो ऐसा क्यों है कि उसे अनसुना किया जाता है, उसे गम्भीरता से नहीं लिया जाता।"

"तुम्हारे हिसाब से उन कुत्ते के बच्चों को अभी कितना समय और लगेगा इतना बड़ा होने में कि मैं उन्हें पाल सकूँ और उनके साथ आराम से खेल सकूँ?" लेनी ने पूछा।

क्रूक्स फिर से हँसा। "कोई भी आदमी निश्चिन्त होकर तुमसे कुछ भी कह सकता है क्योंकि उसे पता है कि तुम उसे इधर-उधर फैलाओगे नहीं। बस कुछ ही हफ्तों में वह पिल्ले बड़े हो जायेंगे। जॉर्ज को सब पता होता है कि वह क्या बोल रहा है। वह बोलता रहता है और तुम्हें कुछ समझ नहीं आता।" वह उत्तेजना में आगे की ओर झुका। "ये सब बस एक नीग्रो के मुँह से निकले हुए शब्द हैं, वे भी एक ऐसे नीग्रो के जिसकी पीठ काफी बुरी हालत में है। तो इसलिए इन बातों का कोई मतलब नहीं है। तुम्हें कुछ भी याद नहीं रहता। मैंने कई बार इस बात को महसूस किया है कि जब एक आदमी दूसरे आदमी से बात करता है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि सामने वाला उसकी बात को सुन और समझ रहा है कि नहीं। यहाँ पर महत्वपूर्ण यह है कि वे आपस में बात कर रहे हैं, या फिर वे साथ में बैठे हुए हैं भले ही वे आपस में बात न करें। इन सबसे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह सब निरर्थक है।" उसकी उत्तेजना काफी बढ़ गयी थी, उसने अपने हाथ से अपने घुटने पर जोर से एक थाप मारी। "जॉर्ज तुम्हें कुछ भी बता सकता है, और जिनका कोई मतलब नहीं होता। महत्वपूर्ण है, बस किसी से बात करना, किसी का साथ होना।" वह थोड़ा रुका।

उसकी आवाज अब विनम्र हो चली थी और वह प्रभावशाली ढंग से कहने लगा, "मान लो अगर जॉर्ज वापस नहीं आया तो। कल्पना करो कि वह पाउडर लेकर कहीं पड़ा है और वापस ही नहीं आ रहा है। तब तुम क्या करोगे?"

लेनी का ध्यान तुरन्त उन शब्दों की ओर गया जो अभी-अभी क्रूक्स के मुँह से निकले थे। "क्या कहा?" उसने पूछा।

"मैंने कहा मान लो कि जॉर्ज आज रात शहर गया है और वह कभी वापस लौट कर नहीं आया या तुम्हें कभी उसकी कोई खबर नहीं मिली।" "बस मान लो," उसने दोहराया।

"वह ऐसा नहीं करेगा," लेनी चीखा। "जॉर्ज ऐसा कुछ नहीं करेगा। मैं जॉर्ज के साथ काफी लम्बे समय से हूँ। वह आज रात जरूर वापस आयेगा।" लेकिन लेनी के लिए ये एक बहुत बड़ी दुविधा थी। "तुम्हें नहीं लगता कि वह वापस आयेगा?" उसने क्रूक्स से सवालिया अन्दाज में पूछा।

क्रूक्स को उसे परेशान करने में मजा आ रहा था। "कोई नहीं बता सकता कि कौन क्या करेगा," उसने शान्त स्वर में कहा। "चलो मान लेते हैं कि वह वापस आना चाहता है लेकिन आ नहीं सकता। मान लो उसे किसी ने मार दिया या किसी तरह की कोई चोट पहुँचा दी, जिसकी वजह से वह वापस नहीं आ सकता।"

लेनी को ये सब समझने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। "जॉर्ज ऐसा कुछ नहीं करेगा," उसने फिर से कहा। "जॉर्ज हमेशा सावधान रहता है। उसे कोई चोट नहीं पहुँचेगी। उसे कभी कोई चोट नहीं पहुँची है क्यूँकि वह हमेशा सतर्क रहता है।"

"फिर भी, मान लो अगर वह वापस नहीं आया। तो तब तुम क्या करोगे?"

लेनी का चेहरा डर के मारे सिकुड़ गया। "मुझे नहीं मालूम। तुम ये सब क्या बोल रहे हो?" वह चिल्लाया। "यह सच नहीं है। जॉर्ज को कोई चोट नहीं पहुँची है।"

लेनी को डरा हुआ देखकर, क्रूक्स ने उसे और डराया। "मैं बताऊँ कि क्या होगा? वे तुम्हें पागलखाने ले जायेंगे और वहाँ ले जाकर कुत्ते की तरह तुम्हारे गले में पट्टा बाँध देंगे।"

अचानक लेनी की आँखों की पुतलियाँ बीच में आकर स्थिर हो गई। उसकी आँखों में गुस्सा उतर आया था। वह अपनी जगह से उठा और खतरनाक तरीके से क्रूक्स की ओर बढ़ने लगा। "जॉर्ज को किसने चोट पहुँचायी?" उसने गुस्से से पूछा।

क्रूक्स ने अपनी तरफ आते खतरे को तुरन्त भाँप लिया। उससे बचने के लिए वह अपने बिस्तर पर पीछे की ओर हट गया। "मैं तो बस ऐसे ही कह रहा था," उसने कहा। "जॉर्ज को कोई चोट नहीं पहुँची है। वह बिलकुल ठीक है और वह सुरक्षित लौट आयेगा।"

लेनी उसके पास खड़ा हो गया। "तुम ऐसे ही क्यूँ कह रहे थे? कोई भी जॉर्ज को चोट पहुँचाने के बारे में क्यूँ सोचेगा।"

क्रूक्स ने अपने चश्मे को हटाकर उँगलियों से आँखों को साफ किया। "बैठ जाओ," उसने कहा। "जॉर्ज को कोई चोट नहीं पहुँची है।"

लेनी बड़बड़ाते हुए वापस अपनी जगह पर बैठ गया। "कोई भी जॉर्ज को चोट पहुँचाने के बारे में बात नहीं करेगा," उसने शिकायती अंदाज में कहा।

क्रूक्स ने दबे स्वर में कहा, "शायद अब तुम समझ सको। तुम्हारे पास जॉर्ज है। तुम्हें पता है कि वह वापस जरूर आयेगा। सोचो कि अगर तुम्हारे पास कोई नहीं होता। सोचो की तुम बंक हाउस में जाकर ताश सिर्फ इसलिए नहीं खेल सकते क्योंकि तुम्हारा रंग काला है। तो तुम्हें कैसा लगता? सोचो कि अगर तुम्हें यहाँ पूरे दिन बैठकर किताबें पढ़नी पड़े। हाँ तुम्हें घोड़ों के खेल की इजाजत हो पर वह भी केवल शाम तक, उसके बाद तुम्हें अकेलापन दूर करने के लिए किताबें पढ़नी पड़ें क्योंकि वही तुम्हारा समय काटने का एकमात्र साधन हो। लेकिन किताबें अकेलापन दूर करने में सहायक सिद्ध नहीं होती। आदमी को जरूरत होती है किसी ऐसे आदमी की, जो हमेशा उसके साथ रहे, उसके पास रहे।" उसने उदास होते हुए कहा, "अकेले-अकेले आदमी पागल हो जाता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई व्यक्ति कैसा है, जब तक कि वह आपके साथ है। मैं बताता हूँ," उसने रोते हुए कहा, "मैं बताता हूँ कि किसी आदमी का साथ न मिलने पर आदमी बेहद अकेला और बीमार पड़ जाता है।"

"जॉर्ज वापस आयेगा," लेनी ने सहमी हुई आवाज में खुद को समझाया। "शायद जॉर्ज वापस आ गया हो। मुझे जाकर देखना चाहिए।"

क्रूक्स ने कहा, "मेरा तुम्हें डराने का कोई इरादा नहीं था। वह वापस आ जायेगा। मैं तो अपने बारे में बात कर रहा था। एक शख्स रात में यहाँ अकेला बैठा रहता है, किताबें पढ़ता है या कभी कुछ सोच रहा होता है या फिर ऐसा ही कुछ कर रहा होता है। कभी-कभी उसके मन में कुछ ख्याल आते हैं लेकिन उन्हें बताने के लिए उसके आस-पास कोई नहीं होता। अगर वह कुछ देखता भी है तो उसे नहीं पता होता कि वह सही है या फिर गलत। वह किसी दूसरे आदमी से पूछ तक नहीं सकता कि क्या उसे भी वह दिखाई दे रहा है या नहीं। वह तय नहीं कर पाता। उसके पास यह पता करने का कोई साधन नहीं होता। मैंने यहाँ बहुत सी चीजों को देखा है। मैं नशे में नहीं था। मुझे नहीं पता कि मैं सोया था या नहीं। अगर मेरे साथ कोई होता तो वह मुझे बता देता कि मैं सो रहा था और फिर सब ठीक हो जाता। लेकिन मुझे कुछ भी नहीं पता।" क्रूक्स अब कमरे के दूसरी ओर, खिड़की की ओर देख रहा था।

लेनी ने दयनीय ढंग से कहा, "जॉर्ज मुझे छोड़कर कहीं नहीं जायेगा। मुझे पता है जॉर्ज ऐसा कुछ नहीं करेगा।"

क्रूक्स पुराने दिनों को स्वप्निल ढंग से याद करते हुए कहने लगा, "मुझे याद है जब मैं छोटा बच्चा था और अपने पिता के साथ मुर्गी-फार्म में रहता था। मेरे दो भाई थे। वे हमेशा मेरे आस-पास रहते थे। हम तीनों एक ही कमरे में, एक ही बिस्तर पर सोया करते थे। हमारे पास स्ट्राबेरी का एक छोटा सा खेत था। जमीन का एक टुकड़ा था जिस पर अल्फाल्फा के पौधे लगे हुए थे। सुबह जब धूप खिली होती थी तो हम मुर्गियों को अल्फाल्फा के पौधों के बीच छोड़ दिया करते थे। मेरे भाई चारों ओर से बाड़ लगाकर उन्हें एकटक देखा करते थे, वे सफेद रंग की मुर्गियाँ थीं।"

आहिस्ता-आहिस्ता लेनी की दिलचस्पी वहाँ हो रही बातचीत में बढ़ रही थी।

"जॉर्ज कहता है कि हम खरगोशों के लिए अल्फाल्फा के पौधे लगायेंगे।"

"कौन से खरगोश?"

"हमारे पास खरगोश और एक स्ट्राबेरी का खेत होगा।"

"तुम बेवकूफ हो।"

"हमारे पास भी यह सब कुछ होगा। तुम जॉर्ज से पूछ लेना।"

"तुम बेवकूफ हो।" क्रूक्स घृणा से भर उठा। मैंने हजारों लोगों को सिर पर बोझा लिए सड़क से यहाँ फार्म पर आते हुए देखा है और वही बोझ उनके दिमाग पर भी होता है। हजारों लोगों को। वे आते हैं और कुछ दिन बाद छोड़कर चले जाते हैं, और हर एक का ये सपना होता है की उनका एक छोटा सा घर हो। किन्तु किसी का भी ये सपना कभी पूरा नहीं होता। स्वर्ग की तरह हर किसी को एक घर चाहिए। मैंने यहाँ बैठकर बहुत सारी किताबें पढ़ी हैं। कोई कभी स्वर्ग नहीं जाता और न ही किसी का घर पाने का सपना पूरा होता है। ये सब बस उनके दिमाग में ही रहता है। वे सारा समय बस इसी बारे में बात करते हैं लेकिन ये सिर्फ उनके दिमाग तक सीमित रहता है। अचानक बाहर घोड़ों के बीच हुई हलचल से उनके गले में पड़ी जंजीरें बजने लगी जिससे उसका ध्यान भंग हो गया और वह बोलना बन्द कर खुले दरवाजे की ओर देखने लगा। सहसा घोड़े के हिनहिनाने की आवाज आई। "मेरे ख्याल से बाहर कोई है," क्रूक्स ने कहा।

"शायद स्लिम होगा। वह कभी-कभी यहाँ रात को दो या तीन बार आता है। स्लिम एक बहुत अच्छा चर्मकार है। वह अपनी टीम का बहुत खयाल रखता है।" उसने बहुत मुश्किल से खुद को खड़ा किया और दरवाजे की ओर बढ़ा। "क्या तुम हो स्लिम?" उसने आवाज लगायी।

कैंडी ने जवाब दिया। "स्लिम शहर गया है। क्या तुमने लेनी को कहीं देखा है?"

"तुम्हारा मतलब है वह लम्बी-चौड़ी कद-काठी वाला आदमी?"

"हाँ वही। क्या तुमने उसे कहीं आस-पास देखा है?"

"वह यहाँ अन्दर है," क्रूक्स ने तुरन्त जवाब दिया। और वापस अपने बिस्तर में जाकर लेट गया।

कैंडी वहीं दरवाजे पर खड़े होकर अपनी कलाई खुजलाने लगा और बिना नजरें मिलाये कमरे में इधर-उधर देखने लगा। उसने अन्दर आने की जरा भी कोशिश नहीं की।

"पता है, लेनी। मैं खरगोशों के बारे में सोच रहा था।"

क्रूक्स ने चिढ़ते हुए कहा, "तुम चाहो तो अन्दर आ सकते हो।"

कैंडी शर्मिन्दा हो गया। "मुझे मालूम है। बेशक आ सकता हूँ, अगर तुम इजाजत दो तो।"

"अन्दर आ जाओ। जब सभी आ रहे हैं, तो तुम भी आ जाओ।" अपनी खुशी को गुस्से की चादर से ढकने में क्रूक्स को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी।

कैंडी अन्दर आ गया, लेकिन वह अभी भी शर्मिन्दा था। "तुम्हारी यह जगह काफी अच्छी और आरामदायक है," उसने क्रूक्स से कहा। "इस तरह से खुद का कमरा होना अच्छा लगता होगा।"

"हाँ बिलकुल," क्रूक्स ने कहा। "और खिड़की के नीचे खाद का एक बड़ा सा ढेर जो दिन-ब-दिन बढ़ता जाता है।"

लेनी बीच में ही बोल पड़ा, "तुम खरगोशों के बारे में कुछ कह रहे थे।"

कैंडी एक टूटे हुए पट्टे की बगल में दीवार के सहारे बैठ गया। वह अभी भी अपनी कलाई के एक हिस्से को खुजला रहा था। "मैं यहाँ लम्बे समय से हूँ," उसने कहा। "और क्रूक्स भी यहाँ कई सालों से है। लेकिन यह पहला मौका है जब मैं इस कमरे में आया हूँ।"

"अक्सर लोग किसी काले आदमी के कमरे में आना पसन्द नहीं करते। यहाँ स्लिम के अलावा कोई नहीं आता। सिर्फ स्लिम और मालिक ही यहाँ आते हैं।" क्रूक्स ने टिप्पणी करते हुए कहा।

कैंडी ने तुरन्त बात बदल दी। "मैंने स्लिम के जैसा अच्छा चर्मकार आज तक नहीं देखा।"

लेनी उस बूढ़े सफाईकर्मी की ओर झुका। "खरगोशों के बारे में बताओ," उसने आग्रह किया।

कैंडी मुस्कुराया। "मैंने सब कुछ सोच लिया है। अगर हमने इस दिशा में सही से काम किया तो हम खरगोशों से कुछ पैसे कमा सकते हैं।"

"लेकिन मुझे खरगोशों को पालना है," लेनी बीच में ही बोल पड़ा। "जॉर्ज ने

कहा है कि वह मुझे खरगोश पालने देगा। उसने वादा किया है।"

क्रूक्स ने उन्हें बुरी तरह से बीच में ही टोका। "तुम लोग खुद को बेवकूफ बना रहे हो। तुम चाहे कितना भी इस बारे में बात कर लो, तुम्हारे पास कभी भी खुद की जमीन नहीं होगी। तुम यहाँ सफाईकर्मी ही रहोगे जब तक की वे तुम्हें यहाँ से ताबूत में नहीं ले जाते। मैंने बहुत से लोगों को ऐसी बातें करते हुए देखा है। और लेनी दो-तीन हफ्तों में ही यहाँ से छोड़कर चला जायेगा। लगता है मानो यहाँ हर किसी के सिर पर खुद की जमीन का भूत सवार है।"

कैंडी गुस्से से अपने गालों को रगड़ने लगा। "तुम देख लेना हम यह सब कुछ हासिल करके रहेंगे। जॉर्ज का भी यही मानना है और हमारे पास अभी पैसे भी हैं।"

"अच्छा?" क्रूक्स ने संशय भरे लहजे में कहा। "और जॉर्ज इस वक्त कहाँ है? शहर में, एक वेश्या के घर। तुम्हारा सारा पैसा वहाँ बर्बाद हो रहा है। हे भगवान, मैंने ऐसा होते हुए कई बार देखा है। मैंने बहुत सारे लोगों को खुद की जमीन का सपना देखते हुए देखा है। लेकिन हकीकत में उनके हाथ कुछ नहीं लगता।"

कैंडी जोर से चिल्लाया, "निश्चित रूप से वे सभी यही चाहते हैं। हर कोई चाहता है कि उसके पास ज्यादा नहीं, पर थोड़ी सी जमीन हो। कुछ ऐसा जो उसका खुद का हो। जहाँ वह बेफिक्र होकर आराम से रह सके और कोई भी उसे वहाँ से निकाल न पाये। मेरे पास ऐसा कभी कुछ नहीं था। मैंने इस राज्य में लगभग हर किसी के लिए फसलों को लगाने का काम किया है, पर वे मेरी फसलें नहीं थी। और जब मैंने उन फसलों को काटा तो वह पैदावार मेरी नहीं थी। लेकिन अब हमारे पास सब कुछ होगा, और तुम इस बारे में किसी तरह की गलतफहमी में मत रहना। जॉर्ज पैसे लेकर शहर नहीं गया है। सारा पैसा बैंक में जमा है। मेरा, लेनी का और जॉर्ज का। हम तीनों का अपना एक कमरा होगा। हमारे पास एक कुत्ता होगा, कुछ खरगोश होंगे और मुर्गियाँ भी होंगी। हमारे हरे-भरे खेत होंगे और शायद एक गाय या फिर एक बकरी भी होगी।" इस कल्पना से वह इतना अभिभूत हो गया कि वह बोलते-बोलते चुप हो गया।

क्रूक्स ने सवाल किया, "तुमने कहा कि तुम्हारे पास पैसे हैं?"

"सही कहा। हमारे पास अधिकांश पैसा जमा हो गया है बस थोड़ा सा और जमा करना है। एक महीने में सारा पैसा जमा हो जाएगा। जॉर्ज ने तो जमीन भी पसन्द कर ली है।"

क्रूक्स पास आ गया और उसने अपनी रीढ़ की हड्डी को अपने हाथ से टटोला। उसने कहा, "मैंने सचमुच कभी किसी आदमी को ऐसा करते नहीं देखा।" "मैंने जमीन के लिए लोगों को अकेलेपन से लगभग पागल होते देखा है बल्कि कभी-कभी वेश्यालय या जुए में जो होता है, वैसा भी हो जाता है।" वह झिझक रहा था। "अगर तुम लोगों

को बिना कुछ दिए एक मजदूर की जरूरत होगी केवल मदद के लिए, तो मैं करने के लिए आऊँगा। मैं इतना अपाहिज नहीं हूँ कि काम न कर सकूँ अगर मैं चाहूँ तो मै एक शैतान की तरह काम कर सकता हूँ।"

"क्या तुम में से किसी ने कर्ली को देखा है?"

उन सबने दरवाजे की ओर गर्दन घुमायी। वहाँ कर्ली की बीवी खड़ी थी। उसके चेहरे पर मेकअप पुता हुआ था। उसके होंठ थोड़ा सा खुले हुए थे। वह जोर-जोर से हाँफ रही थी, जैसे वह दौड़ते हुए वहाँ आयी हो।

"कर्ली यहाँ नहीं है," कैंडी ने रूखा जवाब दिया।

वह अब भी दरवाजे पर खड़ी होकर उनकी ओर देखकर मुस्कुरा रही थी और अपने एक हाथ के अंगूठे और तर्जनी से दूसरे हाथ के नाखूनों को मल रही थी। उसने एक के बाद एक सबके चेहरों पर नजरें दौड़ायी। "उन्होंने सभी कमजोर लोगों को यहाँ छोड़ दिया," उसने आखिर में कहा। "तुम्हें क्या लगता है कि मुझे नहीं पता कि सारे लोग कहाँ गये हैं? यहाँ तक कि कर्ली भी। मैं जानती हूँ कि वे सब कहाँ गये हैं।"

लेनी मुग्ध होकर उसे देख रहा था, लेकिन कैंडी और क्रूक्स भौहें चढ़ाते हुए उससे नजरें बचा रहे थे। कैंडी ने गुस्से से कहा, "अगर तुम जानती हो तो हमसे क्यूँ पूछ रही हो कि कर्ली कहाँ है?"

वह उनके साथ मन बहलाने लगी। "अजीब बात है," उसने कहा। जब कभी मैं किसी आदमी से मिलती हूँ, और वह अकेला होता है तो हमारा रवैया एक-दूसरे के प्रति अच्छा होता है। लेकिन जब दो आदमी मिलते हैं तो वे ठीक से बात तक करने को राजी नहीं होते। बल्कि नाराज और हो जाते हैं।" उसने अपनी उँगलियों को ढीला छोड़ा और अपने हाथ को अपने कूल्हों पर टिका दिया। "तुम सब लोग एक-दूसरे से डरते हो, यही बात है। तुम में से हर एक इस बात से डरता है कि कहीं बाकी लोग उसके साथ कुछ गलत न कर बैठें।"

एक विराम के बाद क्रूक्स ने कहा, "यही बेहतर होगा कि अब तुम अपने घर लौट जाओ। हमें किसी तरह की कोई परेशानी नहीं चाहिए।"

"मैं तुम्हें परेशान नहीं कर रही हूँ। तुम्हें क्या लगता है, कि क्या मुझे कभी-कभी किसी से बात करना अच्छा नहीं लगता? मुझे सारा दिन उस घर में बन्द रहना अच्छा लगता है?"

कैंडी ने अपनी कलाई घुटनों पर रखी और धीरे-धीरे दूसरे हाथ से उसे मलने लगा। उसने आरोप लगाते हुए कहा, "तुम्हारा एक पति है। तुम्हारा कोई हक नहीं बनता कि तुम दूसरे आदमियों के साथ वक्त बिताओ और उन्हें मुसीबत में डालो।"

यह सुनकर वह आगबबूला हो उठी। "सही कहा, मेरा एक पति है। वह मोटा आदमी, है न? जो सारा समय बस यही कहने में निकाल देता है कि वह उन लोगों के साथ क्या करेगा जिन्हें वह पसन्द नहीं करता, और मजे की बात यह है कि वह किसी को भी पसन्द नहीं करता। तुम्हें वाकई लगता है कि मैं उस दो बाई चार के घर में रहूँगी और सुनूंगी कि कर्ली कैसे अपने बायें हाथ को आगे रख दायें हाथ से घूसा मारेगा? 'शायद एक या दो बार' उसके हिसाब से। 'बस एक या दो घूंसे और सामने वाला चित्त हो जायेगा।'" बोलते-बोलते वह थोड़ा रुकी, उसके चेहरे से चिड़चिड़ापन अब कहीं गायब हो चुका था और उसकी जगह अब उत्सुकता के भाव नजर आने लगे थे। "कर्ली के हाथ में क्या हुआ?" उसने पूछा।

वहाँ एक अजीब सा सन्नाटा पसर गया। कैंडी ने चुपके से लेनी की ओर देखा और खाँसा। "क्या मतलब... उसका हाथ मशीन में आ गया था, मैम। उसका हाथ उसकी खुद की वजह से टूटा।"

उसने एक पल के लिए उन्हें देखा और फिर हँस पड़ी। "एकदम बकवास! तुम्हें क्या लगता है, कि तुम मुझे बेवकूफ बना दोगे? कर्ली ने किसी के साथ लड़ाई मोल ली जो वह जीत नहीं पाया। मशीन में आ गया... क्या बकवास है! अगर ऐसा है, तो जब से उसका हाथ घायल हुआ है, उसने क्यों किसी को भी मारने की बात नहीं की। बताओ, कि उसका यह हाल किसने किया?"

कैंडी ने खिन्न होते हुए अपनी बात दोहराई, "उसका हाथ मशीन में आ गया था।"

"ठीक है," उसने तिरस्कारपूर्वक कहा। "ठीक है, अगर तुम नहीं बताना चाहते तो यही सही। मुझे क्या? तुम आवारा, निकम्मों को लगता है कि तुम बहुत होशियार हो। तुम्हें क्या लगता है कि मैं कोई बच्ची हूँ? मैं चाहती तो मैं अभिनय का रास्ता चुन सकती थी। और सिर्फ यही नहीं एक आदमी ने तो मुझे फिल्मों में अभिनय करने का प्रस्ताव भी दिया था।" आवेग में आकर उसकी साँस फूलने लगी। "आज शनिवार की रात है। सारे लोग बाहर जाकर मजे कर रहे हैं। सब के सब! और मैं क्या कर रही हूँ? यहाँ खड़ी होकर कुछ आवारा और जाहिल लोगों के साथ गप्पें मार रही हूँ। जिनमें एक नीग्रो, एक बेवकूफ सा दिखे वाला आदमी और एक बूढ़ा है। और मुझे यह अच्छा लग रहा है क्योंकि यहाँ बात करने के लिए और कोई नहीं है।"

लेनी अधखुले मुँह से उसे देख रहा था। क्रूक्स चुपचाप सब सुन रहा था। उसने एक नीग्रो होने की सुरक्षात्मक गरिमा को त्याग दिया था। लेकिन बूढ़े कैंडी में थोड़ा तब्दीली आयी। वह एकाएक खड़ा हुआ और कीलों के ड्रम को, जिस पर वह बैठा हुआ

था, पीछे धकेलते हुए गुस्से से बोला, "बस, बहुत हुआ।" "तुम यहाँ से चली जाओ। हमने कहा न कि तुम्हारी यहाँ कोई जरुरत नहीं है। तुम्हारे विचार हम लोगों के प्रति काफी भद्दे और फूहड़ किस्म के हैं। तुममें तो इतनी भी समझ नहीं है कि तुम यह देख सको कि हम कोई आवारागर्द नहीं हैं। चलो मान लो कि तुमने हमें यहाँ से निकलवा दिया। मान लो कि तुमने ऐसा किया। तो तुम्हें क्या लगता है कि हम दर-दर भटककर ऐसी ही दो कौड़ी की घटिया सी नौकरी ढूँढेंगे। तुम नहीं जानती कि हमारे पास खुद का फार्म और खुद का घर है, जहाँ हम जब चाहे जा सकते हैं। हमें यहाँ रहने की कोई जरुरत नहीं है। हमारे पास एक घर है, कुछ मुर्गियाँ हैं, फलों के पेड़ हैं और एक ऐसी जगह है जो यहाँ से सौ गुना ज्यादा सुन्दर है। और हमारे पास दोस्त भी हैं। यह सब है हमारे पास। सही है कि ऐसा एक वक्त था जब हमें यहाँ से निकाले जाने का डर सताता था लेकिन अब ऐसा कुछ नहीं है। हमारे पास खुद की जमीन है, और वह हमारी है। और हम जब चाहे वहाँ जा सकते हैं।"

कर्ली की बीवी उसकी बातें सुनकर जोर से हँस पड़ी। "यह सब बकवास है," उसने कहा, "मैंने तुम्हारे जैसे कई लोगों को देखा है। अगर तुम्हारे पास पैसे हैं तो तुम उसे शराब पीने में क्यों बर्बाद कर रहे हो। मैं तुम जैसे लोगों को अच्छे से जानती हूँ।"

कैंडी का चेहरा गुस्से से लाल हो गया, लेकिन कर्ली की बीवी की बात खत्म होने से पहले ही उसने खुद पर काबू पा लिया। वह ऐसी परिस्थिति को सम्भालने में माहिर था। "मुझे पता था," उसने नीची आवाज में कहा। "बेहतर यही होगा कि तुम यहाँ से दफा हो जाओ। हमारे पास तुम्हें कहने के लिए कुछ नहीं है। हमें पता है कि हमारे पास क्या है, और हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की तुम इस बारे में जानती हो या नहीं। तो बेहतर होगा कि तुम अब यहाँ से चली जाओ क्योंकि कर्ली को शायद यह बिलकुल अच्छा न लगे कि उसकी बीवी यहाँ बाड़े में कुछ आवारागर्द लोगों के साथ है।"

उसने एक-एक कर सबके चेहरे देखे, सबकी आँखें उसे घूर रही थी। उसने लेनी को देर तक घूरा और तब तक घूरती रही जब तक की उसने शर्मिन्दा होकर नजरें नहीं झुका ली। अचानक से उसने पूछा, "तुम्हारे चेहरे पर इतनी चोटें कैसे लगी?"

लेनी ने अपराधी भाव से ऊपर देखा। "कौन मैं?"

"हाँ, तुम।"

लेनी ने मदद के लिए कैंडी की ओर देखा, और फिर नीचे पैरों की ओर देखने लगा। "उसका हाथ मशीन में आ गया था," उसने कहा।

कर्ली की बीवी की हँसी छूट पड़ी। "अच्छा, मशीन। मैं तुमसे बाद में बात करुँगी। मुझे मशीनें पसन्द हैं।"

कैंडी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "तुम इसे अकेला छोड़ दो। इसे परेशान करने की सोचना भी मत। तुमने जो कुछ भी कहा मैं जॉर्ज को सब बताऊँगा। जॉर्ज तुम्हें लेनी को परेशान नहीं करने देगा।"

"कौन जॉर्ज?" उसने पूछा। "वह छोटे कद वाला आदमी जिसके साथ तुम यहाँ आये हो?"

लेनी खुशी से मुस्कुराया। "हाँ वही," उसने कहा। "वही, और वह मुझे खरगोश पालने देगा।"

"अच्छा, अगर तुम्हें सिर्फ खरगोश चाहिए तो मैं तुम्हारे लिए एक-दो खरगोश ला सकती हूँ।"

क्रूक्स अपने बिस्तर से उठा और उसके सामने आ गया। "बस, बहुत हुआ," उसने रुखाई से कहा। "तुम्हें एक काले आदमी के कमरे में आने का कोई हक नहीं है। तुम्हें कोई हक नहीं है कि तुम यहाँ आकर हमें परेशान करो। अब तुम जितनी जल्दी हो सके यहाँ से निकल जाओ। अगर तुमने ऐसा नहीं किया तो मैं मालिक से कहूँगा कि तुम्हें अब कभी भी बाड़े में नहीं आने दिया जाये।"

उसने नफरत से उसकी तरफ देखा। "सुनो, नीग्रो," उसने कहा। "तुम जानते हो कि अगर तुमने मुँह खोला तो मैं तुम्हारे साथ क्या कर सकती हूँ?"

क्रूक्स ने निराशाजनक ढंग से उसकी तरफ देखा, और फिर अपने बिस्तर पर बैठकर खुद को एक तरफ समेट लिया।

वह उसके करीब आयी। "तुम्हें पता है न मैं क्या कर सकती हूँ?"

क्रूक्स उसके सामने कमजोर दिखाई पड़ रहा था। उसने खुद को दीवार से सटाते हुए कहा, "जी, मैम।"

"तो फिर तुम अपनी औकात में रहो, नीग्रो। मैं चाहूँ तो बड़ी आसानी से तुम्हें पेड़ पर टंगवा सकती हूँ और यह बिलकुल भी दिलचस्प नहीं होगा।"

क्रूक्स उसके सामने एकदम नगण्य जान पड़ रहा था। उसका व्यक्तित्व, उसका अहंकार सब खत्म हो चुका था। उसके भीतर किसी तरह की कोई भावना नहीं बची थी। यहाँ तक कि पसन्द और नापसन्द की भी नहीं। "जी, मैम," उसने सिर हिलाया और खामोश हो गया।

एक पल के लिए तो वह उसके समीप ऐसे खड़ी हो गयी मानो उसके कुछ बोलने का इन्तजार कर रही हो ताकि वह उसे दोबारा से लताड़ सके, लेकिन क्रूक्स चुपचाप बैठा रहा, उसने नजरें फेर लीं, और हर वह चीज जिससे उसे तकलीफ हो सकती थी अपने भीतर दबा दी। आखिर में वह बाकी दो लोगों की ओर मुड़ी।

बूढ़ा कैंडी तल्लीनता से उसे देख रहा था। "अगर तुमने ऐसा कुछ किया तो हम सब कुछ बता देंगे," उसने धीमे स्वर में कहा। "हम बता देंगे कि क्रूक्स पर लगाये तुम्हारे सारे आरोप झूठे हैं।"

"ऐसा कहकर तुम खुद को ही मुसीबत में डालोगे," उसने चिल्लाकर कहा। "कोई तुम्हारी बात नहीं सुनेगा, तुम यह अच्छी तरह जानते हो। कोई तुम्हारी बात नहीं मानेगा।"

कैंडी निराश हो गया। "नहीं, उसने समर्थन किया। "कोई हमारी बात नहीं सुनेगा।"

"काश जॉर्ज यहाँ होता," लेनी बुदबुदाया। "काश वह यहाँ होता।"

कैंडी उसके नजदीक गया। "तुम चिन्ता मत करो," उसने कहा। "मैंने अभी-अभी लोगों के आने की आवाज सुनी है। विश्वास करो, जॉर्ज इस वक्त बंक हाउस में होगा।" फिर वह कर्ली की बीवी की तरफ मुड़ा। "तुम्हारे लिए अच्छा होगा कि अब तुम घर जाओ," उसने धीरे से कहा। "अगर तुम इसी समय यहाँ से चली गई, तो हम कर्ली को नहीं बताएँगे कि तुम यहाँ आयी थी।"

उसने अत्यन्त सावधानी से उनका निरीक्षण किया। "मुझे यकीन नहीं होता कि तुमने कुछ सुना।"

"बेहतर होगा कि तुम कोई जोखिम न लो," उसने कहा। "अगर तुम्हें यकीन नहीं है तो ठीक यही होगा कि तुम सावधानी बरतो।"

वह लेनी की तरफ पलटी। "मुझे खुशी है कि तुमने कर्ली को थोड़ा सा पीटा। उसके साथ यह होना ही था। कभी-कभी तो मेरा खुद का मन उसे पीटने का करता है।" यह कहकर वह दरवाजे से बाहर चली गयी और बाड़े के अन्धकार में चलते-चलते गायब हो गयी। जब वह बाड़े से होकर गुजरी तो घोड़ों के गले की जंजीरें बजने लगी, कुछ घोड़े फुफकारने लगे और कुछ पैर पटकने लगे।

क्रूक्स ने खुद को बचाने के लिए अपने ऊपर जो सुरक्षा परतें चढ़ायी थीं, अब धीरे-धीरे वह उनसे बाहर आ रहा था। "तुमने लोगों के वापस आने की जो बात कही थी, क्या वह सच है?" उसने पूछा।

"हाँ बिलकुल। मैंने उन्हें आते हुए सुना था।"

"लेकिन, मैंने कुछ नहीं सुना।"

"मैंने जोर से गेट बन्द होने की आवाज सुनी थी," कैंडी ने कहा। "मानना पड़ेगा," उसने आगे कहा। "कर्ली की बीवी बिना आवाज किये चलने में माहिर है। हालाँकि, मेरे ख्याल से उसने ऐसा करने के लिए काफी अभ्यास किया होगा।"

क्रूक्स ने सारी बातों से अब मुँह मोड़ लिया। "शायद तुम लोगों को अब यहाँ से जाना चाहिए," उसने कहा। "मैं नहीं चाहता कि तुम लोग यहाँ अब और रुको। एक नीग्रो के भी कुछ अधिकार होते हैं चाहे वह उसे पसन्द हो या न हो।"

"उस घटिया औरत को तुमसे ऐसे बात नहीं करनी चाहिए थी," कैंडी ने कहा।

"यह तो कुछ भी नहीं था," उसने मंद स्वर में कहा। "तुम लोगों के यहाँ आने से मैं सब कुछ भूल सा गया था। लेकिन उसने जो कुछ भी कहा, सब सच है।"

बाहर घोड़े फुफकारने लगे और उनके गले की जंजीरें बजने लगी। तभी एक आवाज आयी, "लेनी। ओ लेनी। क्या तुम बाड़े में हो?"

"ये जॉर्ज की आवाज है," लेनी उत्तेजित होकर चिल्लाया। "यहाँ, जॉर्ज। मैं यहाँ हूँ," उसने जवाब दिया।

एक ही पल में जॉर्ज दरवाजे पर खड़ा था और वह नाराज दिखायी दे रहा था। "तुम क्रूक्स के कमरे में क्या कर रहे हो। तुम्हें यहाँ नहीं होना चाहिए था।"

क्रूक्स ने सिर हिलाया। "मैंने इन्हें कहा था लेकिन ये फिर भी यहाँ आये।"

"तो तुमने इन्हें यहाँ से बाहर क्यों नहीं निकाला?"

"मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता," क्रूक्स ने कहा। "लेनी बहुत अच्छा इनसान है।"

अब कैंडी ने बोलना शुरू किया। "ओह, जॉर्ज! मैं लगातार सोच रहा था और मैंने ढूँढ निकाला कि किस तरह से हम खरगोशों से कुछ पैसे भी बना सकते हैं।" जॉर्ज की त्यौरियाँ चढ़ गयी। "जहाँ तक मुझे याद है, मैंने तुम्हें इस बारे में किसी को भी बताने से मना किया था।"

कैंडी काफी हताश हो गया। "हमने क्रूक्स के अलावा किसी को कुछ नहीं बताया," उसने कहा।

"ठीक है, अब तुम लोग यहाँ से बाहर निकलो," जॉर्ज ने आदेश देते हुए कहा। "हे भगवान, ऐसा लगता है कि मैं एक मिनट के लिए भी कहीं जा नहीं सकता।"

कैंडी और लेनी खड़े होकर दरवाजे की ओर जाने लगे। तभी क्रूक्स ने आवाज दी, "कैंडी!"

"क्या बात है?"

"तुम्हें याद है मैंने तुमसे काम देने के बारे में जो कहा था?"

"हाँ," कैंडी ने कहा। "मुझे याद है।"

"उसे भूल जाओ," क्रूक्स ने कहा। "मैं वो सच में नहीं कह रहा था। बस मजाक कर रहा था। मैं वैसी किसी जगह नहीं जाना चाहता।"

"ठीक है, जैसा तुम्हें सही लगे। शुभ रात्रि।"

तीनों लोग दरवाजे से बाहर चले गये। जैसे ही वे बाड़े से होकर गुजरे, घोड़े फिर से फुफकारने लगे और उनकी जंजीरें खड़खड़ाने लगी।

क्रूक्स अपने बिस्तर पर बैठकर थोड़ी देर दरवाजे को ताकता रहा, और फिर उसने मरहम की शीशी उठा ली। उसने पीछे से अपनी शर्ट बाहर निकाली, और थोड़ा सा मरहम अपनी गुलाबी हथेली में लेकर, हलके हाथों से अपनी पीठ पर मलने लगा।

अध्याय-5

बड़े खलिहान के एक छोर पर भूसे का ढेर लगा दिया गया था और ढेर के ऊपर एक जैक्सन पचंगला (जेली)* अपनी चरखी के साथ लटका हुआ था। खलिहान के दूसरे छोर पर घास पहाड़ी ढलान की तरह नीचे आ गयी थी, और वहाँ एक समतल जगह थी जो अभी तक नयी फसल से नहीं भरी थी। बगल में घोड़ों को चारा खिलाने वाली नांद दिखायी दे रही थी और तख्तों के बीच से घोड़ों के सिर नजर आ रहे थे।

रविवार की दोपहर थी। आराम कर रहे घोड़ों ने घास के बचे हुए टुकड़ों को चबा लिया था, और वे अपने पैर पटक रहे थे, वे नांद की लकड़ी को चबा रहे थे और लगाम की जंजीरों को झकझोर रहे थे। दोपहर का सूरज खलिहान की दीवारों की दरारों से कटकर घास पर चमकीली रेखाओं के रूप में बिछ गया। हवा में मक्खियों की भिनभिनाहट दोपहर के अलसाये माहौल में गुंजा रही थी।

बाहर से फर्श पर घोड़े की नालों की आवाजें आ रही थी। बाहर जुआ जोरों से चल रहा था, घोड़े की नाल लोहे के फर्श पर जोरों से फेंकी जा रही थी और बाजियाँ लग रही थी। जीत का शोर, हार की चिड़चिड़ाहट और तमाशबीनों की मिली-जुली आवाजें खलिहान में आ रही थी। वही दोहपर की अलसायी हुई गर्म धूप भरा माहौल।

खलिहान में उस समय केवल लेनी था, और लेनी खलिहान के अन्त में पैकिंग-केस के पास एक नांद के नीचे घास पर बैठा था, नांद में चारा नहीं था। लेनी घास पर बैठा और अपने सामने पड़े एक छोटे से मरे हुए पिल्ले को देख रहा था। लेनी ने इसे बहुत देर तक देखा और फिर अपना विशाल हाथ बाहर निकालकर उसे सहलाया, सिर से पूँछ तक अच्छी तरह सहलाया।

लेनी ने धीरे से पिल्ले से कहा, "तुम क्यों मर गये? तुम चूहों जितने छोटे भी नहीं हो। मैंने तुम्हें जोर से नहीं उछाला था।" उसने पिल्ले का सिर ऊपर की ओर मोड़ा और उसके चेहरे को देखा, और उससे कहा, "अब शायद जॉर्ज मुझे खरगोश नहीं पालने देगा, अगर उसे पता चला कि मैनें तुम्हें मार दिया है।"

---

*जैक्सन पंचगला (जेली)- पाँच दाँतों अथवा उँगलियों वाला काँटा जो भुस व पुआल अथवा फसल का ढेर लगाने के काम में आता है।

उसने एक छोटा-सा गड्ढा खोदा और उसमें पिल्ले को लिटा दिया और नजरें बचाकर उसे घास से ढक दिया, लेकिन वह अपने बनाये ढेर को देखता रहा। उसने कहा, "अगर मैं भी घास में छिप जाऊँ तो यह कोई बुरी बात नहीं है। अरे नहीं! ऐसा नहीं है। मैं जॉर्ज को बताऊँगा कि मैंने इसे मरा हुआ पाया।"

उसने पिल्ले को निकाला और उसका निरीक्षण किया, और उसने उसको कान से पूँछ तक सहलाया। वह दुखी होकर बोला, "लेकिन उसे पता चल जाएगा। जॉर्ज हमेशा जान जाता है। वह कहेगा, 'यह तुमने ही किया है। मुझे बहकाओ मत।' और वह कहेगा, 'अब बस' इसके चलते तुम्हें खरगोश नहीं मिलेंगे!"

अचानक उसका पारा चढ़ गया। "भगवान तुम्हें धिक्कार है," वह चिल्लाया। "तुम्हारी जान क्यों ले ली? तुम चूहों जितने छोटे नहीं हो।" उसने पिल्ले को उठाया और अपने ऊपर से फेंक दिया। उसने इससे पीठ फेर ली। वह घुटनों के बल बैठ गया और फुसफुसाया, "अब मैं खरगोशों को नहीं पालूँगा। अब वह मुझे नहीं पालने देगा।" अपने दुःख में वह खुद को आगे-पीछे हिलाता रहा।

बाहर से लोहे के खूँटे पर घोड़े की नाल की आवाज आ रही थी, और फिर थोड़ी सी चीख सुनाई दी। लेनी उठा और पिल्ले को वापस उठा लाया और उसे घास पर लिटा दिया और वहीं बैठ गया। उसने पिल्ले को फिर से सहलाया। उसने कहा, "तुम इतने बड़े नहीं हो।" "उसने बताया था, उसने मुझे बताया था कि तुम इतने बड़े नहीं हो। मुझे नहीं पता था कि तुम इतनी आसानी से मर जाओगे।" उसने पिल्ले के लटके हुए कान पर अपनी उंगलियाँ फिरायीं। "हो सकता है, जॉर्ज पर कोई फर्क ही न पड़े," उसने कहा। "यह बेचारा बहुत छोटा पिल्ला था, जॉर्ज को कुछ फर्क नहीं पड़ेगा।"

आखरी बात खत्म होते-होते कर्ली की पत्नी आ गयी। वह बहुत चुपके से आयी, ताकि लेनी उसे देख न ले। उसने उजली सूती पोशाक और लाल शुतुरमुर्ग पंखों वाले बिना एड़ी की जूतियाँ पहन रखी थीं। उसके चहरे पर मेकअप पुता हुआ था और लौंग जैसे छोटे-छोटे कर्ल अपनी जगह लटक रहे थे। लेनी के देखने से पहले वह उसके काफी करीब गयी थी।

घबराहट में उसने अपनी उंगलियों से पिल्ले के ऊपर घास फेंक दी। उसने उदास होकर ऊपर उसकी ओर कुढ़न से देखा। उसने कहा, "सुन्दर लड़के तुम यहाँ क्या कर रहे हो।"

लेनी उसकी तरफ घूरा, "जॉर्ज का कहना है कि मुझे तुमसे कोई लेना-देना नहीं है, न बात करनी है न कुछ और।"

वह हँसी। "जॉर्ज ही तुम्हें हर चीज के बारे में आदेश देता है?"

लेनी ने नीचे घास की ओर देखा। "वह कहता है कि अगर मैं तुमसे बात या कुछ भी करूँगा तो वह मुझे खरगोश नहीं पालने देगा।"

उसने धीरे से कहा, "उसे डर है कि कर्ली पागल हो जाएगा। ठीक है, कर्ली ने अपना हाथ एक मशीन में डाल लिया था। अगर कर्ली सख्ती दिखाये, तो तुम उसका दूसरा हाथ भी तोड़ देना।" वह हँसी, "मुझसे कुछ छिपा नहीं, मशीन में आने की मनगढंत कहानी मुझे मत सुनाना, मेरे सामने यह झूठ नहीं चलने वाला, मैं सब जानती हूँ।"

लेकिन लेनी को आकर्षित नहीं किया जा सका। "नहीं, मैडम। मुझे आपसे बात या कुछ भी नहीं करना है।"

वह उसकी बगल में घास पर घुटनों के बल बैठ गयी। "सुनो," उसने कहा, "सभी लोग अस्तबल में जाकर घोड़ों को नाल ठोक रहे है और जुआ खेलनें में मशगूल हैं। अभी लगभग चार बजे हैं। उनमें से कोई भी उस अस्तबल से बाहर आने वाला नहीं है। मैं तुमसे बात क्यों नहीं कर सकती? मैं कभी किसी से बात नहीं कर पाती। मैं हद से ज्यादा अकेलापन झेलती हूँ।" लेनी ने कहा, "जो भी हो, मुझे आपसे बात या कुछ भी नहीं करना चाहिए।"

"मैं अकेली पड़ जाती हूँ," उसने कहा। "तुम लोगों से बात कर सकते हो, लेकिन मैं कर्ली के अलावा किसी और से बात नहीं कर सकती। नहीं तो वह पागल हो जाएगा।"

"यह कैसे हो सकता है कि आप किसी से बात न करें?" लेनी ने कहा,

"जो भी हो, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए। जॉर्ज को डर है कि मैं मुसीबत में पड़ जाऊँगा।"

उसने विषय बदल दिया।"तुमने वहाँ क्या छिपा रखा है?"

लेनी की सारी मुसीबतें फिर से वापस आ गयी। "मेरा पिल्ला है," उसने उदास होकर कहा।

" 'जूस' मेरा छोटा पिल्ला।" और उसने उसके ऊपर से घास हटा दी। "वह मर क्यों गया," वह चिल्लायी।

"वह बहुत छोटा था," लेनी ने कहा। "मैं उसके साथ खेल रहा था और उसने ऐसे किया जैसे वह मुझे काट लेगा और मैंने ऐसे किया जैसे मैं उसे मारूँगा और... और. .. मैंने मार दिया। और फिर वह मर गया।"

उसने उसे सांत्वना दी। "तुम चिन्ता मत करो। वह पिल्ला ही तो था। तुम्हें आसानी से दूसरा मिल जाएगा। पूरा देश पिल्लों से भर पड़ा है।"

"बात इतनी नहीं है कि ये बहुत सारे हैं," लेनी ने दुखी होकर समझाया। "जॉर्ज अब मुझे खरगोश नहीं देगा।"

"वह क्यों नहीं पालने देगा?"

"अरे, उसने कहा कि अगर मैंने और कोई बुरा काम किया तो वह ऐसा नहीं करने देगा, मुझे खरगोश नहीं पालने देगा।"

वह सरकते हुए उसके पास आ गयी और प्यार से बोली। "क्या तुम्हें मुझसे बतियाने की कोई परवाह नहीं है। बाहर लोगों की बात सुनो। उन्होंने अस्तबल में चार डालर की शर्त जीती है। जब तक ये खर्च नहीं हो जाएंगे उनमें से कोई यहाँ नहीं आने वाला।"

"अगर जॉर्ज ने मुझे तुमसे बातें करते देख लिया तो वह मुझे मरेगा," लेनी ने परेशान होते हुए कहा। "उसने मुझसे ऐसा ही कहा था।"

"मेरे साथ ही क्या दिक्कत है?" वह चिल्लायी। "क्या कोई मुझे बात करने लायक नहीं समझता? आखिरकार, वे मुझे समझते क्या है। तुम एक अच्छे लड़के हो। मेरी समझ में नहीं आता कि मैं तुमसे बात क्यों नहीं कर सकती। मैंने तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ा है।"

"जो भी हो, जॉर्ज ने मुझसे कहा है कि तुम हमें मुसीबत में डाल दोगी।"

"अरे, पागल!" उसने कहा। "मैं तुम्हें किसी तरह का नुकसान पहुँचा रही हूँ? ऐसा लगता है कि जैसे उन्हें इसकी कोई परवाह ही नहीं है कि मैं कैसे जी रही हूँ। मैं तुम्हें बता रही हूँ कि मुझे इस तरह जीने की आदत नहीं है। मैं कुछ बन सकती थी।"

उसने गहराई से कहा, "शायद अभी भी बन जाऊँगी।" और फिर अपनी बात कहने के जुनून में उसके शब्द फूट पड़े, जैसे कि अपने श्रोता के दूर चले जाने से पहले जल्दबाजी में हो। "मैं खास सेलिनास शहर की हूँ," उसने कहा। "जब मैं बच्ची थी तब वहाँ आयी थी।" खैर, वहाँ एक शो हुआ और मेरी मुलाकात एक अभिनेता से हुई। उसने मुझे शो के साथ ही चलने को कहा था। लेकिन मेरी बूढ़ी माँ ने मुझे नहीं जाने दिया। वह कहती थी क्योंकि 'यह केवल पंद्रह साल की ही तो है'। लेकिन वह आदमी कहता था कि मैं अच्छा कर सकती हूँ। अगर मैं चली जाती, तो मैं इस तरह नहीं रहती, तुम शर्त लगा सकते हो।"

लेनी ने पिल्ले को आगे-पीछे सहलाया। "हमारी एक छोटी सी जगह होगी और खरगोश होंगे" उसने समझाया।

वह अपनी कहानी को तेजी से आगे बढ़ाती रही, इससे पहले कि उसे रोका नहीं गया। "बाद में मैं एक कलाकार लड़के से मिली। उसके साथ रिवर साइड डांस पैलेस में गई थी। वह कहता था कि वह मुझे फिल्मों में काम दिलवा देगा। वह कहता था कि मैं पैदाइशी कलाकार थी। कुछ दिन बाद ही वह हॉलीवुड चला गया, यहाँ तक कि उसने

मुझे पत्र लिखा था।" उसने लेनी को ध्यान से देखा कि क्या वह उसे प्रभावित कर रही है। "मुझे वह पत्र कभी नहीं मिला," उसने कहा। "मैंने हमेशा यही सोचा कि मेरी बूढ़ी माँ ने इसे चुराया होगा। खैर, मैं ऐसी किसी जगह पर नहीं रहने वाली जहाँ मैं कहीं आगे नहीं बढ़ सकती या खुद को कुछ बना नहीं सकती, जहाँ कोई आपके पत्र चुरा ले। उसने इसे चुराया था और फिर भी इनकार कर दिया तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। इसलिए मैंने कर्ली से शादी कर ली। उसी रात रिवरसाइड डांस पैलेस में उससे मुलाकात हुई।" उसने सवाल किया, "तुम सुन रहे हो न?"

"मैं? हाँ, जरूर।"

"ठीक है, मैंने यह बात पहले किसी को नहीं बतायी। शायद मुझे बतानी चाहिए थी।"

"मुझे कर्ली पसंद नहीं है। वह अच्छा लड़का नहीं है।" और चूँकि लेनी ने उस पर विश्वास कर लिया था, इसलिए वह लेनी के और करीब आकर बैठ गयी। "मैं फिल्मों में जा सकती थी, और मेरे पास अच्छे कपड़े होते, वे सारे अच्छे कपड़े जैसे वे पहनते हैं। और मैं उनके साथ बड़े-बड़े होटलों में जा सकती थी, और वे मुझे पिक्चर में ले सकते थे। जब वे उनका प्रीव्यू करते तो मैं भी उनके साथ होती, और रेडियो पर बात करती, और इसमें मुझे एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ता क्योंकि मैं पिक्चर में थी। मैं सारे अच्छे कपड़े पहनती जैसे वे सभी पहनते हैं। क्योंकि वे कहते थे कि मैं स्वाभाविक रूप से कलाकार थी।" उसने लेनी की ओर देखा, और उसने यह दिखाने के लिए कि वह अभिनय कर सकती है, उसने अपने हाथ और बहाँ से एक छोटी सी भव्य मुद्रा बनायी। उँगलियाँ उसकी कलाई के पीछे फँस गयीं, और उसकी छोटी उँगली बाकि उँगलियों से अलग होकर भव्य रूप से बाहर की ओर निकल गयी।

लेनी ने गहरी आह भरी। बाहर से फर्श पर घोड़े की टाप सुनायी दी और फिर जयकारों का कोरस। "किसी ने घण्टी बजायी है," कर्ली की पत्नी ने कहा।

अब जैसे-जैसे सूरज ढल रहा था, रोशनी ऊपर उठ रही थी, और सूरज की किरणें दीवार पर आ गयी और नांद तथा घोड़ों के सिर पर भी पड़ने लगी। लेनी ने कहा, "अगर मैं इस पिल्ले को बाहर निकालकर फेंक दूँ तो शायद जॉर्ज को कभी पता नहीं चलेगा। और फिर मैं बिना किसी परेशानी के खरगोश पाल सकता हूँ।" कर्ली की पत्नी ने गुस्से में कहा, "क्या तुम खरगोशों के अलावा कुछ नहीं सोचते?"

"हमें एक छोटी सी जगह मिलेगी," लेनी ने धैर्यपूर्वक समझाया।

"हमारे पास एक घर, एक बगीचे और अल्फाल्फा घास के लिए एक जगह होगी, और वह अल्फाल्फा घास खरगोशों के लिए होगी, और मैं एक बोरा लेकर इसे अल्फाल्फा से पूरा भरकर खरगोशों के पास ले जाऊँगा।"

उसने पूछा, "तुम खरगोशों के पीछे इतना पागल क्यों हो?"

लेनी को किसी नतीजे पर पहुँचने से पहले सावधानी से सोचना पड़ा। वह सावधानी से उसके करीब चला गया, ठीक उसके मुँह के सामने। "मुझे अच्छी चीजें पसन्द हैं। एक बार एक मेले में मैंने कुछ लम्बे बालों वाले खरगोश देखे थे। और वे अच्छे थे, चाहे आप शर्त लगा लो। कभी-कभी मैंने चूहे भी पाले हैं, लेकिन तभी जब मुझे इससे बेहतर कुछ नहीं मिल पाता था।"

कर्ली की पत्नी उससे थोड़ा दूर हट गयी। "मुझे लगता है कि तुम पागल हो," उसने कहा।

"नहीं, मैं नहीं हूँ," लेनी ने गम्भीरता से समझाया।" जॉर्ज का कहना है कि मैं ऐसा नहीं हूँ। मुझे अच्छी चीजों को अपनी उँगलियों से सहलाना पसन्द है।"

वह थोड़ा आश्वस्त हुई। "अच्छा, किस को नहीं है?" उसने कहा। "यह तो हर किसी को पसन्द है। मुझे रेशम और मखमल को सहलाना पसन्द है। क्या तुम्हें मखमल को सहलाना पसन्द है?"

लेनी खुशी से हँसा। "शर्तिया तौर पर, भगवान कसम," वह खुशी से रो पड़ा। "और यह मेरे पास भी था। एक महिला ने मुझे कुछ दिया था, और वह महिला मेरी अपनी आंटी क्लारा थी। उसने मुझे काफी बड़ा टुकड़ा दे दिया था। काश मेरे पास वह मखमल अभी तक होता।" उसके चेहरे पर शिकन आ गयी। "मैंने उसे खो दिया," उसने कहा। "मैंने उसे काफी समय से नहीं देखा है।"

कर्ली की पत्नी उस पर हँसी। "तुम पागल हो," उसने कहा। "लेकिन तुम औरों से अच्छे दोस्त हो। एक बड़े बच्चे की तरह हो। लेकिन बच्चे की तरह कोई भी यह समझ सकता है कि तुम क्या कहना चाहते हो। जब मैं अपने बाल बना रही होती हूँ तो कभी-कभी मैं इनमें उँगलियाँ फिराती हूँ, क्योंकि यह बहुत नरम होते हैं।" यह दिखाने के लिए कि वह यह कैसे करती है, उसने अपनी उँगलियाँ अपने सिर के ऊपर फिरायी। "कुछ लोगों के बाल थोड़े मोटे होते हैं," उसने आत्मसंतुष्टि से कहा। "कर्ली को ही लीजिए। उसके बाल बिल्कुल तार की तरह हैं। लेकिन मेरे बाल मुलायम और अच्छे हैं। बेशक मैं इन्हें बहुत ब्रश करती हूँ। इससे यह ठीक हो जाते हैं। यहाँ, ठीक यहीं महसूस करो।" उसने लेनी का हाथ लिया और अपने सिर पर रख दिया। "वहाँ ठीक से महसूस करो और देखो यह कितने नरम हैं।"

लेनी की बड़ी उँगलियाँ उसके बालों को सहला रही थीं। "ज्यादा मत करना," उसने कहा।

लेनी ने कहा, "अरे! यह मजेदार है," और उसने और ज्यादा कड़ाई से उंगलियाँ

फिरायीं। "अरे, बहुत मजेदार है।"

"अब देखो, तुम इन्हें उलझा दोगे।" और फिर वह गुस्से से चिल्लायी, "अब तुम इसे बन्द करो, तुम उलझा दोगे।" उसने अपना सिर बगल में झटक दिया और लेनी की उँगलियाँ उसके बालों में कस गयी और अटक गयीं। "छोड़ दो," वह चिल्लायी। "छोड़ो।"

लेनी डरके घबरा गया। उसका चेहरा बिगड़ सा हो गया। वह फिर चिल्लायी, और लेनी का दूसरा हाथ उसके मुँह और नाक पर कस गया। "कृपया ऐसा मत करो," उसने विनती की। "ओह, कृपया चिल्लाओ मत। जॉर्ज गुस्सा हो जायेगा।"

वह उसके हाथों के नीचे हिंसक संघर्ष कर रही थी। घास के ऊपर उसके पैर दुल्लतियाँ चलाते हुए झूल रहे थे और वह आजाद होने के लिए छटपटा रही थी, और लेनी के हाथ के नीचे से एक दबी हुई चीख सुनायी दी। लेनी डर के मारे रोने लगा।

"अरे! कृपया ऐसा मत करो," उसने विनती की। "जॉर्ज आ जायेगा और कहेगा, मैंने बुरा काम किया है। वह मुझे खरगोश नहीं पालने देगा।" उसने अपना हाथ थोड़ा सा हिलाया और लड़की की कर्कश चीख निकल गयी। फिर लेनी को गुस्सा आ गया। "अब मत चीखो," उसने कहा। "मैं नहीं चाहता कि तुम चिल्लाओ। तुम मुझे मुसीबत में डाल दोगी, जैसा कि जॉर्ज कहता है, तुम करोगी ही। अब तुम चिल्लाओ मत।" और वह संघर्ष करती रही, और दहशत में उसकी आँखें फैल गयीं। उसने लड़की को हिलाया, और वह उस पर नाराज था। "क्या तुम अब नहीं चिल्लाओगी," उसने कहा, और लड़की को एक बार फिर हिलाया और उसकी देह किसी मछली की तरह हवा में फड़फड़ा रही थी। और फिर वह बिलकुल स्थिर हो गयी, लेनी ने उसकी गर्दन तोड़ दी थी।

उसने लड़की को गौर से देखा, सावधानी से उसके मुँह से हाथ हटाया और नीचे लिटा दिया, वह स्थिर थी। "मैं तुम्हें नुकसान नही पहुँचाना चाहता" उसने कहा, "लेकिन अगर तुम चिल्लाओगी तो जॉर्ज पागल हो जाएगा।" जब उसने कोई जवाब नहीं दिया और न ही हिली तो वह उसके करीब झुक गया। उसने उसका हाथ उठाया और उसे छोड़ दिया। एक पल के लिए वह हतप्रभ लग रहा था। और फिर वह डरते हुए फुसफुसाया, "मैंने बहुत बुरा काम किया है। मैंने एक और बुरा काम किया है।" वह तब तक उस पर घास उठाकर डालता रहा जब तक कि वह आंशिक रूप से ढक नहीं गयी।

खलिहान के बाहर से लोगों की चीख और घोड़ों की नाल की दोहरी आवाज सुनायी दे रही थी। लेनी पहली बार बाहर के प्रति सचेत हुआ। वह घास पर झुक गया और सुनने लगा। उसने कहा, "मैंने सचमुच बहुत बुरा काम किया है।" "मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। जॉर्ज गुस्से से पागल हो जायेगा, और उसने कहा था कि जब तक वह नहीं आये तब तक झाड़ियों में छिपे रहना। वह पागल हो जायेगा। उसके आने तक झाड़ियों में छिपे रहना, उसने यही कहा था।" लेनी वापस गया और मृत लड़की को देखा।

पिल्ला भी उसके पास ही लेटा हुआ था। लेनी ने इसे उठाया। "मैं इसे फेंक दूँगा," उसने कहा। "यह जैसा है वैसा ही काफी बुरा है।" उसने पिल्ले को अपने कोट के नीचे रखा और खलिहान की दीवार पर चढ़ गया और दरारों के बीच से ओर झाँकने लगा जिस ओर घोड़े की नाल का खेल हो रहा था। और फिर वह आखिरी नांद के अन्त तक रेंगता हुआ गया और गायब हो गया।

दीवार पर धूप की धारियाँ ऊपर चली गयी थीं और खलिहान में रोशनी धीमी हो रही थी। कर्ली की पत्नी अपनी पीठ के बल लेटी हुई थी और वह घास से आधी ढकी हुई थी।

खलिहान में बहुत शान्ति थी, और खेत में दोपहर बाद का सन्नाटा था। यहाँ तक कि नाल लगे जूतों की खनक, यहाँ तक कि खेल में पुरुषों की आवाजें भी शान्त होती जा रही थीं। बाहर दिन होने के बावजूद खलिहान में धुंधलका था। एक कबूतर घास के पास वाले दरवाजे से उड़कर अन्दर आया और चक्कर लगाकर फिर से बाहर उड़ गया।

एक दुबली और लम्बी, चरवाहों के साथ रहने वाली कुतिया भारी कदमों से आयी और आखिरी ढेर के आस-पास मंडराने लगी। पैकिंग-बाक्स के आधे रास्ते में जहाँ पिल्ले थे, उसने कर्ली की पत्नी की मौत की गंध महसूस की और उसकी रीढ़ के उपर के बाल खड़े हो गये वह और वह पैकिंग-बाक्स की ओर लपकी और उछलकर उसमें लेटे पिल्लों के पास पहुँच गयी।

कर्ली की पत्नी पीली घास से आधी ढकी हुई लेटी थी। और उसके चेहरे से क्षुद्रता और योजनाएँ, असंतोष और ध्यान आकर्षित करने की पीड़ा सब गायब हो गयी थी। वह बहुत सुन्दर और सरल लग रही थी तथा उसका चेहरा मधुर और युवा था। अब उसके सुर्ख गाल और लाल होंठ उसे जीवन्त और बहुत हल्के ढंग से सोये होने की आभा दे रहे थे। कर्ल, छोटे-छोटे फुंदने, उसके सिर के पीछे घास पर बिखरे हुए थे, और उसके होंठ खुले हुए थे।

जैसा कि कभी-कभी होता है, एक पल ठहर गया और मंडराया व हवा में एक पल से ज्यादा समय तक रहा। बाकी आवाजें ठहर गयीं और गति एक क्षण से भी बहुत-बहुत समय के लिए रुक गई। उसके बाद धीरे-धीरे समय फिर से जागा और धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगा। नांद के दूसरी तरफ घोड़े पैर पटकने लगे और लगाम की जंजीरें बजने लगीं। बाहर, लोगों की आवाजें तेज और स्पष्ट होती गयी।

आखिरी ढेर के अंत से बूढ़े कैंडी की आवाज आयी। "लेनी," उसने पुकारा। "अरे, लेनी! "तुम यहाँ हो? मैं कुछ और सोच रहा हूँ। तुम्हें बताऊँ हम क्या कर सकते हैं, लेनी। "बूढ़ा कैंडी आखिरी ढेर के अन्त में दिखायी दिया। "अरे, लेनी!" उसने फिर पुकारा, और

फिर वह रुक गया, और उसका शरीर जड़ हो गया। उसने अपनी चिकनी कलाई को अपनी सफेद ठूण्ठ वाली मूँछों पर रगड़ा। "मुझे नहीं पता था कि तुम यहाँ हो," उसने कर्ली की पत्नी से कहा।

जब उसने कोई जवाब नहीं दिया तो वह और करीब आ गया। "तुम्हें यहाँ नहीं सोना चाहिए था," उसने निराशापूर्वक कहा, और फिर वह उसकी बगल में गया और बोल पड़ा, "ओह, यीशु मसीह!" उसने असहाय होकर इधर-उधर देखा, और अपनी दाढ़ी रगड़ी। फिर वह उछलकर तेजी से खलिहान से बाहर चला गया।

लेकिन खलिहान अब जीवन्त था। घोड़े पैर पटक और फुफकार रहे थे, और वे अपने नीचे फैले घास को चबाने के लिए उनकी लगाम की जंजीरें आपस में टकरा जाती थी। एक पल में ही कैंडी वापस आया और जॉर्ज उसके साथ था।

जॉर्ज ने कहा, "तुम मुझे क्या दिखाना चाहते थे?"

कैंडी ने कर्ली की पत्नी की ओर इशारा किया। जॉर्ज ने घूरकर देखा। "इसके साथ क्या हुआ है?" उसने पूछा। वह करीब आया, और फिर उसने भी कैंडी के शब्दों को दोहराया। "ओह, यीशु मसीह!" वह उसकी बगल में घुटनों के बल बैठा था। उसने अपना हाथ उसके दिल पर रख दिया। और अन्त में, जब वह खड़ा हुआ, धीरे-धीरे और कठोरता से, उसका चेहरा लकड़ी की तरह कड़ा और तना हुआ था, और उसकी आँखें कठोर थीं।

कैंडी ने कहा, "यह किसने किया?"

जॉर्ज ने उसकी ओर ठण्डेपन से देखा। "तुम्हें क्या लगता है?" उसने पूछा। कैंडी चुप रहा। जॉर्ज ने निराशाजनक ढंग से कहा, "मुझे पता होना चाहिए था। मुझे लगता है कि शायद यह मेरे दिमाग में बहुत पहले आ गया था।"

कैंडी ने पूछा, "अब हम क्या करेंगे, जॉर्ज। हम क्या करेंगे?"

जॉर्ज को उत्तर देने में काफी समय लग गया। "लगता है हमें लोगों को बताना होगा। मुझे लगता है कि हमें 'उसे बन्द' कर देना होगा। हम उसे दूर नहीं जाने दे सकते। क्योंकि, बेचारा कमीना भूखा मर जायेगा।" और उसने खुद को आश्वस्त करने की कोशिश की। "शायद वे उसे कैद कर दें और उसके साथ अच्छा व्यवहार करें।"

लेकिन कैंडी ने उत्साह से कहा, "हमें चाहिए कि उसे भाग जाने दें। तुम उस कर्ली को नहीं जानते। कर्ली उसे पीट-पीट कर मार डालेगा। कर्ली उसे मार डालेगा।"

जॉर्ज ने कैंडी के होठों को देखा। "हाँ," उसने अन्त में कहा, "यह सच है, कर्ली यही करेगा। और दूसरे लोग भी यही करेंगे।" और उसने पीछे मुड़कर कर्ली की पत्नी की ओर देखा।

अब कैंडी ने अपना सबसे बड़ा डर बताया। "तुम्हें और मुझे वह छोटी सी जगह

मिल सकती है, है न जॉर्ज? तुम और मैं वहाँ जा सकते है और अच्छे से जी सकते हैं, क्या हम यह नहीं कर सकते, जॉर्ज? क्या हम नहीं कर सकते?" जॉर्ज के उत्तर देने से पहले, कैंडी ने अपना सिर झुकाया और नीचे खाड़ी में देखने लगा। वह जान गया था।

जॉर्ज ने धीरे से कहा, "मुझे लगता है कि मैं पहले से ही जानता था। मुझे लगता है कि मुझे पता था कि हम उस लड़की के रहते कभी ऐसा नहीं कर पायेंगे। उसे उसके बारे में सुनना अच्छा लगता था मैं यह सोचने पर मजबूर हो गया कि शायद हम ऐसा कर लेंगे।"

"तो फिर... सब खत्म हो गया?" कैंडी ने नाराजगी से पूछा।

जॉर्ज ने उसके सवाल का जवाब नहीं दिया। जॉर्ज ने कहा, "मैं पूरा महीना काम करूँगा, और अपने पचास डॉलर लूँगा और मैं सारी रातें किसी घटिया वेश्यालय में गुजारूँगा, या मैं हमेशा के लिए किसी जुआघर में बस जाऊँगा और जब सब घर चले जायेंगे फिर मैं एक और महीने के लिए काम पर वापस आऊँगा और मेरे पास पचास डॉलर और आ जायेंगे।"

कैंडी ने कहा, "वह बहुत अच्छा लड़का है। मैंने नहीं सोचा था कि वह ऐसा कुछ करेगा।"

जॉर्ज अब फिर कर्ली की पत्नी को घूरने लगा। "लेनी जानबूझकर ऐसा कभी नहीं करेगा," उसने कहा। "हर समय उसने बुरे काम किये, लेकिन उनमें से कोई भी जान बूझकर नहीं किया।" वह सीधा हुआ और फिर से कैंडी की ओर देखा। "अब सुनो। हमें लोगों को बताना होगा। मुझे लगता है वे उसे पकड़ लायेंगे। हमारे पास कोई रास्ता नहीं है। शायद वे उसे चोट नहीं पहुँचायेंगे।" उन्होंने तेजी से कहा, "मैं उन्हें लेनी को चोट नहीं पहुँचाने दूँगा। अब तुम सुनो। लोग सोच सकते हैं कि मैं भी इसमें शामिल था। मैं आरामघर में जा रहा हूँ। फिर एक मिनट बाद तुम बाहर आ जाना और लोगों को लड़की के बारे में बता देना, और मैं भी आ जाऊँगा और ऐसा दिखावा करूँगा जैसे मैंने उसे कभी नहीं देखा। क्या तुम ऐसा करोगे? तो लोग यह नहीं सोचेंगे कि मैं इसमें शामिल था?"

कैंडी ने कहा, "जरूर, जॉर्ज। मैं ऐसा ही करूँगा।"

"ठीक है। मुझे दो मिनट दो, और फिर दौड़कर बाहर आ जाना और ऐसे बताना जैसे तुमने उसे अभी-अभी देखा हो। अब मैं जा रहा हूँ।" जॉर्ज मुड़ा और तेजी से खलिहान से बाहर चला गया।

बूढ़े कैंडी ने उसे जाते हुए देखा। उसने असहाय होकर कर्ली की पत्नी की ओर देखा, और धीरे-धीरे उसका दुःख और उसका गुस्सा शब्दों में बदल गया। "तुम बहुत

आवारा हो," उसने दुष्टतापूर्वक कहा। "यह तुम्हारा ही किया-धरा है, है न? मुझे लगता है कि तुम इसी में खुश हो। हर कोई जानता था कि तुम चीजों को गड़बड़ करोगी। तुम अच्छी नहीं थी। तुम अब भी अच्छी नहीं हो, तुम घटिया हो।" उसने छींक मारी और उसकी आवाज काँप उठी। "मैं बगीचे में कुदाल चला सकता था और उन लड़कों के बर्तन धो सकता था।" वह रुका और फिर गाना गाने लगा और उसने पुराने शब्द दोहराये, "अगर शहर में सर्कस या बेसबाल का खेल होता तो हम उस लड़की के साथ जाते और यही कहते भाड़ में जाये काम, और उसके पास चले जाते। कभी भी किसी को ऐसा नहीं कहना चाहिए। और उनके पास सूअर और मुर्गियाँ होती और सर्दियों में चर्बी वाला छोटा चूल्हा और जब बारिश आ रही होती और हम वहीं अन्दर ही बैठे रहते।" आँसुओं से भरी होने के चलते उसकी आँखों से दिखना बन्द हो गया और फिर वह मुड़ा और लड़खड़ाते हुए खलिहान से बाहर चला गया, और उसने अपनी कलाई के ठूंठ से अपनी कठोर मूँछें रगड़ीं।

बाहर खेल का शोर बन्द हो गया। सवालिया आवाजें आने लगीं, दौड़ते पैरों से ढोल जैसी आवाजें आने लगी और लोग खलिहान में घुस आये। स्लिम और कार्लसन और युवा व्हिट और कर्ली, और क्रुक्स शोर की सीमा से बाहर आ गये। उनके बाद कैंडी आया और सबसे अन्त में जॉर्ज। जॉर्ज ने अपना नीला डेनिम कोट पहन लिया था और उसके बटन लगा रहा था, और उसकी काली टोपी उसकी आँखों तक नीचे खिंची हुई थी। लोगों ने आखिरी ढेर के चारों ओर दौड़ लगायी। उनकी नजर अँधेरे में कर्ली की पत्नी पर पड़ी, वे रुककर खड़े हो गये और उसे देखा।

फिर स्लिम चुपचाप उसके पास गया और उसने उसकी कलाई की नब्ज टटोली। एक उँगली को मोड़कर उसके गाल को छूआ और फिर उसका हाथ उसकी गर्दन के नीचे चला गया, गर्दन थोड़ी मुड़ी और उसकी उँगलियों ने लड़की की गर्दन का निरीक्षण किया। जब वह खड़ा हुआ तो सभी ने घेरा तोड़कर उसके चरों ओर भीड़ लगा दी।

कर्ली में अचानक जान आ गयी। "मुझे पता है यह किसने किया है," वह चिल्लाया। "यह उस भीमकाय कुतिया के पिल्ले ने किया है। मुझे पता है कि यह उसी ने किया है। क्योंकि... सभी वहाँ बाहर घोड़े की नाल खेल रहे थे।" उसने हड़बड़ी मचा दी। "मैं उसे पकड़ने जा रहा हूँ। मैं अपनी बन्दूक लेने जा रहा हूँ। मैं खुद उस भीमकाय कुतिया के पिल्ले को मार डालूँगा। मैं उसे गोली मार दूँगा। चलो, तुम लोग।" वह गुस्से में खलिहान से बाहर भागा। कार्लसन ने कहा, "मैं अपना लूगर (पिस्टल) ले आऊँगा," और वह भी बाहर भाग गया।

स्लिम चुपचाप जॉर्ज की ओर मुड़ा। "मुझे लगता है कि लेनी ने यह किया है,

ठीक है न," उसने कहा। "लड़की की गर्दन की नस फटी है। लेनी ही ऐसा कर सकता है।"

जॉर्ज ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन उसने धीरे से सिर हिलाया। उसकी टोपी उसके माथे पर इतनी नीचे थी कि उसकी आँखें ढँक गयी।

स्लिम ने आगे कहा, "शायद तुम वीड के बारे में भी इसी तरह का कुछ बता रहे थे।"

जॉर्ज ने फिर सिर हिलाया।

स्लिम ने आह भरी। "ठीक है, मुझे लगता है कि हमें उसे पकड़ना होगा। तुम्हें क्या लगता है, वह कहाँ गया होगा?"

जॉर्ज को अपने मुँह से शब्द निकालने में कुछ समय लगा। "वह दक्षिण की ओर जाना चाहता था," उसने कहा। "हम उत्तर से आये हैं इसलिए वह दक्षिण की ओर गया होगा।"

"मुझे लगता है कि हमें उसे पकड़ना होगा," स्लिम ने दोहराया।

जॉर्ज करीब आ गया। "हमें शायद उसे पकड़कर यहाँ नहीं लाना चाहिए। वे उसे कैद कर देंगे, वह पागल है, स्लिम। उसने कभी भी जानबूझकर ऐसा नहीं किया।"

स्लिम ने सिर हिलाया। "हम कर सकते हैं," उसने कहा। "अगर हम कर्ली को अन्दर रख सके, तो हम कर सकते हैं। लेकिन कर्ली उसे गोली मारना चाहता है। कर्ली अभी भी अपने हाथ को लेकर पगलाया हुआ है। ऐसा लगता है कि वे उसे कैद कर देंगे और उसे बांधकर एक पिंजरे में डाल देंगे। यही होगा, यह अच्छा नहीं है, जॉर्ज।"

"मुझे पता है," जॉर्ज ने कहा। "मुझे पता है।"

कार्लसन दौड़ता हुआ अन्दर आया। "कमीने ने मेरा लूगर चुरा लिया," वह चिल्लाया। "वह मेरे बैग में नहीं है।" कर्ली उसके पीछे आया, और कर्ली के सीधे हाथ में एक बन्दूक थी। कर्ली अब शान्त था।

"ठीक हो, तुम लोग," उसने कहा। "नीग्रो के पास एक बन्दूक है। तुम इसे ले लो, कार्लसन। जब तुम उसे देखो तो उसे कोई मौका न देना। उसकी हिम्मत को कुचल देना। नहीं तो वह दोगुना हो जायेगा।"

व्हिट ने उत्साह से कहा, "मेरे पास बन्दूक नहीं है।"

कर्ली ने कहा, "तुम सोलेदाद जाओ और एक पुलिस वाले को बुला लाओ। अल विल्ट्स को बुलाना, वह डिप्टी शहजादा है। तो अब चलें।" उसे जॉर्ज पर संदेह हुआ। "तुम हमारे साथ आ रहे हो, दोस्त।"

"हाँ," जॉर्ज ने कहा। "मैं आऊँगा। लेकिन सुनो, कर्ली। बेचारा हरामी पागल

है। उसे गोली मत मारना। वह नहीं जानता कि वह क्या कर रहा है।"

"उसे गोली न मारें?" कर्ली चिल्लाया। "वह कार्लसन का लूगर ले गया है। बेशक हम उसे गोली मार देंगे।" जॉर्ज ने झिझकते हुए कहा, "हो सकता है कार्लसन ने अपनी पिस्तौल कहीं खो दी हो।"

"मैंने उसे आज सुबह ही देखा था," कार्लसन ने कहा।

"नहीं, वह इसे ले गया है।"

स्लिम खड़ा होकर कर्ली की पत्नी की ओर देख रहा था। उसने कहा, "कर्ली, शायद बेहतर होगा कि तुम अपनी पत्नी के साथ यहीं रहो।"

कर्ली का चेहरा लाल हो गया। "मैं जा रहा हूँ," उसने कहा। "मैं खुद ही उस भीमकाय कमीने को गोली मारूँगा, भले ही मेरा केवल एक ही हाथ हो। मैं उसे पकड़ लूँगा।"

स्लिम ने कैंडी की ओर रुख किया। "तो फिर, तुम यहीं उसके साथ रहो, कैंडी। बेहतर होगा कि हममें से बाकी लोग चले जायें।"

वे चले गये। जॉर्ज एक क्षण के लिए कैंडी के पास रुका और वे दोनों मृत लड़की को देखने लगे जब तक कि कर्ली ने नहीं कहा, "तुम, जॉर्ज! तुम हमारे साथ रहो ताकि हमें यह न लगे कि तुम्हारा इससे कोई लेना-देना है।"

जॉर्ज धीरे-धीरे उनके पीछे चला, और वह मुश्किल से अपने पैर घसीट पा रहा था और जब वे चले गये, कैंडी घास पर बैठ गया और कर्ली की पत्नी का चेहरा देखने लगा। "बेचारा हरामी," उसने धीरे से कहा।

लोगों की आवाज धीमी हो गयी थी। खलिहान में धीरे-धीरे अन्धेरा हो रहा था, और घोड़े अपनी जगहों पर अपने पैर पटक रहे थे और लगाम की जंजीरों को खड़खड़ा रहे थे। बूढ़ा कैंडी घास में लेट गया और अपनी आँखों को अपनी बाँह से ढँक लिया।

अध्याय-6

शाम का वक्त था। सेलिनास नदी के तट पर सन्ध्या पसरने लगी थी। सूरज अब घाटी को छोड़ गबिलियन की पहाड़ियों की ढलानों पर चढ़ चुका था। पहाड़ियों की चोटियाँ ढलते हुए सूरज की रोशनी में गुलाबी रंग की सी लग रही थी। लेकिन नीचे, तालाब के किनारे, चिनार के वृक्षों के बीच सन्ध्या काल का बहुत ही लुभावना आभास हो रहा था।

पानी का एक साँप, जिसकी गर्दन पेरिस्कोप की तरह पानी से बाहर निकली हुई थी, अपनी गर्दन को दायें से बायें हिलाता हुआ तालाब में ऊपर की ओर तैर रहा था। तैरते-तैरते वह एक बगुले के पैरों के समीप पहुँच गया जो चुपचाप अपने शिकार के इन्तजार में छिछले पानी में स्थिर खड़ा था। साँप को देखते ही बगुले ने बिना हिले अपनी गर्दन झुकायी और चोंच चुभोकर उसे सिर से बाहर खींच लिया। उसने बिना एक क्षण गँवायें साँप को तुरन्त निगल लिया जबकि उसकी पूँछ अभी भी उत्तेजित अवस्था में हिल रही थी।

हवाएँ काफी तेज थीं और इसी बीच हवा का एक झोंका, लहर की तरह पेड़ों के ऊपर से होकर गुजरा। तेज झोंके की वजह से चिनार की पत्तियाँ उल्टी हो गयी और जमीन पर पड़ी सूखी पत्तियाँ हवा के बहाव में कुछ फीट दूर जा उड़ी। हवा के वेग से तालाब की सतह पर भी पानी की छोटी-छोटी लहरें उत्पन्न हो गयीं।

जल्द ही हवाओं का चलना बन्द हो गया और वातावरण में फिर से शान्ति फैल गयी। बगुला फिर से छिछले पानी में स्थिर खड़े होकर अपने शिकार का इन्तजार करने लगा। ठोड़ी ही दूर, पानी का एक और साँप, अपनी पेरिस्कोप जैसी गर्दन को दायें से बायें हिलता हुआ तालाब में तैर रहा था।

अचानक पास की झाड़ियों से लेनी, किसी भालू की तरह रेंगते हुए बाहर निकला। झाड़ियों की आवाज सुन बगुले ने हवा में अपने पंख फड़फड़ाये और खुद को हवा में उछाल कर नदी में नीचे की ओर उड़ गया। साँप भी तेजी से सरकते हुए तालाब के किनारे सरकंडे के पौधों के बीच जा छुपा।

लेनी चुपचाप तालाब के किनारे आया और नीचे बैठकर बिना आवाज किये पानी पीने लगा। तभी पीछे से चिड़िया के बैठने की वजह से सूखी पत्तियों के खड़खड़ाने

की आवाज आयी। लेनी ने तुरन्त पीछे मुड़कर देखा और आवाज की दिशा में तब तक देखता रहा जब तक उसे चिड़िया दिखायी नहीं दे गया। पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद वह फिर सिर झुकाकर पानी पीने लगा।

पानी पीने के बाद, वह तालाब के किनारे एक तरफ होकर बैठ गया जिससे कि वह रास्ते पर नजर रख सके। उसने अपने घुटनों को छाती के समीप लाकर हाथों से भींचा और उन पर ठोड़ी टिकाकर इन्तजार करने लगा।

घाटी से रोशनी पूरी तरह से जा चुकी थी। और जैसे-जैसे वह ऊपर चढ़ रही थी, पहाड़ की चोटियों की चमक में और इजाफा हो रहा था।

लेनी ने धीरे से कहा, "मैं नहीं भूला, सच में। मुझे झाड़ियों में छुपकर जॉर्ज का इन्तजार करना है।" उसने अपना हैट आँखों के ऊपर रखा। "जॉर्ज मुझे बहुत डाँटेगा," वह बड़बड़ाया। "जॉर्ज अकेले रहना चाहता था और नहीं चाहता था कि उसे परेशान करने के लिए मैं उसके साथ रहूँ।" उसने अपनी गर्दन घुमायी और पहाड़ की चमकती हुई चोटियों को देखने लगा। "मैं अभी वहाँ जाकर अपने लिए गुफा ढूँढता हूँ," वह फिर से बुदबुदाया। उसने आगे दुखी होकर कहा, "...मुझे वहाँ केचप नहीं मिलेगा लेकिन मुझे इसकी कोई चिन्ता नहीं है। अगर जॉर्ज नहीं चाहता कि मैं उसके साथ रहूँ तो मैं चला जाऊँगा। बहुत दूर चला जाऊँगा।"

वह इस उधेड़बुन में लगा ही हुआ था कि उसके दिमाग में एक बूढ़ी औरत का ख्याल आया और वह अपने सामने उसकी कल्पना करने लगा। वह एक छोटे कद की बूढ़ी और मोटी औरत थी। उसकी आँखों पर मोटे लेन्स के चश्मे चढ़े हुए थे। उसने एक बहुत लम्बा सूत का एप्रिन पहन रखा था जिसमें जेबें भी थी। और वह बिलकुल साफ-सुथरी दिखायी दे रही थी। वह लेनी के ठीक सामने खड़ी हुई और कमर पर हाथ टिकाकर नाराजगी से लेनी को देखने लगी।

जब उस बूढ़ी औरत ने मुँह खोला तो वह लेनी की आवाज में बोल रही थी। "मैंने तुम्हें कहा था," वह बोली। "मैंने तुम्हें कहा था कि जॉर्ज कितना अच्छा है और तुम्हारा कितना ख्याल रखता है। लेकिन तुम कभी उसकी परवाह नहीं करते। तुम हमेशा गलत काम करते हो।"

फिर लेनी ने जवाब देते हुए कहा, "मैंने कोशिश की, आंटी क्लारा। बहुत कोशिश की। लेकिन खुद को गलती करने से रोक नहीं पाया।"

"तुम कभी जॉर्ज के बारे में नहीं सोचते," वह लेनी की आवाज में बोलती रही। "वह हमेशा तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार करता है। जब भी उसे कहीं से पाई का टुकड़ा मिलता है तो वह आधा या आधे से ज्यादा तुम्हें दे देता है। अगर उसके पास टमाटर

की चटनी होती है तो उसे भी वह पूरा तुम्हें दे देता है।"

"मुझे पता है," उसने बहुत दुखी होकर कहा। "मैंने कोशिश की, आंटी क्लारा। मैंने बहुत बार कोशिश की।"

आंटी क्लारा ने बीच में ही लेनी को टोकते हुए कहा, "अगर तुम नहीं होते तो उसकी जिन्दगी बहुत आसान और खुशियों से भरी हुई होती। वह चाहता तो अपनी कमाई को वेश्यालय में उड़ा सकता था। स्नूकर खेलकर अपना वक्त सबके साथ अच्छे से बिता सकता था। पर उसने ऐसा कुछ नहीं किया। सिर्फ और सिर्फ तुम्हारी देखभाल करने के लिए।"

लेनी दुखी होकर विलाप करने लगा। "मैं सब जानता हूँ, आंटी क्लारा। मैं अभी पहाड़ियों पर चला जाऊँगा। वहाँ मैं अपने लिए एक गुफा ढूँढूगा और उसमे रहूँगा, ताकि जॉर्ज को मेरी वजह से और परेशानी न हो। "

"तुम सिर्फ कहते हो," उसने तीखे स्वर में कहा। "तुम हमेशा यह कहते हो लेकिन तुम भी ये अच्छे से जानते हो कि तुम कभी भी ऐसा कुछ नहीं करने वाले। तुम यहीं रहोगे और हमेशा जॉर्ज को परेशान करते रहोगे।"

यह सुनकर लेनी ने कहा, "शायद मुझे यहाँ से चले जाना चाहिए। क्योंकि अब जॉर्ज मुझे खरगोश नहीं पालने देगा।"

आंटी क्लारा अब जा चुकी थी और उनकी जगह अब एक बड़े से खरगोश ने ले ली थी। वह लेनी के ठीक सामने अपने पिछले पैरों पर बैठा हुआ था। लेनी को देखकर उसने अपने कानों को हिलाया और नाक को सिकोड़ा। और वह भी लेनी की ही आवाज में बोलने लगा।

"भूल जाओ," उसने उपेक्षा के भाव से कहा। "बेवकूफ कहीं के, तुम तो खरगोश पालने लायक ही नहीं हो। तुम उन्हें भूल जाओगे और भूखे मरने के लिए छोड़ दोगे। हाँ, तुम ऐसा ही करोगे। तब तुमने सोचा है कि जॉर्ज क्या सोचेगा?"

"मैं नहीं भूलूँगा," उसने चिल्लाकर कहा।

"तुम झूठ बोल रहे हो," खरगोश ने कहा। "तुम तो नरक में भी जाने लायक नहीं हो। भगवान जानता है कि जॉर्ज ने तुम्हें विवादों से बचाने की हर मुमकिन कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं। इस सबके बाद भी अगर तुम्हें लगता है कि जॉर्ज तुम्हें खरगोश पालने देगा तो यह तुम्हारी भूल है। वह तुम्हें छड़ी से बुरी तरह पीटेगा, देख लेना वह ऐसा ही करेगा।"

यह सुनकर लेनी ने एक योद्धा की तरह जवाब देते हुए कहा, "मैं नहीं मानता। जॉर्ज ऐसा कुछ भी नहीं करेगा। मैं जॉर्ज को तब से जानता हूँ जब से, मुझे याद नहीं

कि कब से, लेकिन उसने आज तक कभी मुझ पर हाथ नहीं उठाया और न ही छड़ी से मारा। वह मेरे साथ बहुत अच्छे से पेश आता है। वह कभी मेरे साथ कुछ बुरा नहीं करेगा।"

"वह तुमसे बहुत तंग आ चुका है," खरगोश ने कहा। "वह तुम्हें बुरी तरह पीटेगा और फिर अकेला छोड़कर चला जायेगा।"

"वह ऐसा नहीं करेगा," लेनी गुस्से से चिल्लाया। "वह ऐसा कुछ नहीं करेगा। मैं जॉर्ज को अच्छे से जानता हूँ। आखिर हम एक साथ सफर पर जाते हैं। लेकिन खरगोश...", वह बार-बार यही दोहराता रहा, "वह तुम्हें छोड़ देगा। देख लेना वह तुम्हें छोड़ देगा। वह तुम्हें यहाँ अकेला छोड़कर चला जायेगा।"

लेनी ने अपने कानों को हाथों से ढक लिया। "वह ऐसा नहीं करेगा, मुझे पता है वह ऐसा नहीं करेगा। वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा, "जॉर्ज, तुम कहाँ हो। जॉर्ज, जॉर्ज!"

जॉर्ज धीरे से झाड़ियों से बाहर निकला और उसके आते ही खरगोश फिर से गायब हो गया। जॉर्ज ने धीमे स्वर में कहा, "तुम क्यों चिल्ला रहे हो?"

लेनी अपने घुटनों के बल खड़ा हुआ और बोला, "क्या तुम मुझे छोड़ दोगे, जॉर्ज? मुझे यकीन है कि तुम ऐसा नहीं करोगे।"

जॉर्ज सख्ती से उसके पास आया और उसकी बगल में बैठकर बोला, "नहीं, बिलकुल नहीं।"

"मुझे मालूम था," वह खुशी से चिल्लाया। "तुम ऐसे बिलकुल नहीं हो।"

जॉर्ज चुपचाप सुनता रहा। फिर लेनी बोला, "जॉर्ज।"

"क्या बात है?"

"मुझसे एक और गलती हो गयी है।"

"कोई बात नहीं," जॉर्ज ने कहा और फिर चुप्पी साध ली।

सूरज की रोशनी अब केवल चोटियों के शिखर तक सिमट गयी थी। नीचे घाटी में हल्का गहरा अन्धकार छाने लगा था। एकाएक थोड़ी दूर से लोगों की आवाजें आने लगी, जो आपस में चिल्लाकर बात कर रहे थे। जॉर्ज ने गर्दन घुमायी और ध्यान से उन आवाजों को सुनने लगा।

"जॉर्ज," लेनी बोला।

"क्या बात है?"

"क्या तुम मुझसे कुछ कहोगे नहीं?"

"भला मैं तुम्हें क्या कहूँ? "

"वही सब जो तुम हमेशा कहते हो। जैसे कि, "अगर तुम मेरे साथ नहीं होते

तो मैं अपने पैसों से...' "

"ओफ्फो, लेनी। वैसे तो तुम सब कुछ भूल जाते हो लेकिन मेरा कहा हर शब्द तुम्हें अच्छे से याद रहता है। "

"क्या तुम यह सब नहीं कहोगे?"

जॉर्ज ने झटके से खुद को सम्भाला और भावशून्य ढंग से बोलने लगा, "अगर मैं अकेला होता तो मेरी जिन्दगी बेहद आसान होती।" उसकी आवाज में नीरसता और प्रभावहीनता साफ झलक रही थी। "मैं आराम से नौकरी करता और मेरे जीवन में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होती।" और यह कहते-कहते वह रुक गया।

"बोलते रहो," लेनी ने कहा। "और जब महीने का आखिर होता..."

"और जब महीने का आखिर होता तो मैं अपने पैसे लेकर वेश्यालय..." और वह फिर चुप हो गया।

लेनी उत्सुकता से उसे देख रहा था। "आगे बोलो, जॉर्ज। क्या तुम मुझे और कुछ नहीं कहोगे?"

"नहीं," जॉर्ज ने कहा।

"ठीक है, तो फिर मैं चला जाता हूँ," लेनी ने कहा। "अगर तुम्हें मेरे साथ रहना पसन्द नहीं है तो मैं दूर पहाड़ियों पर चला जाता हूँ और वहाँ गुफा में रहूँगा।"

जॉर्ज ने एक बार फिर खुद को सम्भाला। "नहीं," उसने कहा। "मैं चाहता हूँ कि, तुम यहीं, मेरे साथ रहो।"

"ठीक वैसे ही बताओ जैसे कि तुमने पहले बताया था," लेनी ने चतुराई से कहा।

"कैसे बताया था?"

"यही कि कैसे हम दूसरों से अलग हैं।"

जॉर्ज ने बोलना शुरू किया, "हम जैसे लोगों का कोई परिवार नहीं होता। उनकी कमाई भी बहुत कम होती है। और वे जितना भी कमाते हैं उसे अपनी अयाशियों में उड़ा देते हैं। वे जहाँ काम करते हैं, वहाँ पर भी किसी को उनकी कोई परवाह नहीं होती।"

"लेकिन हम ऐसे नहीं हैं," लेनी खुशी से चीख पड़ा। "अब हमारे बारे में बताओ।"

जॉर्ज कुछ समय तक चुप रहा और फिर बोला, "लेकिन हम ऐसे नहीं हैं।"

"क्योंकि"

"मेरे पास तुम और..."

"और मेरे पास तुम हो। हम दोनों हैं यहाँ एक-दूसरे का ख्याल रखने के लिए।

एक-दूसरे की फिक्र करने के लिए," लेनी विजयी भाव से चिल्लाया।

शाम की बयार में पत्तियों के सरसराने की आवाजें आ रही थीं। ठण्डी हवा तालाब के गहरे हरे पानी में लहरें पैदा कर रही थी। तभी लोगों के चिल्लाने की आवाजें दोबारा से आने लगी। इस बार यह शोर काफी नजदीक से आ रहा था।

जॉर्ज ने अपनी हैट उतारी और काँपती हुई आवाज में बोला, "अपनी हैट उतारो, लेनी और हवा को महसूस करो। तुम्हें अच्छा लगेगा।"

लेनी ने ठीक वैसा ही किया और हैट उतारकर सामने जमीन पर रख दी। घाटी में अन्धेरा और भी गहरा गया था, और जल्दी ही शाम फैल गयी। हवा के साथ-साथ उन्हें झाड़ियों में लोगों के चलने की आवाजें भी सुनाई दे रही थी।

"बताओ कि आगे क्या होगा," लेनी ने अनुरोध किया।

जॉर्ज दूर से आती हुई आवाजों को सुन रहा था। थोड़ी देर के लिए वह व्यावहारिक होकर बोला, "नदी के उस तरफ देखो लेनी, और फिर मैं तुम्हें बताऊँगा ताकि तुम उन सबकी अच्छे से कल्पना कर सको।"

लेनी ने गर्दन घुमाई और नदी के दूसरी तरफ तथा गैबिलियन की पहाड़ियों को देखने लगा। "हमारे पास एक छोटा सा घर होगा," जॉर्ज ने बोलना शुरू किया। बोलते-बोलते उसने अपने किनारे की जेब में हाथ डाला और कार्लसन की पिस्तौल बाहर निकाली, उससे सुरक्षा पत्ती हटायी और अपना हाथ पिस्तौल समेत लेनी के पीछे जमीन से सटा लिया। उसके बाद उसने लेनी के सिर के पीछे उस जगह को देखा, जहाँ पर रीढ़ और खोपड़ी आपस में जुडती हैं।

नदी के ऊपर की तरफ से एक आदमी के बोलने की आवाज आयी और दूसरे आदमी नें पलटकर उसका जवाब दिया।

"आगे बोलो," लेनी ने फिर से गुजारिश की।

जॉर्ज ने जैसे ही पिस्तौल उठायी, उसका हाथ काँपने लगा, और उसने फिर से अपना हाथ नीचे कर लिया।

"आगे बोलो न," लेनी ने दोबारा कहा। "सब कुछ कैसा होगा। हमारे पास एक छोटा सा घर होगा।"

"हमारे पास एक गाय होगी," जॉर्ज ने आगे कहा। "और शायद हमारे पास एक सूअर और कुछ मुर्गियाँ भी होंगी और घर के नीचे, छोटी सी जगह में, हमारे पास अल्फाल्फा के पौधे भी होंगे..."

"खरगोशों के लिए," लेनी ने जोर से कहा।

"हाँ, खरगोशों के लिए," जॉर्ज ने लेनी की बात दोहरायी।

"और तुम मुझे खरगोश पालने दोगे।"

"और मैं तुम्हें खरगोश पालने दूँगा।"

लेनी खुशी से झूम उठा। कहते-कहते लेनी पीछे की ओर देखने लगा। "रुको, लेनी," जॉर्ज ने उसे बीच में ही रोकते हुए कहा। "वहाँ नदी के उस तरफ देखो, और कल्पना करो कि जैसे कि वह जगह तुम्हें सच में दिखाई दे रही हो।"

लेनी ने ठीक वैसा ही किया और जॉर्ज नीचे पिस्तौल को देखने लगा। झाड़ियों से लोगों के कंदमों की बहुत तेज आवाजें आ रही थी। जॉर्ज मुड़ा और उसी दिशा में देखने लगा।

"बताओ न, जॉर्ज। हम यह सब कब करेंगे?"

"बहुत जल्द," उसने जवाब दिया।

"तुम और मैं।"

"हाँ, मैं और तुम। हर कोई तुमसे बहुत अच्छे से पेश आयेगा। हमारी सारी परेशानियाँ खत्म हो जायेंगी। कोई किसी को चोट नहीं पहुँचाएगा और न ही किसी से कुछ चुरायेगा।"

लेनी ने कहा, "मुझे तो लगा था कि तुम मुझसे नाराज हो, जॉर्ज।"

"नहीं," जॉर्ज नें कहा। "नहीं लेनी मैं तुमसे नाराज नहीं हूँ।"

"मैं कभी भी तुमसे नाराज नहीं था, और न ही अब हूँ। मैं चाहता हूँ कि तुम यह बात अच्छे से जान लो।"

आवाजें अब काफी नजदीक से आ रही थी। जॉर्ज ने पिस्तौल उठाई और ध्यान से आवाजों को सुनने लगा।

लेनी विनती करने लगा, "चलो जॉर्ज। चलो, हम अभी उस जगह पर चलते हैं।"

"हाँ जरूर अभी, हम इसी वक्त चलते हैं।" और जॉर्ज ने पिस्तौल उठा ली। उसने पिस्तौल को सँभालते हुए उसका मुँह, लेनी की गर्दन के पीछे काफी नजदीक टिका दिया। उसके हाथ बुरी तरह काँप रहे थे, लेकिन उसका चेहरा स्थिर और हाथ एकदम दृढ़ थे। उसने बिना देर किये ट्रिगर दबा दिया और गोली की आवाज पहाड़ियों में चारों ओर गूँज उठी। लेनी एक झटके के साथ, धीरे से सामने रेत पर जा गिरा। वह बिलकुल भी हिल नहीं रहा था।

जॉर्ज ने काँपते हुए पिस्तौल को देखा और उसे अपने से दूर, तालाब के किनारे, राख के ढेर के नजदीक फेंक दिया। झाड़ियों से अब बहुत तेज कोलाहल और दौड़ते हुए

कदमों की आवाजें आ रही थी। तभी स्लिम चिल्लाया, "जॉर्ज। तुम कहाँ थे, जॉर्ज?"

लेकिन जॉर्ज उसकी बात को अनसुना करके बुत बनकर किनारे पर बैठा अपने सीधे हाथ, जिससे उसने पिस्तौल को फेंका था, को देखता रहा। थोड़ी ही देर में सारे लोग झाड़ियों से निकलकर खुले में आ गये। कर्ली उन सबमें सबसे आगे खड़ा था। उसने लेनी को नीचे रेत पर पड़े हुए देखा। "पकड़ लिया, आखिर पकड़ लिया।" वह पास जाकर लेनी को देखने लगा। उसके बाद उसने जॉर्ज की तरफ नजर घुमायी और धीरे से मुस्कुराकर बोला, "गोली सीधे सिर के पीछे मारी, बहुत अच्छा!"

स्लिम सीधे जॉर्ज के पास आया और उसके बगल में सटकर बैठ गया। "तुम इसके बारे में ज्यादा मत सोचो," उसने ढांढस बंधाते हुए कहा। "कभी-कभी इन्सान को ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं।"

लेकिन कार्लसन जॉर्ज के पास भौचक्का सा खड़ा था। "तुमने ऐसा क़ैसे किया?" उसने पूछा।

"बस हो गया," उसने क्षुब्ध लहजे में कहा।

"क्या उसके पास मेरी पिस्तौल थी?"

"हाँ। उसके पास तुम्हारी पिस्तौल थी।"

"और तुमने उससे पिस्तौल छीनकर उसे गोली मार दी?"

"हाँ। ऐसा ही हुआ।" जॉर्ज के गले से आवाज अब बामुश्किल ही निकल रही थी। वह अभी भी टिकटिकी लगाये उसी हाथ को देख रहा था जिससे उसने पिस्तौल पकड़ी थी।

स्लिम ने जॉर्ज को कोहनी से पकड़ा और बोला, "चलो, जॉर्ज। मैं और तुम यहाँ से जाकर एक-एक ड्रिंक लेंगे।"

जॉर्ज स्लिम का सहारा लेकर अपने पैरों पर खड़ा हुआ और बोला, "सही कहा, एक ड्रिंक।"

"तुम्हें इसकी जरुरत है जॉर्ज," स्लिम ने उसे सँभालते हुए कहा। "तुम्हें सच में अभी इसकी बहुत जरुरत है।" और वह जॉर्ज को सहारा देकर पतले रास्ते से होता हुआ ऊपर हाईवे की तरफ ले गया।

इधर कर्ली और कार्लसन ने उन्हें पीछे से देखा। तभी कार्लसन बोला, "तुम्हें क्या लगता है, ये दोनों किस बात से इतने दुखी हैं?"

1937 में प्रकाशित जॉन स्टाइनबेक का यह लघु उपन्यास जॉर्ज मिल्टन और लेनी स्मॉल, दो विस्थापित प्रवासी खेत मजदूरों के संघर्षमय अनुभवों की दास्तान है, जो संयुक्त राज्य अमरीका में महामन्दी के दौरान नयी नौकरी की तलाश में कैलिफोर्निया में एक जगह से दूसरी जगह भटकते रहे।

स्टाइनबेक ने 1910 के दशक में एक किशोर के रूप में प्रवासी खेत मजदूरों के साथ काम करने के अपने खुद के अनुभवों को ही इस उपन्यास का आधार बनाया था।

स्आइनबेक ने कहा था "इनसान को समझने की कोशिश करें, अगर आप एक-दूसरे को समझेंगे तो आप एक-दूसरे के प्रति दयालु होंगे। किसी व्यक्ति को अच्छी तरह से जान लें तो कभी उससे नफरत नहीं होती, हमेशा प्यार होता है। छोटे-छोटे साधन भी बहुत हैं। सामाजिक बदलाव को बढ़ावा देने वाला लेखन हो, अन्याय को पराजित करने वाला लेखन हो, चाहे वीरता के उत्सव का लेखन हो, हमेशा यही बुनियादी विषय होता है-- एक दूसरे को समझने की कोशिश करना।"
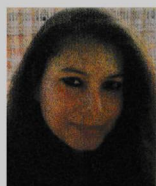
शीतल तिवारी : 28 अप्रैल, 1987 को फरीदाबाद में जन्म। प्रारम्भिक शिक्षा पौड़ी गढ़वाल जिले के श्रीनगर शहर में। 2010 में गढ़वाल सेंट्रल यूनिवर्सिटी से मास कम्युनिकेशन में मास्टर्स डिग्री। हिन्दुस्तान टाइम्स के डिजिटल डेस्क के साथ ही पत्रिकाओं के लिए अनुवाद। 2018 में उच्च हिमालयी इलाकों में 64 दिन मोटरसाइकिल यात्रा के दौरान पहाड़ी लोक जीवन का अध्ययन।

गार्गी प्रकाशन की वेबसाइट के लिए स्कैन करें।

ISBN : 978-93-94061-20-0